पुष्कर

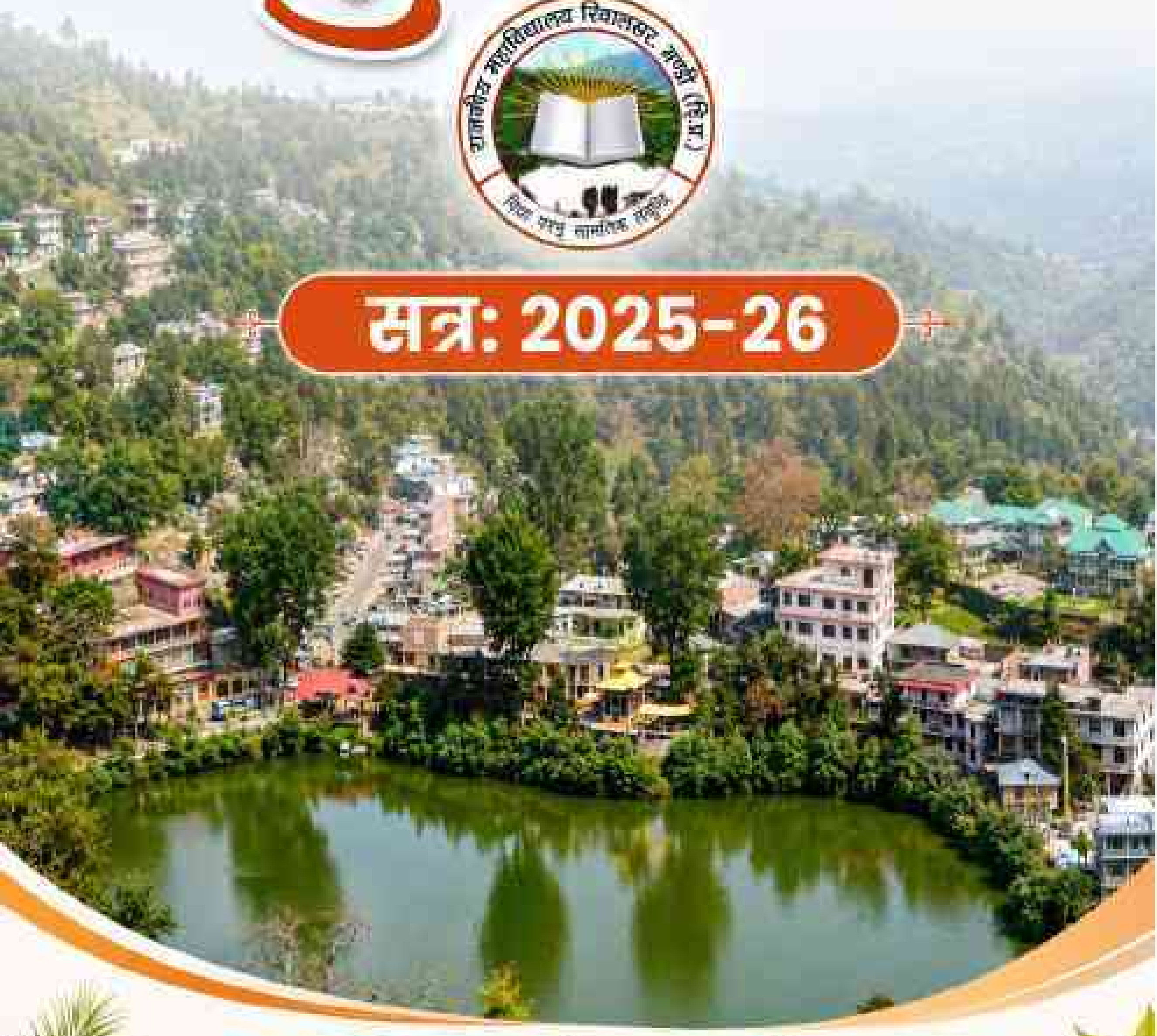

सत्र: 2025-26

राजकीय महाविद्यालय रिवालसर
मण्डी (हि. प्र.)

Teaching Staff

Non- Teaching Staff

PTA

PUSHKAR

2025-26

Govt. Degree College
Rewalsar, Distt. Mandi (H.P.)

FORM -IV

Place of Publication	:	**Mandi**
Periodicity of its Publication	:	**Annual**
Owner's Name	:	**Dr. K. C. Kashyap**
Address	:	**Principal, GDC Rewalsar** **Dist. Mandi (HP)**
Nationality	:	**Indian**
Printer's Name	:	**Shree Radhe Print & Supplier**
Address	:	**Vill. Bhadyal, P.O.Tikkar,Teh. Balh** **Distt. Mandi (H.P.)**
Nationality	:	**Indian**
Chief Editor's Name	:	**Prof. Anjali Parmar**
Address	:	**Dist. Mandi (HP)**
Nationality	:	**Indian**

I, Dr. K. C. Kashyap hereby declare that the particulars given above are true and correct to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Dr. K. C. Kashyap
Principal

Dr. Amarjeet K. Sharma
Director (Higher Education)

Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh
Shimla - 171001
Tel. : 0177-2656621 Fax : 0177-2811347
E-mail : dhe-sml-hp@gov.in

MESSAGE

It is a matter of immense delight for me to know that your college is going to publish the college magazine.

College magazine is a very useful medium for young minds to express their bristling ideas and thoughts. It gives a chance to students, the budding writers, to get the attention of others through their creative and contemporary writings. It is an essential ingredient of college regular activities and documentation of such events. The true purpose of higher education is to open the horizons for the curious young minds and to refine and polish them in such a way that they become responsible citizens of our country.

I wish your college a great future and grand success to the college magazine. I also congratulate the Editor(s) of the magazine and wish everyone all the best in their ventures.

Jai Hind.

(Dr. Amarjeet K. Sharma)

प्राचार्य की लेखनी से

महाविद्यालय की पत्रिका 'पुष्कर' का नवीन अंक नए विचारों का पिटारा है। लेखन एक कला है, जिसके रहस्यों को समझना सहज नहीं है। सतत प्रयास और अभ्यास, लेखन के लिए अति आवश्यक है। मन में विचारों का आवागमन निरन्तर चलता रहता है। उपयोगी विचारों को अविलम्ब लिखा जाना कुशल लेखन की प्रक्रिया को सरल बनाता है। प्रबुद्ध प्राध्यापकों के सहयोग एवं मार्गदर्शन में लेखन उच्च स्तरीय होता है। साहित्य - सृजन समिति का गठन और भाषा प्रचार-समिति महाविद्यालय में गठित की जानी चाहिए। मुंशी प्रेम चंद ने लेखन कार्य को अपनी जीवन शैली व दिनचर्या में शामिल किया और एक प्रसिद्ध लेखक का दर्जा पाया। पत्रिका के लेखन में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-सम्पादक सहित सभी लेखक बधाई के पात्र हैं। भविष्य में इसी प्रकार के रचनात्मक प्रयास किए जाने चाहिए। रामधारी सिंह 'दिनकर' ने उचित बात अपने काव्य में लिखी है:-

मरणोपरान्त जीने की है यदि चाह तुझे,
तो सुन, बताता हूं मैं सीधी राह तुझे,
लिख ऐसी कोई चीज, कि दुनिया डोल उठे,
या कर कुछ ऐसा काम, जमाना बोल उठे।

शुभ कामनाओं सहित !

डॉ. के. सी. कश्यप
प्राचार्य

From the Desk of the Chief Editor

It is a matter of immense pleasure for me in presenting the fourth edition of the college magazine 'Pushkar'. This magazine serves as a powerful medium to showcase the writing prowess and creative ingenuity of the talented students of our college. Our young students are the architects of our nation's immediate future; therefore, it becomes our duty to bring forth the thoughts and emotions surging within them and to give shape to their dreams. An educational institution holds immense significance in a student's life. While time and circumstances may constantly change, the importance and stature of education in human life remains immutable. With holistic development at its core, our college focuses not only on academic instruction, but also on fostering growth in the realms of sports, culture, and health. Our college consistently strives to ensure active participation in awareness programmes, competitions, and various events. The Photo Gallery Section of the college magazine reflects the achievements of our outstanding students. This magazine offers a unique opportunity for those students who are a reservoir of ideas, brimming with imagination, and a treasure trove of diverse talents, skills and virtues. Our magazine is like a river that breathes life into every bend it encounters along its course, flowing ceaselessly onward and ever forward. I would like to extend my sincere appreciation to our esteemed Principal Dr. K. C. Kashyap for his invaluable support and unwavering encouragement. My gratitude also goes to the editorial team and all the contributors, whose dedication and hard work became instrumental in making this publication reality.

With best wishes
Prof. Anjali Parmar
Chief Editor

विद्या ददाति विनयं विनयाद याति पात्रताम ।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्म ततः सुखम् ॥

हिन्दी अनुभाग

सत्र: 2025-26

प्रो. कुलदीप कुमार
प्राध्यापक संपादक

साधना
छात्र संपादक

राजकीय महाविद्यालय रिवालसर
मण्डी (हि. प्र.)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	नाम	कक्षा	आलेख / कविता /अन्य पद्य,गद्य विधा का शीर्षक
1.	डॉ. के. सी. कश्यप	प्राचार्य	मांसाहार- एक दृष्टिकोण
2.	कुलदीप कुमार	प्राध्यापक संपादक	भूल गए वो हमें
3.	प्रो. यश पाल	सहायक आचार्य (वाणिज्य)	सत्य का पथिक
4.	पुष्प राज ठाकुर	लिपिक	मेरे गांव की खड्ड की कहानी
5.	साधना	बी.ए. तृतीय वर्ष (2344)	मेहनत का फल
6.	पूजा शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2302)	ऐ इंसान तू बाज न आया
7.	रक्षा देवी	बी.ए. तृतीय वर्ष (2343)	भोजन
8.	हेम लता	बी.ए. तृतीय वर्ष (2307)	प्रकृति की सुंदरता /इंसान, सुन हमारी बात
9.	ज्योति ठाकुर	बी.ए. तृतीय वर्ष (2327)	मौत
10.	इन्दिरा देवी	बी.ए. तृतीय वर्ष (2310)	बड़ी अजीब है आज की दुनिया/ फर्क दो जिन्दगियों में
11.	शिक्षा विशिष्ट	बी.ए. तृतीय वर्ष (2322)	कहाँ लुप्त हुआ सरल संसार
12.	गीतांजली	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2413)	बेटी
13.	श्रेया शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2303)	हाय परीक्षा आई है/ परीक्षाओं और नौकरी का दबाव
14.	स्नेहा ठाकुर	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2404)	शिक्षक
15.	नीलम ठाकुर	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2402)	हाय रे परीक्षा
16.	चंचल	बी.ए. तृतीय वर्ष (2330)	सच्चाई की राह पर चलना सीखो
17.	प्रियानी शर्मा	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2409)	नानी का घर / मेरी छोटी बहन
18.	दीपिका	बी.ए. तृतीय वर्ष (2304)	मन की बात / एक सवाल
19.	दीपिका शर्मा	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2435)	इश्क रिस्क - राधा कृष्ण
20.	अंजना शर्मा	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2416)	गुरु का महत्त्व / नशा मुक्त भारत
21.	सपना ठाकुर	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2436)	हार मत मानो/राम-राम का अर्थ समझें
22.	तनु देवी	बी.ए. तृतीय वर्ष (2308)	समय
23.	भावना देवी	बी.ए. प्रथम वर्ष (2511)	जिंदगी
24.	दीक्षा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2321)	पिता
25.	मोनिका शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2318)	दादी
26.	मंजू	बी.ए. प्रथम वर्ष (2511)	प्रकृति
27.	उपासना शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2317)	माँ
28.	सिमरन शर्मा	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2421)	मेरी मातृ भूमि
29.	उपासना शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2317)	शिव प्रेम /पृथ्वी/ मेरे प्यारे पापा
30.	रिया शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष (2348)	उड़ने का हौसला
31.	नीतू	बी.ए. तृतीय वर्ष (2348)	भ्रष्टाचार/ लोग स्मरण रहे
32.	बबली	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2418)	बढ़े चलो
33.	सुष्मिता	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2408)	ज्ञान का बंधन/ योग्यता बनाम पहचान

मांसाहार- एक दृष्टिकोण

ऐतिहासिक दृष्टि से अवलोकन के बाद पता चलता है कि पूर्व ऐतिहासिक काल में मानव की निर्भरता जंगली जानवरों के मांस पर अधिक रही होगी। नवपाषाण काल में कृषि और पशु-पालन ने मांस के साथ-साथ अन्न तथा दूध आदि पशु-उत्पाद के नए विकल्प दिए। बुद्धकाल में अहिंसा व शाकाहार की भावना ने मांसाहार को सीमित करने पर बल दिया। धर्म व नैतिकता भी मांसाहार को अनुचित मानते हैं। यह कहा जाता है कि मांसाहार मानवता के विरुद्ध है। कृषि के बाद पशु पालन भारत का प्रमुख व्यवसाय माना जाता है।

पशुओं को पालने वाला यदि कुछ पशुओं का मांस खाता है, तो भारतीय परिवेश कुछ सीमा तक मांसाहार को सही ठहरा सकता है। पशु पालक अपने पशुओं के पालन-पोषण में कोई कसर नहीं छोड़ता, इसीलिए केवल मांसाहार पालने वाले का हक हो सकता है। ब्रिटिश काल में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का स्थान व्यापारिक अर्थव्यवस्था ने लिया। यह व्यवस्था भारत में आजादी के बाद भी सुदृढ़ होती गई। आधुनिक युग में मांस की आपूर्ति का सम्बन्ध पशु पालन से न होकर पैसे से ज्यादा सम्बन्धित है। अधिकांश लोगों ने कृषि व पशुपालन जैसे व्यवसाय को त्याग दिया है, परन्तु अनाज व पशु उत्पादों पर उनकी निर्भरता पहले की अपेक्षा अधिक बढ़ी है।

व्यापारवाद के युग में पशु-पक्षियों की जान की कोई कीमत नहीं है। उन्हें भूखे-प्यासे रखा जा सकता है तथा लोगों की जरूरतों के अनुसार अमानवीय ढंग से मारा भी जाता है। पैसों की चकाचौंध में संवेदनशीलता लुप्त होती जा रही है। सवाल उठता है कि क्या सभ्यता एवं सम्पन्नता ने हमें संवेदनहीन बना दिया? भौतिकवाद ने हमें पशुओं के प्रति क्रूर बना दिया। अतः पशुओं के अधिकारों की रक्षा व सम्मान वैसा ही होना चाहिए जैसा इन्सानों का होता है। बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति करना सभी मानवों का कर्तव्य है।

स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं आध्यात्मिक जागृति शाकाहार का प्रबल समर्थन करते हैं। इनके सिद्धान्त पशुओं के प्रति क्रूरता का समर्थन नहीं करते। अभिनेता शाहिद कपूर ने पौधों पर आधारित जीवन-शैली को अपनाया व पीपल्ज फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनीमल, इंडिया' के सदस्य बने। अमिताभ बच्चन, अनुष्का शर्मा, रेखा, आलिया भट्ट, आमिर खान और जॉन अब्राहम शाकाहार एवं पशु-अधिकार की वकालत करते हैं। जनसाधारण को भी इन फिल्मी हस्तियों के पद-चिह्नों का अनुसरण करना चाहिए।

गुजरात के भावनगर में स्थित पालिताना कस्बा संसार का पहला ऐसा शहर है जहां केवल शाकाहारी भोजन मिलता है और मांसाहार पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। इसे पूर्णतः शाकाहारी शहर बनाने में जैन लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पालिताना एक प्रसिद्ध जैन धर्म का केन्द्र है जो आध्यात्मिक प्रगति के साथ ही शाकाहार का प्रबल समर्थन करता है।

शोध में यह तथ्य सामने आए हैं कि शाकाहार स्वास्थ्य के लिए मांसाहार की अपेक्षा अधिक उपयोगी है। 'जर्नल ऑफ अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित शोध के अनुसार शाकाहारी भोजन खाने वालों में दिल-सम्बन्धी विकारों का जोखिम कम रहता है। पौधों से प्राप्त प्रोटीन जैसे सोयाबीन, दालें, चने, साबुत अन्न व्यक्ति के लिए मांसाहार से अधिक उपयोगी हैं। जबकि मांसाहार व्यक्ति के स्वास्थ्य पर कुप्रभाव डाल सकता है। अतः शाकाहार एवं पशु-अधिकारों का समुचित ध्यान रखा जाना आधुनिक समय की मांग है।

डॉ. के. सी. कश्यप
प्राचार्य

भूल गए वो हमें !

हे खुदा-
माफ़ करना हमारे बच्चों को
दोनों बड़े भुलक्कड़ हैं
दो-दो मकान बनाकर
हमें घर ले जाना भूल गए हैं।
घर में पूजा घर, मेहमान का कमरा,
नौकर का कमरा, भोजन का कमरा
कुत्ते का कमरा वगैरह-वगैरह सब है
हमारे लिए कमरा बनाना भूल गए हैं।
दूर-दूर के अजनबियों से
गहरे रिश्ते हैं उनके लेकिन
जिन्होंनें उन्हें जन्म दिया,
पाला-पोसा, लिखाया-पढ़ाया
उनसे बतियाना भूल गए हैं।
सिगरेट का धुआँ, बच्चों का पिज्जा,
बीबी का गजरा आदि सब याद है उन्हें
लेकिन बाप का चश्मा माँ की दवाई
याद दिलाकर भी भूल गए हैं।
उन्हें सब याद है कि उन्होंने
हमारे लिए क्या-क्या किया
लेकिन हमने उनके लिए क्या
कुछ नहीं किया वे भूल गए हैं।
लगता है नई पीढ़ी के प्यार में
वो अपनी पुरानी पीढ़ी भूल गए हैं
मौला बख्शे उनको-
उन्हें उनके बच्चे भूल ना जाए
जैसे भूल गए हैं वो हमें।

कुलदीप कुमार
प्राध्यापक संपादक (हिंदी विभाग)

सत्य का पथिक

गलत को देखकर चुप नहीं रहा जाता,
अन्याय के आगे मन नहीं झुका पाता।
भले ही दुनिया कहे- "ये लड़ाई बेकार है",
पर सत्य के लिए हर सांस तैयार है।

लड़ाई हो अपने से, या हो परायों से,
सच की पुकार आती है गहराईयों से।
अक्सर इस राह में अनबन भी हो जाती है,
पर हिम्मत वहीं जीतती है जहाँ कठिनाई आती है।

जो टेढ़ा है उसे सीधा करना ही होगा,
अंधेरे में दीपक सा जलना ही होगा।
सत्य की रक्षा में यदि झगड़ा भी हो जाए,
तो ये भी ईश्वर की राह में पूजा कहलाए।

झुकना नहीं किसी लालच, डर या भय में,
सिर ऊँचा रखना है सत्य के प्रणय में।
जिसने भीतर की शक्ति को पहचान लिया,
उसने ही खुद को अमर महान बना लिया।

आध्यात्मिकता उसकी ढाल है, विश्वास तलवार,
भीतर का प्रकाश है उसका सच्चा आधार।
संघर्ष है तो हो- ये जीवन का विधान है,
सत्य का पथिक वही-जो अडिग और महान है।

प्रो. यश पाल
सहायक आचार्य (वाणिज्य)

मेरे गांव की खड्ड की कहानी

कभी-कभी जिंदगी हमें ऐसे अनुभव देती है जो किसी किताब से ज्यादा गहरी सीख छोड़ जाते हैं। मेरा एक ऐसा ही अनुभव कोविड के समय का है, जब वर्षों बाद मैंने अपने बचपन की यादों को फिर से जीने की कोशिश की। क्योंकि आजकल की भाग-दौड़ भरी दुनिया में इंसान इतना व्यस्त हो गया है कि वो खुद को भी समय नहीं दे पाता, ऐसे में कोविड के सकारात्मक पक्ष की बात करें तो यो ये हो सकता है कि उसने इंसान को खुद से मिलने का मौका दिया था।

साल 2010 के सड़क हादसे ने मेरी जिंदगी की दिशा बदल दी थी। रीढ़ की हड्डी में चोट आने के बाद चलना-फिरना आसान नहीं रहा, लेकिन जीवन की जिजीविषा ने कभी हार नहीं मानी। इसके पीछे मम्मी, पापा का संघर्ष और उनकी कभी हार न मानने वाली प्रेरणा ही है।

बचपन में हम जिस खड्ड के किनारे खेला करते थे, पानी के बहाव में कागज की किश्तियों को छोड़ा करते थे, मछलियों, मेंढकों और सांपों को देखा करते थे, आज कोविड के इस लॉकडाउन में ये ख्याल दिमाग में आया कि क्यों न उस खड्ड के किनारे फिर से जाया जाए। मैंने अपने पापा जी को बोला कि चलो मुझे वहां पर ले चलो और पापा जी ने बोला बिल्कुल चलो पर मम्मी जी ने झट से बीच में इंकार कर दिया ये कहते हुए कि वहां कोई नहीं जाता अब, और रास्ते भी अच्छे नहीं है कहीं बैसाखी फिसली तो...

मां की ममता जो बीच में आ जाती है। पर मम्मी जी को मैंने बोला कि नहीं पापा जो साथ है और हम बिल्कुल धीरे धीरे जायेंगे, अगर रास्ता ठीक न लगा तो वहीं से वापिस आ जाएंगे। फिर हमें जाने की अनुमति मिल गई।

धीरे-धीरे चलते हुए, उन पुराने पेड़ों को देखते हुए, जहां पर हम कभी झूला बनाकर खेला करते थे; बहुत अच्छा लग रहा था मानों कि उसी बचपन में वापिस आ गए हों। जब हम खड्ड के किनारे पहुंचे, तो एक अजीब सन्नाटा था। न पानी में हलचल, न मेंढकों की टर्र-टर्र, न खड्ड में कोई मछली, न हवा में वो ठंडक - बस एक सूखा, बेजान किनारा। यह देखकर दिल भर आया। जो जगह जो कभी जीवन से भरपूर थी, अब निर्जीव लग रही थी। तभी एहसास हुआ कि बीते सालों में प्रकृति कितनी बदल चुकी है। सड़क निर्माण, मिट्टी के बहाव, और बढ़ते प्रदूषण ने उस जगह की आत्मा को जैसे छीन लिया था।

इस पल ने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि हमने सुविधाएँ तो बढ़ा लीं, लेकिन क्या हमने अपने अस्तित्व की जड़ें नहीं काट दीं ?
क्या हमने विकास के नाम पर बहुत कुछ खो नहीं दिया?
जो मछलियां कभी उस खड्ड में तैरती थीं, शायद अब किसी प्रयोगशाला की किताबों में ही दर्ज होंगी।

यह केवल मेरी कहानी नहीं है, बल्कि यह उस हर इंसान की कहानी है जिसने कभी अपनी आँखों के सामने प्रकृति को बदलते देखा है। जलवायु परिवर्तन कोई दूर की बात नहीं रही; यह हमारे आसपास घट रहा है।

बर्फ पहले की तरह नहीं गिरती, बारिश का पैटर्न बदल गया है, और हवा में वो ताजगी अब महसूस नहीं होती। धरती, जो हमें जीवन देती है, अब हमारे व्यवहार से घायल है।

हमारे हर निर्णय- चाहे वह एक पेड़ काटना हो या प्लास्टिक का उपयोग बढ़ाना -पर्यावरण के संतुलन को प्रभावित करता है। लेकिन यही कहानी हमें यह भी सिखाती है कि परिवर्तन संभव है।
अगर हमने गलती की है, तो उसे सुधारने का सामर्थ्य भी हमारे पास है।

हमें दोबारा उस खड्ड को जीवित करना होगा - न केवल मेरे गाँव की, बल्कि हर उस जगह की जो हमारी लापरवाही से खो गई है।

हम सब छोटे-छोटे प्रयास करें एक पेड़ लगाएँ, प्लास्टिक छोड़ें, बिजली जरूरी हो तभी जलाएं, जल संरक्षण करें,इत्यादि तो शायद आने वाली पीढ़ियां फिर से उस चहकती हुई धरती को देख पाएंगी, जो कभी हमारे बचपन की साक्षी थी।

जलवायु परिवर्तन केवल विज्ञान का विषय नहीं, संवेदनशीलता का प्रश्न है।
जब हम धरती को अपना घर समझेंगे, तब ही सच्चे अर्थों में विकास संभव होगा।

मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूँ जब मैं फिर उसी खड्ड के किनारे बैठकर, किसी छोटी मछली को पानी में तैरते देख सकूं और मन ही मन कह सकूं, हाँ, हमने धरती को फिर से जगा दिया है।

Er. Pushap Raj Thakur
JOA IT

मेहनत का फल

मेहनत जो करता है,
जो जीवन में निखरता है।
जो संकट से टकराता है,
जो ऊँचाई तक जाता है।

कदम बढ़ाओ, मत घबराओ,
हर मुश्किल से लड़ जाओ।
मेहनत का फल मीठा होता
सफल वही जो सच्चा होता।

सफर जारी रखो

सपनों की राहें आसान नहीं,
पर हिम्मत से हर मुश्किल कटती है
जिस दिल में आग जलती हो,
उसे मंजिल खुद ही मिलती है।

थककर बैठो तो थोड़ा साँस लो,
पर रुक जाना कभी मत तुम
जो चलते रहते मेहनत से,
किस्मत लिख देती है उनका संग

अंधेरी रात भी एक दिन
सुबह की किरणों में ढल जाती
जो मन से हार नहीं मानते।
दुनिया उनकी मिसाल बन जाती।

साधना
बी.ए. तृतीय वर्ष (2344)

ऐ इंसान तू बाज न आया

ऐ इंसान
तूने नदी को बांधकर उसका रास्ता बदला,
फिर नदी ने खुद अपना रास्ता बनाया,
और तेरी सड़कों को बहाया,
पर इंसान तू बाज न आया।

तूने पेड़ों को काटा, जंगलों को जलाया,
और प्रकृति ने इतना जल बरसाया
कि तेरे बांधों से रोके न रुक पाया,
ऐ इंसान तू अब भी बाज न आया।

सड़कों का जाल बिछाने का तूने
बहाना बनाया
पहाड़ों को काट-काटकर अधमरा बनाया
फिर पहाड़ ने जब अपना रौद्र रूप दिखाया
तब तू क्यों कंपकंपाया
इंसान तू क्यों बाज न आया।

धरती का सीना चीर
तूने अवैध खनन करवाया
मशीनों के प्रहार से
माँ समान धरती को सताया
फिर उसने भी भूकंप से एक थप्पड़ लगाया
पर इंसान तू अब भी बाज न आया।

अपने स्वार्थ के चक्कर में
प्रकृति को इस कदर उकसाया
कि उसने मजबूरन अपना विकराल रूप दिखाया
पर इंसान तू बाज न आया।

पूजा शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष (2302)

भोजन

पहले के लोग जो खाना खाते,
स्वस्थ जीवन वो अपनाते ।
मिट्टी के चूल्हे पर रोटी
घी की खुशबू घर भर पाती ।

खेतों की ताजी सब्जियाँ
दूध दही तथा रोज का काम।
मोटा अनाज, दालें शुद्ध,
तन मन होता खुश ।

आज के समय का भोजन बदला
रफ्तार हुई तेज जमाना ।
फास्ट फूड ने ली जगह रोटी,
पिज्जा बर्गर ने मन लुभाना ।

पैकेट वाला खाना आया
स्वाद बढ़ा पर ताकत घटाई।
तला-भुना हर रोज का चस्का
स्वास्थ्य की राह भी भटकाई ।

पहले का भोजन तथा पोषक
आज का भोजन है आकर्षक ।
पर शरीर यही सबको माने,
संतुलन है सबसे उत्तम ।

अन्न का आदर करते जाएँ,
बर्बादी से दूरी बनाएँ
पुराना हो या नया जमाना
सही भोजन जीव सजाए

रक्षा देवी
बी.ए. तृतीय वर्ष (2343)

प्रकृति की सुंदरता

प्रकृति है सुंदर, जैसे फूलों का गीत,
हर पंखुड़ी में, खुशियों की प्रीत ।
पेड़ हैं हरे, फूल हैं खिले,
प्रकृति सबको देती है, जीवन की झिलमिलें ।

नदियाँ बहती, गाती हैं तराना,
पक्षी चहकते सुनाते हैं गाना।
धूप खिलती है, लाती है रंग,
प्रकृति की सुंदरता, है सबके संग ।

इंसान, सुन हमारी बात

गाय कहती है, मैंने तुझे दुलार दिया,
दूध दिया, गोबर दिया, तेरा घर संवार दिया ।
पर तूने मेरा क्या किया?
जब दूध सूख गया तो मुझे छोड़ दिया।
बैल कहता है, मैंने तेरा बोझ उठाया,
खेतों में पसीना बहाया फसल को उगाया।
पर अब जब कमजोर हुआ, तो तूने मुझे ठुकराया
और सड़क पर छोड़ आया।

इंसान, सुन हमारी पुकार,
बदल जा, समझ ले हमारा प्यार।

हेम लता
बी.ए. तृतीय वर्ष (2306)

मौत

अगर जिन्दगी की सबसे
खूबसूरत कविता लिखी जाए
वह मौत होगी।
न आगे कुछ और न पीछे कुछ भी
हाँ, मृत्यु एक सुन्दर कविता है
न कोई शब्द, न कोई सरगोशी
निर्वात – एक हादसा कविता की जमीन
न सुख, न दुःख
लिखने वाला एक अंतिम रेखा खींचेगा
धैर्यवान होगा काल,
परिस्थिति, और जगह
जहां इसे लिखा जाएगा ।
इसे लिखे जाने के बाद शब्द
सब अपनी समापन यात्रा पर
ठिठके रहेंगे
मौन लिखना चाहेंगे मगर न
लिख सकेंगे
न लिख सकेंगे कुछ और
गहरा
सन्नाटा होगा शोकगीत
कविता अब महाप्रयाण पर
जाएगी।

ज्योति ठाकुर
बी.ए. तृतीय वर्ष (2327)

बड़ी अजीब है आज की दुनिया

बड़ी ही अजीब है आज की दुनिया
कोई अपना तो है ही नहीं।
मोबाइल के इस दौर में
सब अपने बिछड़ गए।
माँ **Mom** हो गई पिता जी **Dad** हो गए।
हाय क्या हो गया इस दुनिया को।
जो चहल-पहल दिखती थी गाँव में सब खत्म हो गई।
क्यों वो चाहतें खत्म हो गई।
ऐसा वक्त आया था कुछ दिन पहले,
सब खत्म होने की कगार पर था।
लोगों के घर उजड़े गाँव उजड़े
पर फिर भी समझ ना पाए
हाय क्या हो गया इस दुनिया को।

फर्क दो जिन्दगियों में

एक लड़के की जिन्दगी
एक लड़की की जिन्दगी
दोनों में एक बड़ा फर्क है
एक बेटी पैदा हो जाए
तो बोझ बन जाती है।
एक बेटा पैदा हो तो
दीपक बन जाता है।
क्यों फर्क है ये दोनों जिन्दगियों में।
लड़की पैसा कमाए तो किस्मत होती है,
और लड़का कमाए तो मेहनत होती है।
क्यों ये सोच है माता-पिता की
फिर मैं भी यही सोचती हूँ कि
काश मैं भी लड़का होती और घर का
दीपक बन पाती।
लेकिन एक दिन एक लड़के ने कहा काश मैं भी
लड़की होती तुम्हारी तरह हंस पाता बोल पाता पर
क्या करूं हूँ तो मैं एक लड़का ही हूँ।
फिर यह बात समझ आयी कि जो जिन्दगी मिली है।
उसमें खुश रहना चाहिए।
लड़का हो या लड़की जमाने को सिर्फ तुमसे लाभ
चाहिए।

इन्दिरा देवी
बी.ए. तृतीय वर्ष (2310)

कहाँ लुप्त हुआ सरल संसार?

यह जो रिश्तों की डोर है,
कुछ उलझ गई है ज्यादा
और कुछ सुलझ गई है ज्यादा।

माना बदला है प्रारूप समाज का,
परंतु मानवीय रूप तो भिन्न नहीं,
प्रकट हो जाना यथार्थ का।

स्थिर कर देता उसके हृदय को,
परन्तु मान लेना उस यथार्थ को,
आज के मानव को स्वीकार नहीं।

शिक्षा विशिष्ट
बी.ए. तृतीय वर्ष (2322)

हाय परीक्षा आई है

खेल-कूद में दिन बीता, सोने में रात गँवाई।
हाय परीक्षा आई , अब क्या होगा रे भाई॥
आ जाती है हर वर्ष, लाज तक इसे नहीं आती।
जब आती है, आँखों से नींद चली जाती है॥
कोई ऐसा वीर नहीं, जो टोक सके इसको।
स्कूल, कॉलेजों में आने से रोक सके इसको।।
सब मरते हैं, इसकी अब तक मौत नहीं आई।
हाय परीक्षा आई, अब क्या होगा रे भाई ।।
डरते नहीं कभी हम बन्दूकों तलवारों से।
डरते नहीं कभी हम शोलों से अंगारों से।।
क्या कारण है किन्तु समझ में बात नहीं आई।
नाम परीक्षा का सुनते ही नानी याद आई ।।
बिन बादल बरसात, रात भर बिजली-से कड़के ।
ज्यों-ज्यों आये पास परीक्षा, त्यों- त्यों दिल धड़के।।
बाथरूम में अब न फिल्म के गाने हम गाते ।
जो कुछ पढ़ा रात को, उसको ही हैं दुहराते ।।

बेटी

जब-जब जन्म लेती है, बेटी,
खुशियाँ साथ लाती है बेटी।
ईश्वर की सौगात है बेटी,
सुबह की पहली किरण है बेटी।
तारों की शीतल छाया है बेटी,
आंगन की चिड़िया है बेटी ।
त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी,
नये - नये रिश्ते बनाती है, बेटी।
जिस घर जाए, उजाला लाती है बेटी,
बार- बार याद आती है बेटी।
बेटी की कीमत उनसे पूछो,
जिनके पास नहीं है बेटी।

गीतांजली
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2413)

परीक्षाओं और नौकरी का दबाव

कॉलेज के सेमेस्टर टेस्ट, ढेर सारा कोर्स, परिणाम का डर। अक्सर युवा छात्र इन मौकों पर कह देते हैं, फोकस (एकाग्र) नहीं कर पा रहा हूँ, टाइम व्यवस्थित नहीं हो पा रहा है। परिणामस्वरूप देर रात तक जागना, रह - रह कर घबराहट होना। अंततः खराब रिजल्ट को खुद पर हावी करके स्ट्रेस और डिप्रेशन से हाथ मिला लेना।
कॉलेज से निकलने के बाद फिर नौकरी की टेंशन ।

श्रेया शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष (2303)

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे ।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथदर्शक है जो ।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता ।
कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव से सदा गंभीर,
मन में दबी रही ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

स्नेहा ठाकुर
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2404)

सच्चाई की राह पर चलना सीखो

सच्चाई की राह पर चलना सीखो
हर मुश्किल से निडर रहना सीखो।
झूठ से अपना मन न भरना,
ईमानदारी की कमी न छोड़ना।
माँ-बाप का करना सम्मान,
गुरु की सीख बने पहचान।
दया, प्रेम और सब्र अपनाओ,
हर किसी की मदद को जाओ।

चंचल
बी.ए. तृतीय वर्ष (2330)

हाय रे परीक्षा

जिस नाम को सुनने से कांपता है हर बच्चा,
वो है परीक्षा।
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही,
इतना डर लगता है,
कि अच्छा नहीं किया,
तो घर पर पिटना पक्का है
घंटे में करने होते हैं लगभग 40 सवाल,
एक भी छूटा तो
घर पर होता है बवाल
रिजल्ट के एक दिन पहले,
रात को नींद नहीं आती है,
अच्छा नम्बर पाने के लिए
भगवान की याद आती है।
रखते हैं विद्यार्थी भगवान का व्रत
अगर फेल हुए तो लगता है
होगा "डंडे से नृत्य"।
पास होने पर मिलता है,
शानदार इनाम,
और मुख से निकलता है,
"थैंक्यू भगवान"
फिर आती है अगली कक्षा
तब भी मुख से निकलता है,
हाय रे परीक्षा।

नीलम ठाकुर
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2402)

नानी का घर

नानी का घर, अब पहले-सा न रहा
वो बचपन का जादू पता नहीं कहां खो गया
पर यादें उसकी दिल से जाती नहीं,
पहले सब भाई-बहन मिल जाते
ढेर सारी बातें और खेल खेलते
कोयला माता के मंदिर जाना
रात-रात भर भाग कर खेल खेलना
और फिर नाना की डांट सुनना
पर उस में भी उनका प्यार झलकता
गलू मेला का बेसब्री से इंतजार
क्योंकि मिलते पैसे हर बार
नानी का सब को खाना परोसना
और सब का मिलकर छत पर खाना-खाना
पर अब, वो बात नहीं
मिलते तो हैं हम सब आज भी
पर अब, वो बात नहीं
पर बस थोड़ी-2 देर के लिए ही
पहले की तरह फुर्सत नहीं मिलती
आते हैं मिलकर, अपने घर चले जाते सभी।

प्रियानी शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष (2322)

मेरी छोटी बहन

छोटी है पर बातें बड़ी-2 बनाती
काम को बोलो तो उल्टे जवाब सुनाती
जब उसे हो कोई काम, मैं झटपट मदद करती
पर जब मुझको हो काम, तब नखरे दिखाती है
अनोखी और खास, हर पल रहती एक
धुन उस पर सवार
कौन ज्यादा गोरा हम दोनों में?
आईने में ही रहती
खुद का चेहरा बस देखती
जब भी वो कुछ खाती
मुझको जरा ना देती
छोटी-2 बातों पर ही
झट से गुस्सा हो जाती
हर पल मुझ पर रौब जमाकर
अपनी बात मनवाती
कमरा है हम दोनों का
पर कब्जा उसका पूरा
थोड़ी शैतान, फिर भी क्या करूं
यह लड़ाई-झगड़ा ही हमारा प्यार
उसके बिना यह घर बेकार

प्रियानी शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2409)

मन की बात

माना कि वक्त जरा ठहरा है,
आज साँसों तक पर पहरा है,
मुस्कुराहट तो एकदम गायब है,
सहमा सा हर एक चेहरा है,
एक सूक्ष्म विषाणु ,
हर ओर से खड़ी चढ़ाई है।
इसका एक मात्र उपचार,
बस अनुशासन की कढ़ाई है,
जरूरतमंद की मदद हो,
आज सबसे बड़ी कमाई है,
ना तेरी ना मेरी
ये तो मानवता की लड़ाई है,
जितना भी मुश्किल हो
लेकिन वक्त गुजर जाएगा।
बस लगा मास्क और रख दूरी,
तू अपने को करीब फिर पाएगा,
रख विश्वास मधुसूदन पर,
उजाला खुद चलकर पास तेरे आएगा।

दीपिका
बी.ए. तृतीय वर्ष (2304)

एक सवाल

आओ, पूछें एक सवाल ।
मेरे सिर में कितने बाल?
कितने आसमान में तारे ?
बतलाओ या कह दो हारे ।
नदियाँ क्यों बहती दिन-रात ?
चिड़ियाँ क्या करती हैं बात ?
क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए ?
फूल कहाँ से पाते रंग ?
रहते क्यों न जीव सब संग ?
बादल क्यों बरसाते पानी ?
लड़के क्यों करते शैतानी ?
नानी की क्यों सिकुड़ी खाल ?
अजी, न ऐसा करो सवाल ।
यह सब ईश्वर की माया है,
इसको कौन जान पाया है?

दीपिका
बी.ए. तृतीय वर्ष (2304)

इश्क रिस्क - राधा कृष्ण

कान्हा बोले राधा से
राधा बोले आँखों से
कैसी है तेरी ये साजिशें
दिल है तुझमें
मैं हूँ तुझ में
जाने ना कैसी तेरी आहटें
तेरे बिना ना लागे जी
तेरे पीछे ही भागे जी
मेरा तुझसे है नाता कोई जुड़ा
ये जो राधा है कान्हा की
ये जो कान्हा है राधा के
मेरे हाथों में देखो क्या है छिपा
कैसा ये इश्क है
अजब सा रिस्क है ।

दीपिका शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2435)

गुरु का महत्त्व

अज्ञानता दूर करके गुरुजी ने,
ज्ञान की ज्योति जलाई है ।
गुरु जी के चरणों में रहकर,
हमने सब शिक्षा पायी है।
गलत राह पर भटके जब हम,
गुरुजी ने ही राह दिखायी है ।
सत्य मार्ग पर चलने को,
गुरुजी ने दिशा दिखायी है ।
गुरुजी का आदर करके,
हमने आशीर्वाद पाया है ।
क्या है दुनिया, कैसी है दुनिया ?
गुरुजी ने हमें बताया है
असाक्षरता के अंधेरे में,
गुरुजी ने शिक्षा का दीप जलाया है ।
पढ़ लिखकर क्या करें हम,
गुरुजी ने यह भी हमें बताया है ।
इस भरी-पूरी दुनिया का,
गुरुजी ने महत्त्व समझाया है ।
बीच धार से बाहर निकलना,
गुरुजी ने हमें सिखाया है ।
मुश्किलों के सामने डटना,
गुरुजी ने यह भी हमें बताया है ।
लाख मुसीबतों में डट कर खड़े रहना,
गुरुजी ने हमें सिखाया है ।
हमेशा बड़ो की आदर करना,
गुरुजी ने हमें सिखाया है ।
हमें आगे बढ़ने का रास्ता,
गुरुजी ने ही दिखाया है ।
सबको ज्ञान बाँटते रहना,
गुरुजी ने हमें बताया है ।
हर कठिनाई को आसान बनाना,
गुरुजी ने हमें सिखाया है ।

नशा मुक्त भारत

रोकनी होगी अब बर्बादी
बदलना होगा अब ये जमाना,
आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ
नशा मुक्त भारत है बनाना ॥
खुद भी जागें औरों को जगाएं
नशा मुक्त ये समाज बनाये
इसकी लत से मरे ही हैं सब
बात ये हम सबको समझाएं
कसम ये आओ मिलकर खाएँ
हमको है ये कर्तव्य निभाना
आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ
नशा मुक्त भारत है बनाना ।।
हम सबका है यही सपना,
नशा मुक्त हो भारत अपना
जीवन में अगर स्वस्थ है रहना
तो नशे से हमें दूर है रहना
अब हम सब ने यह ठाना,
नशे को जड़ से है मिटाना
देश को आगे है बढ़ाना,
नशे को है खत्म कराना।।

अंजना शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2416)

हार मत मानो

★ कोशिश ऐसी करो कि
हारते हारते कब जीत जाओ
पता ही न चले ।

★ सपने वो नहीं जो हम
सोते हुए देखते हैं,
सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

★ संघर्ष की रात जितनी अंधेरी होती है,
कामयाबी का सूरज उतना ही तेज चमकता है ।

★ जीतना और हारना यह तो
हमारी सोच पर निर्भर करता है,
मान लो तो हार होगी और
ठान लो तो जीत होगी ।

★ दुनिया की हर चीज ठोकर
लगने से टूट जाती है,
एक कामयाबी ही है जो
ठोकर लगने के बाद आती है ।

★ अच्छे रिजल्ट लेने के लिए,
बातों से नहीं रातों से लड़ना पड़ता है ।
जो मेहनत पर भरोसा करते हैं,
वह किस्मत की बात कभी नहीं करते ।

★ इतनी मेहनत करो कि
मंजिल भी कहे, तेरा इंतजार था ।

★ अगर हम चलते रहेंगें
तो रास्ते खुद बनते जाएगें ।
यह मत सोचो कि
मुझसे नहीं हो पायेगा,
बल्कि ये सोचो कि
मेरे अलावा कर कौन पाएगा

★ जिस तरह बूंद-बूंद से घड़ा भरता है,
उसी तरह रोज थोड़ा - थोड़ा पढ़ने से ही
सफलता प्राप्त होती है।

★ सड़क कभी भी सीधी नहीं होती
कुछ देर बाद मोड़ अवश्य आता है,
जिंदगी भी सड़क जैसी है
बस धैर्य के साथ चलते रहें
सुखद मोड़ अवश्य आएगा।

राम-राम का अर्थ समझें

राम-राम क्यों कहा जाता है?
क्या कभी सोचा है कि बहुत से लोग जब एक दूसरे
से मिलते हैं तो आपस में एक दूसरे को
दो बार ही "राम राम" क्यों बोलते हैं ?
एक या तीन बार क्यों नहीं बोलते?
दो बार "राम राम" हम इसलिए बोलते हैं
क्योंकि यह हिंदी की शब्दावली में 'र'
सत्ताईसवाँ शब्द है
'आ' की मात्रा दूसरा शब्द है और 'म' पच्चीसवां शब्द है
अब तीनों अंकों का योग करें तो
27 +2 +25 = 54
र + आ + म
अर्थात् एक "राम" का योग हुआ 54
इस प्रकार दो "राम-राम" का योग 54+54=108 होगा।
हम जब कोई जाप करते हैं तो 108 मनके की माला
गिनकर करते हैं।
सिर्फ राम राम कह देने से ही पूरी माला का जाप हो
जाता है।
आप सभी को राम-राम जी ।

तमन्ना ठाकुर
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2436)

समय

अभी समय है, अभी नहीं कुछ भी बिगड़ा है,
देखो अभी सुयोग तुम्हारे पास खड़ा है ।
करना है जो काम उसी में चित लगा दो,
आत्मा पर विश्वास करो, सन्देह भगा दो ।।
आवेग क्या समय, समय तो चला जा रहा,
देखो जीवन व्यर्थ तुम्हारा चला जा रहा ।
तो पुरुषों की भाँति खड़े हो जाओ अब,
करके कुछ जग बीच खड़े हो जाओ अब भी,
समय ईश का दिया हुआ अति अनुपम धन है,
यही समय ही अहो । तुम्हारा शुभ जीवन है।
इसको खोना स्वयं स्वजीवन का खोना है,
खोकर इसको आयु स्वल्प स्वयमपि होना है
ऐसा सुसमय भला और कब पाओगे ॥
खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे ।
तो इसमें वह काम नहीं क्यों तुम कर जावो,
हो जिसमें परमार्थ तथा तुम भी सुख पावो,

तनु देवी
बी.ए. तृतीय वर्ष (2356)

पिता

घर को घर बनाए रखने के लिए
जो सबसे मजबूत कड़ी है वह है पिता।
अपने सपनों को छोड़कर अपने बच्चों के सपनों को
पूरा करने में जो अपना जीवन लगा दे वह है पिता।
मानते हैं माँ का दर्जा भगवान से भी ऊंचा होता है
परंतु यदि माँ भी जिन्हें भगवान का दर्जा देती है वह है
पिता ।
उंगली पकड़कर जो चलना सिखाता है वह है पिता।
जब-जब गिरे हैं जो उठाता है वह है पिता।
माँ की खनकती चूड़ियों की खनक है पिता
भाई के विश्वास की चमक है पिता।

दीक्षा
बी.ए. तृतीय वर्ष (2321)

जिंदगी

दो पल की जिंदगी है
आज बचपन, कल जवानी,
परसों बुढ़ापा, फिर खत्म कहानी है।
चलो हंस कर जिएं, चलो खुलकर जिएं
फिर ना आने वाली यह रात सुहानी
फिर ना आने वाला यह दिन सुहाना
कल बीत गया सो बीत गया,
क्यों करते हो आने वाले कल की चिंता
आज और अभी दूसरा पल हो ना हो।
आओ जिंदगी को गाते चलें
कुछ बाते मन की करते चलें
रूठों को मनाते चलें ॥
आओ जीवन की कहानी प्यार से लिखते चलें
कुछ बोल मीठे बोलते चलें
कुछ रिश्ते बनाते चलें।
क्या लाए थे क्या ले जायेंगे
सब कुछ लुटाते चलें
आओ सब के साथ चलते चलें
जिंदगी का सफर यू ही काटते चलें ॥

भावना देवी
बी.ए. तृतीय वर्ष (2436)

दादी

दादी मेरे आँगन की धूप,
उनके संग खिलते हर रूप ।
मीठी बातों का मधुर सागर,
उनके बिन घर लगता सूना सागर ।
कहानी उनकी चाँद सी कोमल,
प्यार भरी हर सीख अनोखी अमल ।
चलते चलते थक जाएँ पाँव
फिर भी चेहरे पर मुस्कान की छाँव ।
दादी घर की प्यारी शान,
उनसे मिलता हर दिन सम्मान ।

मोनिका वर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष (2318)

प्रकृति

प्रकृति है अनमोल धरोहर,
वरदान है परम परमेश्वर का ।
उगता सूरज खिलती सुबह,
महका फूल हर उपवन का ।
शीतल हवा के मदमाते झोंके,
उत्साह बढ़ाएं जीवन का ।
नदियाँ, पर्वत, बादल, सागर,
अद्भुत मेल रहस्यों का ।
हर दिन दिखलाए नया रुप,
जैसे कोई चित्र बहुरंगों का ।
प्रकृति की महिमा को,
संकल्प करें ऊँचा करने का ।
अधिक वृक्ष चहुं ओर लगाकर,
सम्मान करें इस जीवन धन का ।

मंजू
बी.ए. प्रथम वर्ष (2511)

माँ

मेरे जीवन की वास्तविक सच्चाई है, माँ
मेरी सच्ची और व्यावहारिक प्रेरणा है, माँ
जब भी मैं थककर निराश हो जाती हूँ
जब याद आती है माँ सुबह जल्दी उठकर
शाम को देर से सोकर हर काम को
बड़ी शिद्दत के साथ करती है माँ।
कभी आज तक निराश और थकते हुए नहीं देखा
माँ को क्योंकि उन्हें डर है कि उसका असर
मेरे बच्चों पर ना हो।
ऐसी ही होती है सबकी माँ हाथ पैरों पर लाखों छाले
दर्द करती कमर और पैरों की एड़ियां लेकिन फिर भी
कभी विश्राम नहीं करती है माँ मेरी जिंदगी की
अभिप्रेरणा में सच्ची तुम ही प्रेरणा ।
माँ तुम ही जीवन हो
और तुम्हारे चरण ही मेरी सार्थकता।

तृषा
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2405)

मेरी मातृ भूमि

मेरी मातृभूमि को मेरा वंदन है,
इसकी मिट्टी धूल महकता चंदन है।
खेल-खेल जिसकी गोदी के पलने में,
रही झूलती, पली, पैर पर खड़ी हुई।
जिसके आसमान के नीचे आंचल में,
नटखट, चंचल शिशु इतना बड़ा हुआ।
जिसने मेरे लिए सहा सब, कहा न कुछ,
सौ-सौ बार उसे मेरा अभिनंदन है।

है दुनिया में देश बहुत सुंदर, लेकिन
मेरी मातृभूमि की शोभा प्यारी है,
स्वर्गलोक की सुषमा-सुंदरता-गरिमा,
एक-एक कर इसके सम्मुख हारी है।
हम सब की आशाओं, अभिलाषाओं की,
कल्पलता यह, कल्पवृक्ष, नंदन वन है।

जब तक हूँ मैं रत्तीभर भी इस पर कोई,
किसी तरह की आँच नहीं आने दूंगी,
बालिका हूँ पर वीर भरत की वंशज हूँ
सिंहों के मुंह फाड़ दाँत दिखला दूंगी।
मेरे हाथ सुरक्षित भव्य मुकुट हिमगिरि,
और सुरक्षित अडिग सिंधु-सिंहासन है।

मैं रोली से नहीं, उसी की मिट्टी से
तिलक लगाती हूँ अपने माथे पर,
यूं तो है मेरा नाता सब दुनिया से
पर गर्व मुझे है इसके नाते पर।
मैं जो कुछ हूँ सब इसकी ही हूँ,
इसको ही मेरा सर्वस्व समर्पण है।

सिमरन शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2421)

शिव प्रेम

मैं शिव की हूं, शिव मेरे हैं।
मैं शिव में हूं, शिव मुझमें हैं।
शिव ही प्रेम है, शिव की भक्ति है।
शिव ही विश्वास है, शिव ही शक्ति है।
शिव ही सृष्टि है, शिव की संसार है।
वो ही साकार और वो ही निराकार है।
वो तेज है, वो बल है।
वो अन्धकार में भी उज्ज्वल है।
शिव आदि है अनंत है।
शिव ही तो परमानंद है।।
मैं शिव मे ही लीन हूं।।
उन्ही में मैं विलीन हूं।।
शिव प्रेम से सराबोर हूं।
शिव प्रेम से सराबोर हूं।
शिव भक्ति में भाव विभोर हूं।।
मैं शिव की हूं, शिव मेरे हैं।
मैं शिव में हूं शिव मुझमें हैं।।

उपासना शर्मा

बी.ए. द्वितीय वर्ष (2406)

पृथ्वी

पृथ्वी माँ की गोद है प्यारी
इसमें बसी है दुनिया सारी।
हरियाली से इसकी शोभा
जल, जंगल जीवन की डोली।
नीले गगन की छाव निराली,
पक्षी चहके, बढ़े हरियाली
पेड़ लगाओ, जल बचाओ
धरती को फिर से मुस्काओ।
प्लास्टिक को दूर भगाओ,
प्रकृति से नाता निभाओ।
साफ हवा में सांस लो प्यारी,
आओ करें कुछ जिम्मेदारी।
हर दिन इसका मान बढ़ाएं,
धरती को फिर स्वर्ग बनाएं।
विश्व पृथ्वी दिवस का संकल्प ले,
धरती को हम सुंदर करें।

मेरे प्यारे पापा

पापा हैं तो हर दिन खास,
उनके बिना सूनी हर आस।
हर कदम पर साथ निभाया।
छाया बनकर सब समझाया।
डाँट में भी प्यार छुपा होता है,
उनका दिल सबसे बड़ा होता है।
पापा, आप हैं जीवन का प्रकाश,
आपके बिना सब कुछ उदास।

उपासना शर्मा

बी.ए. द्वितीय वर्ष (2406)

उड़ने का हौसला

जब राहों में पत्थर आए,
हिम्मत से उनको हटाना सीखो ।
अंधेरों से डरना क्या है,
अपने भीतर दीया जलाना सीखो ।

कदम छोटे ही सही मगर,
रुकना मत, बस चलते जाना ।
सपनों की उड़ान वही भरते,
जानते जो गिरकर उठ जाना ।

मेहनत की हर बूंद एक दिन,
जीत का सागर बन जाती है ।
जिस मन में विश्वास हो गहरा,
उसकी मंजिल पास आती है।

रिया शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष (2317)

बढ़े चलो

फूल बिछे हों या कांटे हों,
राह न अपनी छोड़ो तुम ।
चाहे जो विपदाएं आयें,
मुख को जरा न मोड़ो तुम।
साथ रहे या रहे न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नही कृपा की भिक्षा मांगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक जान बची हो तन में,
तब तक आगे बढ़े चलो।

बबली
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2312)

स्मरण रहे

बारात में दूल्हा सबसे पीछे
और दुनिया आगे चलती है,
अंतिम यात्रा में इंसान की लाश आगे और
दुनिया पीछे चलती है।
खुशी में दुनिया आगे और दुख में,
पीछे हो जाती है ....
लोग मिलते हैं,
तो पूछते है, कैसे हो?
मैं भी कह देती हूं ठीक हूं।
पर कोई ये नही पूछता कि,
खुश हो ?
जिन्दगी तो चल रही है
पर क्या दिल भी साथ चल रहा है ।
जी तो रहे हैं।
पर आखरी बार
महसूस कब किया था
पता नहीं ।

भ्रष्टाचार

मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ी
तो लोगों ने मार दिया ।
स्वर्ग पहुँची, सोचा...
ईश्वर से शिकायत करूँगी।
ईश्वर से मिलने गयी,
पर बहुत भीड़ थी।
मैंने दरवाजे पर खड़े सैनिक से कहा,
मुझे ईश्वर से मिलना है।
सैनिक ने कहा
ईश्वर व्यस्त हैं, समय लगेगा
पर अगर कुछ पैसे दे दो
तो जल्दी काम करवा दूंगा।
सोचती हूं यहाँ भी भ्रष्टाचार है ।
स्वर्ग से मर कर
लोग कहाँ जाते होंगे ?

नीतू
बी.ए. तृतीय वर्ष (2348)

ज्ञान का बंधन

बच्चे के मन में एक बात सताए,
जो ज्ञान मिला, किसी को न बताएँ।
मन में डर की गहरी जड़ें,
कहीं और कोई मुझसे आगे न बढ़ जाए।
हर एक बात, हर एक हुनर को
रखता है दिल के कोने में दबा के।
सोचे, अगर ये राज खुल गया मेरा
तो क्या होगा, कल जब वो पाएगा
सहमा-सहमा ज्ञान छिपाए
चाहता है बस खुद ही चमकूं।
डरता है, यह मोती न छिन जाए,
अकेला, सबसे ऊंचा मैं दिखूं।

सुष्मिता
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2408)

योग्यता बनाम पहचान

हर बार दरवाजा बंद मिला, हर बार हुई है हार,
मौके की तलाश में आँखें, फिरती हैं बार बार।
एक खिड़की खुली तो सही, पर मेरे लिए नहीं,
वह 'खास' चेहरा था भीतर, बस उसी का था अधिकार।

हर बार 'पसंद' के लोग ही आगे की कतार में खड़े,
वही चेहरे, वही नाम, जो उनको पसंद लगते
हमारी प्रतिभा कोने में खड़ी, धूल फांकती रह गई,
यहां योग्यता नहीं, यहां तो पहचान के रिश्ते हैं अड़े।

मौके की ये दौड़ अजीब, यहां हुनर नहीं बिकता
यहां तो बस "जी सर, हां सर" का सिक्का चलता
जो जमीन पर टिका रहे, उसे कोई नहीं देखे,
जो चापलूसी की सीढ़ी चढ़े, वही आगे बढ़े

हम उस कतार में नहीं खड़े, जहां झुकना जरूरी हो,
हम वो झूठ नहीं कहते, जिसमें दुनिया की मंजूरी हो।
हमारी मेहनत साफ है, हमारी नीयत सच्ची है,
पर यहां सच नहीं, मीठी बातों पर मजबूरी हो।

सुष्मिता
बी.ए. द्वितीय वर्ष (2408)

ENGLISH SECTION

SESSION 2025-26

Prof. Anjali Parmar
Staff Editor

Nitish Kumar
Student Editor

GOVT. DEGREE COLLEGE
REWALSAR, DISTT. MANDI (H.P.)

CONTENTS

SR.NO.	TITLE OF ARTICLE	AUTHOR	CLASS/YEAR
Section I: Travel and Cultural Heritage			
1.	Rewalsar-A Land of Faith	Nitish Kumar	B.A. I Year
2.	Memorable Trip To Manali	Indira Devi	B.A. III Year
3.	Rewalsar: Heaven on Earth	Vikas Thakur	B.A. II Year
Section II: Motivation and Inspiration			
4.	Motivational Quotes	Tamanna Thakur	B.A. II Year
5.	Inspirational Thoughts	Simran Sharma	B.A. II Year
6.	From Dreams To Destiny	Pranav	B.Com. III Year
7.	Stage Fear	Raksha Devi	B.A. III Year
8.	Law of Attraction	Babita Thakur	B.A. II Year
Section III: Environment and Social Awareness			
9.	Environment		B.A. II Year
10.	Environment Pollution	Anjana Sharma	B.A. III Year
11.	Social Issues Concern	Hem Lata	B.Com. III Year
12.	Drug Addiction	Anjana Sharma	B.A. II Year
13.	Cheating : A Shortcut that Leads Nowhere	Nitish Kumar	B.A. I Year
14.	Pollution	Sneha Thakur	B.A. II Year
Section IV: Emotions and Sentiments			
15.	Life	Sushmita	B.A. II Year
16.	Poem: Belief, My Perspective	Harshit Sharma	B.Com. II Year
17.	My Parents	Pranav	B.Com. III Year
18.	Best and Greatest Things of Life	Deepika	B.A. III Year
19.	My Feeling About Teacher	Priyani Sharma	B.A. II Year
20.	A Father Means	Sushmita	B.A. II Year
21.	If You Want	Priyani Sharma	B.A. II Year
22.	Values	Sanjana Sharma	B.A. II Year
Section V: Nature and Universe			
23.	A Brighter Day	Indira Devi	B.A. III Year
24.	Stars	Reena	B.Com. III Year
Section VI: Literacy and Language Appreciation			
25	The Beauty of English Poetry	Sanjana	B.A. II Year
26.	The Beauty of English Luanguage	Nitish Kunar	B.A. I Year
Section VII: Activity and Skill Development			
27	Scouting	Pooja Sharma	B.A. III Year
Section VIII: Light and Creative Expression			
28.	Some Fun	Deepika	B.A. III Year
29.	The Finish Line	Pooja Sharma	B.A. III Year
Section IX: Perception			
30.	Surabaya A Land Of Heroes	Dr. K.C. Kashyap	Principal
30.	The Two - Faced Breed	Prof. Yash Pal	Commerce
31.	Srimad Bhagavad Gita: The Essence of Life	Prof. Anjali Parmar	English

Section I: Travel and Cultural Heritage

Rewalsar-A Land of Faith

History of Cultural Harmony:

Rewalsar is a small but very famous town situated in the Mandi district of Himachal Pradesh. It lies at an altitude of about 1,360 meters above sea level and is surrounded by beautiful green hills. Rewalsar is not only known for its natural beauty, but also for its deep religious and historical importance. It is a unique place where Hinduism, Buddhism, and Sikhism exist together peacefully. Because of this religious harmony, Rewalsar is often called a symbol of unity and brotherhood.

How Rewalsar Was Founded:

The origin of Rewalsar is connected with ancient legends. According to Hindu belief, the place is associated with the Pandavas of the Mahabharata period. It is believed that during their exile, the Pandavas visited this region. Bhima, the Strongest of the five brothers, struck the ground with his mace (gada) and water sprang out, forming sacred lakes known as the "Seven Sars".

Another popular legend is related to Guru Padmasambhava (Guru Rinpoche), the great Buddhist saint of the 8th Century. It is believed that when a local king tried to burn him alive, a miraculous lake appeared and saved him. Lotus flowers bloomed in water, and Guru Padmasambhava was seen sitting safely on a lotus. This miracle made Rewalsar lake a sacred place for Buddhists.

Because of these legends, Rewalsar gradually became a holy town and an important pilgrimage centre.

Culture of Rewalsar:

The culture of Rewalsar is rich and diverse. People of different religions live here with mutual respect and harmony. The town has temples, monasteries, and a Gurudwara located around the lake. The local people are simple, religious and hospitable. Traditional Himachali customs, dresses , and festivals are still followed here. The peaceful environment and spiritual atmosphere make Rewalsar a centre of meditation and devotion. The culture of the town reflects unity in diversity.

The Seven Sars of Rewalsar:

Historical Background and Founding: Rewalsar, located in the Mandi district of Himachal Pradesh, is famous not only for its main sacred lake but also for the seven Sars (Seven Holy Lakes) situated in the surrounding hills. The word "Sar" means lake. These lakes are deeply connected with ancient legends, local traditions, and religious history.

Who Founded the Seven Sars?

According to local Hindu tradition, the Seven Sars are believed to have been created by the Pandavas, the five heroic brothers of the Mahabharata - Yudhishthira, Bhima, Arjuna, Nakula and Sahadeva. It is said that during their exile (Vanvas), they travelled through the Himalayan region, including present-day Mandi district.

One popular legend states that when the Pandavas felt thirsty and could not find water, Bhima struck the ground with his mace (gada). Water sprang out from the earth and formed a lake. Similarly, at other nearby places, more water bodies appeared, making a total of seven sacred lakes. These lakes come to be known as the Seven Sars. Because they believed to have been formed by divine powers, they were considered holy. Though there is no written archaeological proof from the Mahabharata period, these stories have been passed down through generations in oral tradition and local folklores.

Ancient and Medieval Period:-

Over time, sages and rishis are believed to have meditated near these lakes. The peaceful and isolated surroundings made them suitable places for spiritual practice. Because of this, the seven Sars became associated with meditation, purity and religious devotion.

During the Medieval period, local rulers of Mandi supported the construction of small temples near some of these sacred water bodies. This increased their importance as pilgrimage sites.

Connection with Buddhism:-

Later, in the 8th century, Rewalsar gained importance in Buddhism due to Guru Padmasambhav (Guru Rinpoche). Although the Seven Sars are mainly linked with Hindu legends, the entire region becomes sacred for Buddhist as well. This added another layer of religious significance to the lakes.

Religious and Cultural Importance:-

The seven Sars are considered sacred by local people. Piligrims believe that visiting these lakes purifies the soul and brings blessings. Some devotees perform rituals and prayers near the lakes, especially during religious festivals.

These Lakes Symbolise:

★ Faith and ancient belief

★ Connection with the Mahabharata period.

★ Spiritual meditation sites.

★ Religious harmony in the region.

Conclusion:

Rewalsar is not only a town of natural beauty, but also a sacred place, full of history, faith and cultural harmony. Its legends, temples and sevens Sars make it one of the most important pilgrimage centres of Himachal Pradesh. Rewalsar truly represents peace, unity and spiritual richness.

Nitish Kumar
B.A. I Year

MEMORABLE TRIP TO MANALI

When I was studying in +2, we went on a trip to Manali. We left the school at12:00 noon and reached near Manali around 5:00 in the evening. The first place we visited in manali was Solang Valley. We enjoyed a lot there; we played with snow, saw beautiful mountains and saw many people. After staying there for sometime, we moved back towards Manali.

After that, we were going to visit the Hidimba Devi temple, but the temple closes after 7:00 p.m. So we could not go there. Therefore we returned from there and went to the Vashishth Rishi temple. There we saw two deities meeting each other which was a very unique and divine sight.

After that, we returned and stayed at the Himalaya hotel. All of us, friends and our teachers, danced together and enjoyed a lot .Then we had dinner and visited the entire Himalaya hotel.

The next morning we woke up and left the hotel at 9:00 a.m. Then we reached Kullu and visited Bijli Mahadev Temple. We completed the journey on foot and reched the Bijli Mahadev, which is situated on the highest peak. We had the darshan of lord Mahadev and spent some time there. At around 8:00 p.m. we went a little ahead of Kullu and had dinner at a hotel. Finally, we reached home at around 11:00 p.m. This day is the most memorable day of my life because all of us went together and still remember the trip very fondly.

Indira Devi
B.A. III Year (2310)

Rewalsar: Heaven on Earth

In the Himalayas, there is a very beautiful place called Rewalsar. It is full of peace and people are prosperous here. Rewalsar is religiously and spiritually important for Hindu, Sikh and Buddhist people. The place is world- famous for a lake with a circumference of approximately 800 meters. There is abundance of flora and fauna all around. Different religions have different perspectives of Rewalsar and its holy lake.

Hinduism:-

In Hinduism it is believed that Rishi Lomash performed deep meditation (Tapasya) here. Therefore, many people think that this lake is spiritually powerful. Even the birds, trees and fishes are considered holy. There are also many shrines of Hindu gods like lord Shiva, Shani and Hanuman here. Near Rewalsar there is also a very famous temple of Maa Naina Devi. Rewalsar is a very important place for the Hindus.

Sikhism

Rewalsar is also a sacred place for Sikhs. Tenth Sikh Guru Gobind Singhji visited here in 1701C.E. He came here to gather the support of the Pahadi Rajas (hill kings). In his memory a gurudwara, "Gurudwara Shri Gobind Singh ji" was built near the lake during the beginning of 20th century.

Buddhism:

In Buddhism the Rewalsar lake is known as Tso Pema (Lotus lake). In Buddhism, it is believed that a king tried to kill Guru Rinpoche (Padama -Sambhava) by setting him in fire on a well. But when the smoke and the flames settled down, the lake was formed from the ashes. There are three monastries in Rewalsar named Drikung Kagya, Zigar Drukpa Kagyud and Tso Pema Ogyen Heru-kai Nyingmapa Gompa. A 37-meter high statue of Padamsambhava was built in 2012 to commemorate him.

Seven Lakes (Saat Sar)

Near Rewalsar, there are some other lakes. They are total seven in number. Most of these lakes have dried because of the of climate change. In local dialect (Mandyali) these lakes are known as 'Saat Sar'. There are many stories about these lakes. According to a folklore, the Pandavas and their mother Kunti were living in the Himalayas during their exile. One day Arjuna and his mother were walking in the mountains. Kunti became thirsty and requested her son to go and fetch some water. Arjuna was unable to find water nearby. So, he shot an arrow into the earth and the arrow reached Patala Loka.

But the water was not drinkable and also different in colour. He tried this many times, but result was the same. In the seventh arrow, fresh water came gushing from the earth. Kunti drank from that lake and now that lake is known as Kunthbayo.

Vikas Thakur
B.A. II Year (2414)

Section II: Motivation and Inspiration

Motivational Quotes

1. Hard work today means success tomorrow.
2. Dreams are not what you see in sleep, dreams are what don't let you sleep .

Dr. APJ Abdul Kalam

3. The roots of education can be bitter but the result is always sweet.
4. Arise, awake and do not stop until the goal is reached.

Swami Vivekananda

5. If you fail, never give up because fail means "First Attempt in learning".

Dr. APJ Abdul Kalam

6. Education is the most powerful weapon which you can use to change the world.

Nelson Mandela

7. Small steps make big success.
8. If you want to shine like the sun, first learn to burn like the sun.

Dr. APJ Abdul Kalam

Tamanna Thakur
B.A. II Year (2436)

Inspirational Thoughts

1. Work hard in silence;
   Let your success be your noise.
2. Success has no mantra;
   It is simply the fruit of hard work.
3. The thoughts of the mind give
   Direction to our life,
   Only positive thoughts will help us
   Move forward, and negative thoughts
   Stop us from moving forward.
4. Difficulties are the steps to
   Success, they make you strong, not weak.
5. Struggle is the essence of life.
   Without it, no success is possible.
6. Bigger dreams require bigger struggles.
7. Never think you can't do something
   instead , believe that anything is possible.
8. If you make hard work your habit
   Nobody can
   stop you from succeeding in life.
9. Understanding is an art,
   And not everyone is an artist.

Simran Sharma
B.A. II Year (2421)

FROM DREAMS TO DESTINY

As a final-year B.Com. student of Government Degree College Rewalsar, District Mandi, Himachal Pradesh, I feel a deep sense of gratitude and emotion as I look back on my journey in this beautiful institution. These years have been some of the most meaningful and transformative days of my life. When I first stepped into this college, I carried dreams, curiosity, and a little nervousness. Today, as I prepare to say goodbye, I leave with confidence, knowledge, lifelong friendships, and unforgettable memories.

Our college, situated in the peaceful and scenic surroundings of Rewalsar, has always provided an environment that inspires learning and personal growth. The guidance, encouragement, and dedication of our respected teachers have shaped not only my academic understanding but also my character and values. Through classroom discussions, cultural activities, seminars, and everyday interactions, I have learned lessons that go far beyond textbooks.

The friendships I have built here are among the greatest treasures of my college life. The laughter shared in corridors, the group studies before exams, the celebrations after achievements, and even the small struggles we faced together have created bonds that will remain strong forever. This institution has taught me discipline, responsibility, teamwork, and the courage to dream bigger.

As I stand at the edge of this new beginning, stepping into the professional world, I carry with me the pride of being a student of Government Degree College Rewalsar. This college has not only prepared me for a career but has also prepared me for life. No matter where I go in the future, a part of my heart will always remain connected to this campus, these classrooms, and the memories that made me who I am today.

Pranav
B.Com. III Year

Stage Fear

Stage Fear is a common problem faced by many people. It happens when a person feels nervous or scared while speaking in front of others. This fear is more common when someone speaks in English, especially if English is not their first language.
The main reasons for stage fear are lack of confidence, fear of making mistakes and fear of being judged by others. Many people think that other will laugh at them if they speak incorrectly. Because of these fears their heart beat fasts, their hands shake and sometimes they forget what they want to say.
In conclusion, stage fear is a normal feeling but with confidence and practice anyone can overcome it and speak boldly in front of others.

Raksha Devi
B.A. III Year 2343

Law of Attraction

Did you know that within you lies a hidden power capable of shifting the very direction of the universe ? From great philosophers to today's successful billionaires, one secret has been shared by all that we are not victims of our circumstances, but their creators. We weave the fabric of our future with the threads of our thoughts. This magical power is known to the world as the Law of attraction, which states that the world outside begins to mirror exactly how you feel inside.
In simple terms, our mind is like a magnet. We attract the same kind of circumstances into our lives as the thought we hold in our minds. If you remain optimistic about your dreams, paths begin to open up on their own.
The three-step formula to turn dreams into reality:
(I) Clarity: The universe does not like ambiguity. If you want to be successful, define what success means to you. Write your dream down in a journal.
(ii) Visualization: Great athletes and business leaders worldwide use this technique. Spend five minutes every day closing your eyes and seeing yourself having already achieved your dream. Feel the joy of the moment in the present.
(iii) The power of Gratitude: Complaining leads to lack while giving thanks leads to abundance . Express gratitude for everything you already have today. This raises your vibration.
People often mistake this for a magic wand, but in reality the Law of Attraction leads you toward inspired action. When you are positive, you get new ideas, you meet the right people and you find a way forward even in difficult situations. This law gives wings to your intentions, but you must do the flying yourself.
Your present is the result of your past thoughts. And your future depends on your thoughts today. Do not play small with your dreams; instead make your mind, you can hold it in your hand. Start thinking positively from today, have faith and take a step toward your dreams.

Babita Thakur
B.A. II Year 2403

Environment

When we speak of the 'environment', we are not just discussing a scientific concept or a headline in the news. We are talking about the grand, living tapestry of flora and fauna that sustains our spirit and fuels our dreams. In the rush of modern lives, nature serves as a vital reminder that life is a beautiful, self-sustaining miracle. By looking at the world through a lens of positivity, we see that the environment is not a problem to be solved, but a community to be cherished.

Flora: The Guardians of Hope:

The plant kingdom is a testament to the power of quiet persistence. Every forest, meadow and campus garden is a lesson in optimism.

The Wisdom of Growth: Plants do not rust, yet everything is accomplished. From the majestic Banyan tree to the smallest blade of grass, flora teaches us that growth is a journey not, a race.

Fauna: The Spirit of Joy and Connection:

If plants are the foundation of our world, the fauna - our animal neighbours - are its heartbeat. They bring energy, movement, and a sense of wonder to our daily existence.

Authentic Leaving:- A butterfly doesn't spend its time wishing it were an eagle. It embraces its own delicate beauty and vital role in pollination. This encourages us to embrace our unique strengths and contribute our own 'colour' to the world.

The Power of Play:

Whether it is a pup playing in the park or birds dancing in the air; animals remind us that joy is a fundamental part of life. They teach us to find happiness in the simplest of things: the warmth of the sun or the company of a friend.

Conclusion:

The environment is a resilient masterpiece where flora and fauna work in perfect harmony to sustain life. By embracing our role as hopeful stewards, we ensure that vibrant living legacy continues to flourish for generations to come.

Anjana Sharma
B.A. II Year

Environment Pollution

Pollution means making something dirty. Environment pollution means making the environment dirty. It includes air, water, soil, etc. If our surroundings are clean or unpolluted, life is not in danger. Now the people and the governments of the world are realising the hazards of pollution. There are so many reasons of pollution.

★ Sounds of aircraft, ship, train, machine and human crowd.
★ Use of chemicals, particularly the use of petrol and gases.
★ Smoke causing by the factory or other machines.
★ Cutting of forests and trees also causes pollution.
★ Throwing garbage here and there and into the sea and river causes pollution .
★ Using machines at large scale.

Man should get rid of pollution otherwise human life on the earth will become a question mark.

We should take these measures in this regard:

★ The use of machines must be minimized.
★ The use of those things or machines, that produce smoke, should be reduced.
★ Awareness about pollution and its hazards in the public should be roused.

Anjana Sharma
B.A. II Year 2416

Social Issues Concern

Social issues are problems that affect many people in society. One major issue is poverty where people struggle to afford basic needs of life: food, clothes and shelter. Another important concern is pollution, which harms the environment and makes the air, water and land unsafe. We also have the issue of education, as many children in poorer countries cannot go to school. Child labour is another social issue, where children are forced to work instead of learning in school. Gender inequality is also a problem, where girls and women are not treated equally to boys and men. Climate change is affecting our planet, causing weather changes like floods and droughts. Many people also suffer from health issue due to lack of access to proper healthcare. Homelessness is when people don't have a place to live, often leading to dangerous living conditions.

Hem Lata

B.A. III Year 2306

Drug Addiction

Introduction: Drug addiction is a pressing issue affecting individuals globally. It refers to the compulsive and harmful use of substances, leading to physical and psychological dependence. The consequences of addiction extend beyond the individual, impacting families, communities and societies at large.

Impact on health and well-being:

Drug addiction has severe repercussion on physical and mental health. Substance abuse damages vital organs, leading to chronic condition and increased mortality rates. Moreover addiction disrupts brain chemistry, causing more disorders, cognitive impairment and psychiatric illness.

Social and economic consequences:

The ramifications of Drug Addiction are not limited to health but also extend to social and economic realms. Addicts often struggle to maintain employment, resulting in financial instability and poverty. Additionally, substance abuse fuels crime rate, strains healthcare system and burdens social welfare programmes.

Conclusion:

In conclusion, drug addiction is a multifaceted issue with far reaching consequences. Addressing this problem requires a comprehensive approach encompassing prevention, treatment and support service. By prioritizing education, rehabilitation, and community engagement, we can mitigate the adverse effects of drug addiction and foster healthier societies.

Anjana Sharma

B.A. II Year 2416

Cheating : A Shortcut that Leads Nowhere

Cheating is often seen as a way to win, but it is a win without learning. When students choose cheating, they avoid effort and understanding, which are true goals of education. Marks achieved through dishonesty have no real value because they do not reflect knowledge or ability. Many students cheat, not because they are weak, but because they are afraid - afraid of failure, judgement, or disappointment. Failure teaches more than cheating ever can.

It helps students recognize their mistakes and improve themselves. Cheating also harms the spirit of fairness. It creates an environment where honesty feels foolish and dishonesty feels smart. This mindset is dangerous because it spreads beyond classroom; into workplace and society. Education should teach values along with subjects. Schools and families must guide students to believe in effort, patience and integrity. Success earned by honesty brings confidence and pride, while success gained by cheating leaves guilt and fear.

True victory lies not in scoring high marks, but in learning with honesty and standing strong with one's values. In the end, cheating is an easy door that opens to empty success, while honesty is a harder path that leads to real achievement and pride.

Nitish Kumar

B.A. I Year 2529

Pollution

Observe the traffic and pollution,
Where is its solution?
I see in my own neighbourhood this sight,
It's not a matter to be taken light.
I see the leaves and trees crying,
and the burn fallen leaves lying.
I wish that it stops soon,
Otherwise we'll have to take refuge on the moon.
Plant trees and take care of them.

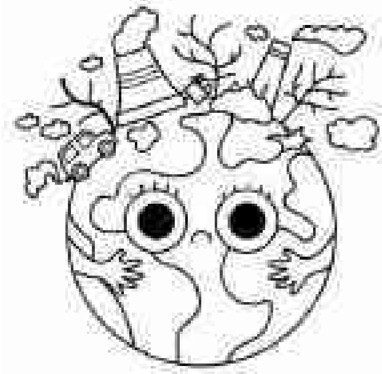

Sneha Thakur
B.A. II Year 2404

Section IV: Emotions and Sentiments

Life

What is Life?
Think, but at last I found my answer
Life is currently desribed in one of the four ways:
A journey, a battle, a pilgrimage, a race.
If life is a journey;
It must be completed.
If life is a battle;
It must be finished.
If life is a pilgrimage;
It must be concluded.
And if life is a race;
It must be won.

Sushmita
B.A. II Year 2404

Poem: Belief, My Perspective

Life is a fragile glass, so clear, so true..
Belief is a heavy stone, deeply-rooted in you.

Keep belief gently, with patience and care,
I've seen careless hands- their relations disappear.

Belief takes time to build, but crushes in seconds,
And life turns faded, once a bright diamond.

Love is a building whose belief is the base,
Remove the foundation, and ruins take its place.

Breaking trust is a choice not a mistake,
There is no antidote to recover once it breaks.

Some cheated souls accept it as their fate,
While the rest know evils aren't born they're made.

At present, money is a necessity to survive in society,
But I've heard of a time when trust was a gentleman's property.

Harshit Sharma
B.com. II Year 2481

MY PARENTS

MOM

Mom, you gave me birth, And reason to live on earth
You gave me joy, And reason to fly.
You showered me with your blessing,
All loving and caring
Whenever I was worried, You made me energetic.
In every situation of my life, You always stay with me.
You are like the sunlight in my life,
You are like a Medicine in my life,
Love you always mom!

MY FATHER, MY HERO

A Father can be called up by many names:
Dad, Daddy, Pop, Pa, Papa, Father.
He is a role model. It is a myth that father has a close relationship with his daughter than his son.
A Father is shelter in rain, fan in sun,
Body guard in difficult situation,
Santa Clause on birthday. In this way he is everything to a daughter from her childhood friend to adulthood friend.
The thing, a daughter shares with her father can't be shared by her with anyone.
A father sacrifices many things to make his daughter smile and laugh.
He never wants his daughter to lower her eyes.
I firmly believe that a bond of love between father and daughter is infinite.
Whenever the father shouts at the daughter, she starts crying whereas she doesn't cry at the shout of her mother because of the love of a daughter for her father.
For me, my father is a super hero.
For me, my father is my lifeline and everything even a magician who brings smile on my face,
I am the hope and dream of my father.

Pranav
B.com. I Year 2396

Best and Greatest Things of Life

The best day - Today
The best habit To speak the truth
The greatest truth - Death
The greatest peace - live and let live
The best behaviour - To respect and love all
The best worship of God - To help the needy
The greatest sin - Fear.
The best gift - Forgiveness
The greatest mistake -To ignore advice
The greatest need - Common sense
The greatest trouble maker - Loose talk
The most stupid thing to do -To find fault in others
The greatest of all things - An abiding faith in God
The most important thing - Life

Deepika
B.A. III Year 2304

My Feeling About Teacher

Teachers are the most precious gift of God to humanity. A teacher is like a candle that burns itself to give light of knowledge to all. A mother can only grow up child, but a teacher makes a child the best human being. God is great but teacher is greater than God; as it is the teacher who shows the path of God. There are two things in the world that give education to us: the teacher and the books. "Faith" makes things possible, "Hope" makes things bright and the "Teacher" makes all things easy.

Priyani Sharma
B.A. II Year 2409

A Father Means

A father means so many things.
An understanding heart
A source of strength and support,
From the very start.
A constant readiness to help
In a kind and thoughtful way.
With encouragement and forgiveness.
No matter what comes your way
A special generosity and always affectionate,
A father means so many things.

Sushmita
B.A. II Year 2304

If You Want

If you want to learn - learn how to respect your elders.
If you want to increase - increase knowledge.
If you want to help - help the poor.
If you want to do- always do good things.
If you want to talk - talk little or gentle.
If you want to speak - speak always the truth.
If you want to read - read always character of great people.

Priyani Sharma
B.A. II Year 2409

Values

When immoral values rise and lead the way,
Truth bends low and hope starts to decay.
Greed speaks loud while kindness stays small,
And selfish hearts ignore duty's call
Promises break like glass on stone,
Trust feels weak, and love feels alone.
words turn cruel, intentions stray.
Right becomes wrong in subtle ways.
When lies feel easy and wrong feels smart,
Darkness slowly enters the heart
Compassion fades, respect grows thin,
And silence supports the weight of sin.
Yet even then a light remains,
A chance to break, these moral chains
For values lost can still be found,
When Conicience speaks without a Sound
So rise above what pulls you low,
Let honest thoughts and actions grow.
for even in shadows deep and wide,
True values wait to be your guide.

Sanjana
B.A. II Year 2423

Section V: Nature and Universe

A Brighter Day

Each morning brings a brand- new start,
A hopeful beat in every heart
No night is long, no pain too deep
Dreams awake when fears fall asleep.
Smile a little, try once more.
Life has many gift in store
With faith and hope to guide your way
You can shape a brighter day.

Indira Devi
B.A. III Year 2510

Stars

Countless stars in the sky.
I love to see them in the night,
When they twinkle in the night,
They bring to my heart, delight
One shines, while another is shooting.
Everyone holds their breath while looking.
Come out in the night and hide in the day.
They steal my heart, in the month of May.
They brighten up the dark sky.
That is why we find them nice.
Countless stars in the sky
I love to see them in the night

Reena
B.A. III Year 2398

Section VI: Literacy and Language Appreciation

The Beauty of English Poetry

English poetry is a beautiful form of expression that uses words to share emotions, thoughts, and ideas. A poem may be short, but its meaning is often deep and powerful. Poets use rhythm, rhyme, and imagery to make their feelings clear and attractive to the reader.

An English poem helps us understand life, nature, love and human relationships. Through simple lines, a poet can describe complex emotions. Poetry also allows readers to imagine scenes and feel emotions in their own way. This makes poetry personal and meaningful for everyone.

Poems teach us to think creatively and look at the world from a new perspective. They imporve language skills and develop sensitivity towards others. Even in a few lines, an English poem can leave a lasting impression on the reader's mind. Therefore, poetry is not only literature, but also a source of inspiration and joy.

Sanjana
B.A. II Year

The Beauty of English Language

English resembles a beam.
Soft in the day, warm in night.
Easy words, gentle tone.
A tongue that we may consider ours.
It hums within tales pure
Fills our hearts with joy and cheer.
From the stories we read to the tunes we sing.
English enhances the beauty of all things.
Each word we grasp and speak,
It directs our thinking in a manner.
Enables us to communicate bond and exchange,
With Individuals residing everywhere.
It unites the globe from close and distant.
Turning doubt into hope and fear into cheer
Across the oceans and across the skies.
It unites hearts and mind.
English aids our development in education
Makes learning fun and learning cool
Science, Mathematics and History as well, Are easier when the words are true Confidence grows gradually with each passing day.

Conclusion:

It gives courage to what we want to say.
It makes dreams bigger, future bright.
And showing us ways that shine with light
Let us love this language fair,
With each thought and with each prayer.
Far beauty lives in every line,
A gift to hold far all of time.

Nitish Kumar
B.A. I Year 2529

Section VII: Activity and Skill Development

Scouting

Scouting is a global, non-formal educational youth movement that aims to contribute to the development of young people in achieving their full physical, intellectual, emotional, social, and spiritual potentials.

Founded by Lord Robert-Baden-Powell in1907:

The movement is governed by a system based on a shared Scout promise and Law.

Mission: To help build a better world where people are self- fulfilled and play a constructive role in society.

The Scout Law: Common traits include being trust worthy loyal, friendly, and courageous.

The Scout Method Learning by Doing: Emphasis on practical, hands-on experience and outdoor activities like camping, biking and woodcraft.

Team System: Operating in small groups (eg. petrols) to foster leadership and group unity.

Personal Progression: A progressive system of badges and ranks that encourages setting and achieving personal goals;

Scouting in the "Real World"

Sustainability: Through the Scouts for SDGs initiative young people are currently contributing millions of hours to the UN's Sustainable

Development Goals:

As College students, we are all looking for that 'extra something' to put on our resumes. But more than a certificate, Scouting offers a character. It teaches you to be the person who stays calm when a project fails, the person who speaks up for the marginalized, and the person who "leaves the world a little better than they found it".

Pooja Sharma
B.A. III Year 2302

Section VIII: Light and Creative Expression

Some Fun

1. **Teacher**: Who is politician?

Student: Sir a politician is a person who promised to build bridges even where there are no rivers.

2. **Daughter:** Daddy, do you think you can write in dark?

Dad: Yes my daughter.

Daughter: Then please switch off the light and sign my report card.

Deepika
B.A. III Year 2304

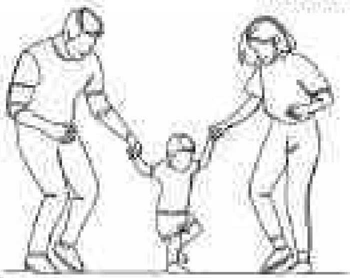

The Finish Line

If the most beautiful poem of life is written
Then death will it be!
Neither forward nor backward,
Death is a beautiful poem.
With no words, no whisper,
Pure an accident on the land of poetry.
Neither happiness nor sorrow,
The writer will draw a final line.
Time will be patient,
Circumstances, and place
Where it will be written!
After writing it, all words.
Will be on their completion journey,
They will stop.
They will want to write silently
But will not be able to write.
Anything deeper.
There will be a profound silence of elegy.
The poem will now go to the great departure!

Pooja Sharma
B.A. III Year 2302

Section IX: Perception

Surabaya A Land Of Heroes

With the grace of God, I visited Indonesia in 2024 and attended an academic conference at Surabaya (popularly known as a land of Heros). University of Airlanga (Uni Air) is an excellent centre of education in Indonesia. Salient features of Uni Air included the International curriculum, global education and active participation with the Government and non Government organisations. Professor Mohammad Nasih is the rector of uni Air. Let us know about Surabaya town, where the uni Air is situated. Northern part of surabaya has famous historical sites, trade centres and religious monuments. Eastern part of town has reputed educational institutions including technological universities. Tunjungan Plaza, a largest mall is situated in Central part while the Southern part offers an international entrance where Juand International Airport is located.

Surabaya has a rich historical account dating back to 14th century A.D. It was an important trade-centre during the Majapahit empire. It was a flourishing port city under the Dutch colonial rule in18th century. This period is known for major historical events in Surabaya and surrounding areas. As stated above, this city is a land of Heroes, who fought bravely the battle of independence in 1945 against the British and Dutch forces.

Thus the people of Surabaya paved the way of independence of Indonesia.

Notable special events organised during conference were opening and welcome dinner organised by the host University Festival and culture night at uni Air campus, a photo exhibition on. Indian circus, tattoo artists in Indonesian tribal traditions and Picture Gallery on Hindu Devi Durga contained about 2000 rare photographs collected from different parts of Indian sub continent. Exhibition on Hindu Devi focused on diasporic transition and mystic form of Indian goddess. Tattoes were used to brand the criminals in primitive tribal societies, which were nowadays a form of fashion and lifestyle.

A short film on river Jhelum was interesting. This film was directed by Prabhas Chandra, an independent scholar. It presented a glimpse of the life of a young protagonist Afeefa living in Kashmir Valley of India. The film explores suffocation and trauma experienced by Afeefa in her personal life. It explores an ugly face of terrorism in Kashmir Valley.

As far as culture programmes are concerned, Reog dance from East Java was very attractive. Reog dance incorporates music movements, acrobatics, stunning costumes and accessories during the performance. Local community of Surabaya regards the dance as a cultural legacy with history and folklores. Dance sequences, music and the themes were somewhat similar to South Indian dance styles.

Besides Reog, there was another dance performance called 'wayang Potehi' regarded as a mark of Surabaya's history, culture and civilization. This is a fusion of rich Chinese culture with Javanese ethics and values. Modernity was also blended with traditional music in the city of Surabaya. One could enjoy the Discoria - reviving, the Indonesian disco performances by the local musical parties and youths.

While in Indonesia, do as the Indonesians do. There are dress codes for tourists. All are advised to dress modestly while in that country. Shoulders should be covered properly and one has to refrain from wearing flipflops . Smoking and drinking is prohibited in educational institutions. I found mosques (masuke) every-where and there were not temples and churches in Surabaya. Most of the people are Muslim; honest religious and peace loving. There are many prayer rooms (Musholas), even in airports in Indonesia. After conclusion of the conference, all were asked to give feedback about Indonesian visit. I wrote ," I love Indonesia."

Dr. K.C. Kashyap
Principal

The Two - Faced Breed

The Two-Faced Breed
They smile like saints in the morning light,
But hide their shadows deep in the night.
Their words drip honey, smooth and sweet,
Yet venom waits beneath their feet.

They praise your name when you stand near,
But sharpen lies for your back to bear.
With borrowed masks, they roam the crowd,
Their truth too fragile to speak out loud.

They bow with grace, pretend they care,
But envy burns beneath their stare.
A double life is all they know-
A gentle face, a darker glow.

And when their whispers start to fade,
You'll see the games their shadows played.
For every lie they tried to sow,
Truth rises up and steals the show.

Their polished charm begins to crack,
Revealing all the trust they lack.
The louder they pretend to shine,
The clearer you see their twisted design.

So, guard your soul from hearts untrue,
For masks may slip, but harm breaks through.
And walk with those whose eyes don't hide,
Whose truth and loyalty stand side by side.

Prof. Yash Pal
Assistant Professor (Commerce)

Srimad Bhagavad Gita: The Essence of Life

Srimad Bhagavad Gita is not just a religious book, it is a timeless guide. The Gita is a Hindu scripture found in the "Bhishma Parva" of the Sanskrit epic the "Mahabharata". It is composed by sage Ved Vyasa and is in a dialogue form between Lord Krishna and Arjuna during the battle of Kurukshetra. Shri Krishna, an incarnation of Lord Vishnu, served as Pandu-putra Arjuna's charioteer. Krishna guides disillusioned and disheartened Arjuna in the middle of the battlefield to perform his duty without feeling guilty for killing his own relatives and teachers. Their conversation carries a deep religious, ethical and spiritual essence for the people grappled with personal dilemma and conflict. Its profound philosophy provides life lessons and bridges ancient wisdom with contemporary life.

This scripture consists of 18 chapters and 700 Sanskrit verses. Further 18 chapters are divided into three sections: Karma Yoga, Bhakti Yoga and Gyan Yoga. Each section contains six chapters. The book focuses on action and maintaining mental equilibrium. It helps in overcoming self- doubts, managing success and failure with equal vision. Today we all are at war with the internal as well as external factors. Shri Krishna's teachings guide not only Arjuna, but is also equally applicable to all around the world who face a battle within.

The teachings of The Gita are really helpful in student life for learning discipline, balance, focus and clarity. It is applicable to all in maintaining love, relationship and friendship. Many great personalities of our country including Shri Ramakrishna, Swami Vivekananda, Mahatma Gandhi, ISKCON followers and many more, have been the key proponents of the Gita. Foreigners like Albert Einstein, Huxley, Carl. Jung, Herman Hesse, Emerson, Walt Whitman, TS Eliot etc. have been the admirers and followers of the teachings of this text. It is a perpetual source of Indian philosophy and spirituality. Present society is surrounded by stress, discontentment and decline in moral values. Gita plays a pivotal role in gaining self- control and exactly performing duty without any expectations. It is a bacon of light which leads to mental peace and satisfaction along with moral values like patience, dedication, cooperation, harmony and Justice.

Srila Prabhupada, the founder of ISKCON calls Gita a "Song of God" and "manual for self-realization" that is "the essence of all Vedic knowledge". Many saints, sages and interpreters believe that Gita is not just a text to be read but a way of life to be lived. This miraculous text has been translated into over 82 languages including 65 foreign languages. Many foreign countries like United Kingdom, Australia, Germany, France, Denmark, America, Russia etc. teach the lessons of Gita to their students. It has been a perennial source of enlightenment and wisdom. A German ideologist Jakob Wilhelm Hauer describes the Gita as a work of imperishable significance. It guides the troubled minds, helps to overcome anger and fear and leads towards decision making. Teachings of the Gita have the stature to transform the lives worldwide.

The Gita encompasses universal human psychology including all living beings, irrespective of religion, caste and creed. In this modern world there is conflict, chaos and anxiety everywhere. The Gita fits readers of all types and offers age old wisdom and the real meaning/ purpose of life. It leads us to become responsible people by leading a balanced, happy and meaningful life.

Anjali Parmar
Assistant Professor of English

COMMERCE SECTION

SESSION 2025-26

Prof. Yash Pal
Teacher Editor

Reena Devi
Student Editor

**GOVT. DEGREE COLLEGE
REWALSAR, DISTT. MANDI (H.P.)**

Commerce Section
INDEX

S.No.	Name	Class	Title
1.	Reena	B.Com III	Reserve Bank of India
2.	Nidhi	B.Com III	Office Management
3.	Pranav	B.Com III	Brand Building Through Social Media
4.	Manu	B.Com III	Salesmanship
5.	Jamna Devi	B.Com III	Digital India
6.	Preeti	B.Com III	Bank
7.	Akshay Sharma	B.Com III	Love as in Commerce
8.	Tripta	B.Com II	Purchasing Power Accounting
9.	Shivani	B.Com II	Consumer Protection
10.	Kushma Devi	B.Com II	Advance Tax
11.	Yamini Sharma	B.Com II	Corporate Social Responsibility
12.	Vivek Sharma	B.Com II	Finance
13.	Tamanna Sharma	B.Com I	Leadership
14.	Piyush Sharma	B.Com I	Make in India
15.	Aditya Sharma	B.Com I	Black Money
16.	Reena	B.Com III	Corporate Governance
17.	Nidhi	B.Com III	Entrepreneurship
18.	Pranav Thakur	B.Com III	Con Men With A Vision
19.	Manu Devi	B.Com III	NITI Aayog
20.	Jamna Devi	B.Com III	Stock Exchange
21.	Preeti	B.Com III	Insurance
22.	Tripta	B.Com II	Who can Issue 1rupee note and coin in India?
23.	Shivani	B.Com II	Cheque
24.	Kushma Devi	B.Com II	TDS
25.	Vivek Sharma	B.Com II	Union Budget
26.	Tamanna Sharma	B.Com I	World Trade Organisation (WTO)
27.	Piyush Sharma	B.Com I	Career Option After B.Com
28.	Akshay Sharma	B.Com III	Commerce MCQs
29.	Prof. Yash Pal	HOD Commerce	Youth, Money & Lifestyle: Redefining the Economics of a New Generation

Reserve Bank of India

The RBI Act 1934 passed in 1934, provides the legal foundation for the Reserve Bank of India (RBI); establishing it as India's Central Bank to manage currency monetary policy, and financial stability; overseeing banknote issuance, banking operations, and credit systems, building on recommendations from the Hilton Young Commission and officially commencing operations in 1935 before its nationalization in 1949.

Key Provisions & Purpose:

Establishment:- Constituted the Reserve Bank of India (RBI) with Central office initially in Kolkata, later moving to Mumbai.

Core Functions:- To regulate banknote issuance, manage foreign exchange, maintain monetary Stability, and operate the Credit/currency system.

Banking Regulation:- Controls banking functions, prohibits deposit-taking by unincorporated bodies and regulates money market instruments derivatives.

Monetary Policy:- Contains Provisions for monetary Policy and the functioning of the Monetary Policy Committee (MPC).

Credit Information:- Gives RBI powers to collect and use credit information.

Nationalization:- Originally a private shareholder bank, it was nationalized in 1949 under a separate act, Reserve Bank Act, 1948.

Significance:- Provides the statutory framework for RBI's operations.

A cornerstone of India's financial and Monetary Structure, guiding its economic development.

Reena
B.Com III Year (2398)

Office Management

Office management is the process of ensuring on office runs efficiently by planning, organizing, coordinating resources, staff, and daily activities to achieve organizational goals. Effective office management improves productivity, streamline work, reduce costs, and contributes to employee Satisfaction and a positive work environment.

Key functions of office management:

Planning and organizing: Developing procedures and strategies to meet the company's objectives and coordinating activities to ensure smooth operations

Controlling and coordinating: Overseeing all office functions, from administrative tasks to oesource allocation, to maintain efficiency and control over activities.

Managing resources: optimizing the use of office resources including finances and supplies, to minimize waste and costs.

Employee Support - Motivating staff, managing workloads, and fostering a positive and healthy work environment to improve job satisfaction and retention.

Communication:- Ensuring clear communication across departments and maintaining positive bublic relations with clients and external parties.

Importance of effective office management:

Increases poroductivity: A well- organised office minimize distractions and bottlenecks, allowing employees to focus on their core tasks and complete projects more efficiently.

Reduce Costs: Efficient management of budgets resources, and work flows prevents overspending and saves money in the long run.

Boosts morale and retention: A less stressful, more organized workplace leads to higher employee satisfaction and lower turnover.

Supports business goals: Office management aligns day-to-day operations with the company's overall mission and helps in achieving targets and fostering growth.

Nidhi
B.Com III Year (2391)

BRAND BUILDING THROUGH SOCIAL MEDIA

Before the pandemic, social media platforms were majorly considered as having a negative impact on the consumers. People called it 'wastage of time' but tell me who didn't scroll through Instagram reels or funny tweets during the pandemic?

From 12 year old to even people in their 60s, everyone learned to use these Social media platforms to connect with people and stay updated. I remember my cousin showed me how to make Dalgona coffee while I was on a video call with her and I very well remember, she never liked drinking coffee. Things changed we changed for good or bad, that the world will have to tell?

It's true that there were many viral trends from planting a tree to showing off their makeup skills. But on the other side, many small businesses started by housewives or young adults earned a lot of fame and profits through these paltforms. All you needed was an idea, skills, and resources to make products along with social media. Sanjukta Saha wanted to buy plants for her home. After Searching through social media and e-commerce platforms for hours, she didn't find any product that satisfied her.

She had a brilliant idea to 'create' what she desired. Further, along with her husband, she decided to step into the market and established 'My Greenhome'

Every time she successfully delivers a cute plant to her customers, they generally share it on their social media platform tagging the company's official handle, says Sanjukta for her each post, each tag and viral reel brings profit alone with customer. Not only small business but also many other companies started advertising and become constantly active during the pandemic for example zomato coming up with the most laughable and relatable reel for their customer and Mc Donald's tweets interacting the young population to start their own websites and sell their own designed products and spreading positivity by directly connecting with the consumers. Each adversely gives rise to opportunities it is for an individual to grab the same.

Pranav
B.Com III Year (2396)

Salesmanship

Salesmanship is the art of selling products or services by identifying customer needs and persuading them to purchase. It involves creating trust, giving accurate information, and ensuring customer satisfaction. Salesmanship is the art of influencing the mind of the buyer in favor of a product or service.

Importance of salesmanship

1. For Customers:-

★ Helps them understand products clearly.

★ Reduces confusion and Saves time.

★ Ensures better decision making.

2. For Business Firms:-

★ Increases sales and profits.

★ Enhances brand reputation.

★ Helps in market expansion.

3. For the Economy:-

★ Supports industrial growth.

★ Encourages healthy competition.

★ Generates employment opportunities.

Qualities of a Good Salesman:

1. Good communication skills.
2. Confidence and patience.
3. Honest and polite behaviour.
4. Detailed product knowledge.
5. Ability to handle objections.
6. Pleasing personality.
7. Customer friendly attitude.

Conclusion:

Salesmanship is an essential element of modern marketing. A skilled salesman does not merely sell a product but builds trust, satisfies customer needs, and strengthens the company's position in the market.

Manu Devi
B.Com III Year (2392)

Digital India

Introduction:-

Digital India is a flagship programs launched by the Government of India on 1st July 2025 to transform India into a digitally empowered society and knowledge-based economy. It aims to bridge the digital divide between rural and urban areas infrastructure, digital services, and digital literacy to all citizens, especially in rural area.

Objectives of Digital India :-

1. To provide high-speed internet and improve digital infrastructure.
2. To deliver government services electronically through e-government.
3. To promote digital literacy and reduce the digital divide.
4. To increase transparency and accountability in government services.

Major Components:

1. Broadband highaways; Connecting all villages and town through optical fiber network under the BharatNet project.
2. Universal Access to Mobile Connectivity :- Expanding mobile network coverage to remote and rural area.
3. Public Internet Access Programme:- Creating Common Service Centres (CSC) where citizen can access government services digitally.
4. E- Governance:- Using technology to simplify government processes online applications, Aadhaar Cards based services, digital signatures, and e- office systems.

Achievements of Digital India :-

1. UPI and digital payments have made India the Global leader in cashless transaction.
2. Aadhaar enabled services simplified identification and reduced corruption.
3. BharatNet connectivity to thousands of villages.
4. Boost to start-ups and digital entrepreneurship.

Challenge Faced:-

1. Limited digital literacy in rural area.
2. Unstable internet threats and data privacy issue.
3. Cybersecurity threats. and data remote regions.

Jamna Devi
B.Com III Year (2390)

Bank

Banks are Important financial Institutions that accept deposits from the Public and provide loans for various Purposes. They play a crucial role in the economic development of a country by mobilizing savings, facilitating trade, and ensuring smooth financial transaction.

A bank is a financial institution which accepts deposits, Provides loans, and offers various financial services Such as remittances, credit creation, and Investment services.

Types of Banks:

1. Commercial Banks:

Provide banking Services to Individuals and businesses, such as deposits, loans, cheques, and digital payments.

2. Co-operative Banks:

Provide credit facilities mainly to farmers, small traders and rural Communities at lower interest rates.

3. Development Banks:

Offer long-term finance to Industries and Infrastructure projects.

4. Regional Rural Banks (RRBs):

Aim to develop rural areas by providing credit to farmers, artisans, and small entrepreneurs.

5. Central Bank (RBI):

The apx bank of the country that regulates all banks, issues currency, and manages monetary Policy.

Role of Bank in Economic Development:

1. Mobilization of savings:

Banks convert public savings into productive investments.

2. Promotion of Trade and Commence:

Provide credit and payment facilities for smooth business operations.

3. Industrial and Agricultural Growth :-

Provide long. term and short-term loans to industries and agriculture.

Conclusion:

Banks are the backbone of a nation's financial system. By providing deposits, loans, payments, and financial services; they supports economic growth, increase productivity, and strengthen financial stability. A strong and efficient banking system is essential for the economic progress of any country.

Preeti
B.Com III Year (2395)

Love as in Commerce

Love can be called as an Intangible Asset,
But it is surely a fixed one.
It is also the Goodwill of the Business firm,
Where firms are the human souls.
It changes its form as:
Capital in the Balance sheet and is the
Summation of commitment & special case.
Where the former Being Assets &
Latter as liabilities.
It should always be credited as
Net profit in the profit & Loss Account,
Should be debited as surplus in
The Income & Expenditure Account.
The admission is restricted, once retired
them not possible to be Re-registered.
If death occurs then the executors Account
Gets over flooded with love.

Akshay Sharma
B.Com III Year (2394)

Purchasing Power Accounting

Purchasing Power Accounting, also known as Constant Purchasing Power Accounting (CPPA), is an accounting method that adjusts financial statements to reflects changes in the general price level, primarily due to inflation. It presents a company's financial position in terms of a single, consistent unit of currency by converting all monetary values to a common date's purchasing power using a general price index. This method is used to provide a more meaningful veiw of a company's performance during periods of high inflation or deflation.

How it works:

★ Financial statements are adjusted to reflect the purchasing power of a single, common date, typically the end of the accounting period.

★ A general price index, such as the consumer price index (CPI) is used to convert all items in the balance sheet and income statment to a consist unit of value.

★ For example, sales revenue is already in current purchasing power, while the cost of goods sold must be adjusted to reflect the purchasing power of the period when the goods were acquired.

★ This adjustment allows for a more accurate comparison of the financial data over time, as it eliminates the distorting effect of inflation.

Tripta
B.Com II Year (2484)

Consumer Protection

Consumer protection involves a set of laws and regulations designed to safeguard consumer from unfair, deceptive, or fraudulent practices by business. This is achieved through rights such as safety, information, and choice, and the establishment of mechanisms for redressal of grievances. Key legislation like the consumes Protection Act 2019 in India, provides a Framework for protecting consumer interests in both offline and online transactions.

Key aspects of consumer protection:

★ Consumer Rights: The primary goal is to ensure consumers have Fundamental rights, including.

★ Right to Safety: Protection From goods and services that are hazardous to life and property.

★ Right to information: The right to be informed about the quality, potency, purity, standard and price of goods, services or products.

★ Right to choice: Access to a variety of goods and services at competitive prices.

★ Right to Representation: The right to be heard and to have the consumer interests considered at appropriate forums.

★ Right to consumes education: The right to acquire the knowledge and skill to be an informed consumer.

Legal Framework

★ In India, the Consumer Protection Act 2019 (replacing the 1986 act) is the primary legislation, applicable to all business, including e-commerce firms. The act established the Central Consumer Protection Authority to regulate matters relating to consumes rights, unfair trade practices, and false advertisements.

★ Other laws also provide partial consumer protection, but the Consumer Protection Act offers a mare specific and accessible grievance redressal system.

Mechanisms for Redressal:

★ The consumes Protection Act provides a way for consumers to seek redress for their grievances.

★ In India the National Consumer Helpline (NCH) is a platform that helps in resolving issues with companies.

★ Consumer can file complaints through these channels to get their grievances Sertled sometimes leading to quick resolutions.

Shivani
B.Com II Year (2482)

Corporate Social Responsibility

Corporate Social Responsibility refers to a company's voluntary efforts to improve social, environmental and economic impact on society. CSR goes beyond compliance with laws and regulations, aiming to create positive change and long-term value for stockholders.

Types of CSR:

1. Environmental Responsibility:-Reducing carbon footprint, conserving natural resources, and promoting sustainable practices.
2. Social Responsibility:- Improving labour standards, Supporting local communities and promoting diversity and inclusion.
3. Philanthropy: Donating to charitable cause, supporting education and healthcare initiatives, and sponsoring community events.
4. Economic Responsibility : Creating jobs, stimulating local economies, and promoting fair trade practice.

Best practices in CSR:

1. Integrated CSR Into Business Strategy.
2. Set clear goals and metrics
3. Engage stakeholders.
4. Transparency and reporting.
5. Continuous improvement.

Yamini Sharma
B.Com II Year (2485)

Advance Tax

Advance tax is a method of paying your Income Tax liability and instalments throughout the same financial year in which the income is earned, rather than paying it is a lump sum at the end of the year This system applies to anyone whose estimated tax liability after adjusting for TDS/ TCS is likely to be Rs. 10,000 or more in a financial year. It helps taxpayers to mange their cash flow and avoid penalties for late payment.

Types of Advance Tax:

★ Self-employed individuals and freelancers: As there income days not usually have a an employer to deducts TDS they must estimate and pay their own tax.

★ Business Owners: All type of business including sale proprietorships and partnerships are required to pay if their tax liability exceeds the threshold.

★ Salaried individual with additional Income: If a salaried person has other significant income sources (e.g, rent, capital gains, interest income, dividends) not fully covered by their employer's TDS deductions, they heed to pay advance tax on that extra income.

★ Non-resident Indians (NRIs): NRIs with taxable income in India (exceeding the threshold) must also pay advance tax.

★ Taxpayers under presumptive taxation scheme: Those opting for Sections 44 AD or 44 ADA can pay their entire advance tax liability in a single installment by March 15 (or March 31) of the financial year.

Kushma Devi
B.Com II Year (2483)

Finance

Finance is the magement of money and financial activites, including the creation, study, and management of money, credit investment, and other financial instruments. It applies to individuals, business, and government's, and involves planning how to obtain and invest funds effectively to meet current needs and futures goals.

Key aspects of finance:

★ **Management:** Involves managing resource and financial activities like budgeting, saving, borrowing and investing.

★ **Creation:** Includes creating financial instruments like stock and bonds and raising Capital.

★ **Study:** The academic and practical study of how money and other financial systems operate.

Types of Finance:

★ **Personal Finance:** Managing and individual's or household's money including budgeting, saving for goals like retirement, and managing debits.

★ **Corporate Finance:** The financial management of a company ,which including raising capital, managing costs, and making investment decisions to increase profitability.

★ **Public Finance:** The management of a government's finance including now it collects money through taxes and spends it on public services and infrastructure.

Vivek Sharma
B.Com II Year (2399)

Leadership

Leadership is for more then holding a title or giving instructions - it is the ability to inspire, influence, and guide people toward meaningful goals. True leadership blends vision with responsibility, confidence with compassion, and action with integrity. In today's rapidly evolving world, strong leadership has become essential not only for organization but also for students preparing for future professional rules .

What is Leadership ?

Leadership is the process of motivating people, uniting them, and directing their strength toward a shared purpose. A true leader inspires trust, communicates clearly, and encourages other to grow. Leaders don't just direct task- they build confidence and help people realize their potential.

Types of Leadership:

1. Democratic Leadership:- Encourage participation in decision making.
2. Transformational Leadership:- Inspires innovation, creativity, and positive change.
3. Servant Leadership:- Focus on the well being and growth of the team.

Advantages of Leadership:

- Build Team Confidence:- Good leader motivate and bring out the best in people.
- Improves Decision Making:- Clear leadership helps team stay focused and efficient.
- Encourages Innovation:- Effective leader inspire creative Idea and new approaches.

Disadvantages of Poor Leadership:

Confusion:- Team May feel lost without clear direction.

Low Morale:- Poor Leadership leads to frustration and lack of motivation.

Slow Progress:- weak leadership result in poor decision and delayed outcomes.

Conclusion:

Leadership is a powerful responsibility that shapes individuals, team and communities for college student, developing leadership skill such as communication, empathy and responsibility is essential. Strong leadership build a brighter future and inspires positive change.

Tamanna Sharma
B.Com I Year (2580)

Black Money

Black Money is income earned illegally or concealed from tax authorities depriving the nation of resource for development and posing a major challenge in India.

Causes:

★ Tax evasion and corruption.

★ Bribery, smuggling, illegal trade, gambling, poltical funding .

★ Week enforcement.

Effects:

★ Reveneu loss for the government.

★ Heightened corruption and inequality.

★ Inflationary pressure and economic distortion.

★ Capital fight to foreign - banks.

Measures Taken:

★ Promotion of digital payments.

★ Strited tax rules and penalties,

★ International cooperation to trace hidden funds.

★ Public awareness campaign against corruption.

Conclusion: Black money enroll the economy and society. Eliminating it requires honest action from both Government and citizen and a commitment to transparency, paving way for a corruption free progressive India.

Aditya Sharma
B.Com I Year (2582)

Make in India

Make in India is a flagship initiative launched by the Government of India on 25 September 2014 to transform the country into a global manufacturing hub. The campaign encourages companies - both India and foreign to produce goods within India, thereby boosting employment, innovation and industrial growth.

Objectives of Make in India:

1. To increase manufacturing and raise its share in India's GDP.
2. To generate large scale employment for the youth.
3. To attract Foreign Direct Investment (FDI)
4. To promote innovation and technology driven industries.
5. To build a self reliant India (Atmanirbhar-Bharat) by reducing dependence on imports.

Impact on Youth and Economy:

Make in India has opened doors to new opportunities for India's growing youth population. With more manufacturing unit and startups, the country is witnessing job creation skill development, and technological progress. It is also paying a crucial role in strengthening the nation's economic and globe position.

Conclusion:

"Make in India" is not just a campaign it is a vision for a stronger self reliant and industrally empowered India. By encouraging manufacturing Innovation, and investment the initiative is shaping the future of the nation and paving the way for substanceable economic growth. If implemented with consistency and determination, make in India can truly transform India into a global powerhouse.

Piyush Sharma
B.Com I Year (2581)

Corporate Governance

Corporate Governance is the system of rules, pratices and processes that directs and controls a company, balances the interests of its many stakeholders like shareholders, management and the public. It involves accountability, transparency, and fairness, and a company's board of directors is central to its structure, with shareholders electing the board a and auditors.

Benefits and Importance:

★ Improved Performance: Studies show that firms with better corporate governance practices better and grow more sustainably.

★ Investor Confidence: Strong Governance practice can inspire investor confidence, increase the company's image and reduce risks.

★ Risk Reduction: It provides internal controls and mechanism to limit abuse of power and prevent issues like accounting fraud.

Key Components:

★ Board of Directors: The board is responsible for the governance of the company, setting strategy and overseeing Management.

★ Shareholders: Shareholders have the role of obtaining directors and auditors and ensuring a proper governance structure is in the place.

Conclusion:

Strong Governance is crucial for building trust, ensuring long term success, improving financial performance and fostering a positive corporate culture through accountability transparency and ethical conduct.

Reena
B.Com III Year (2398)

Entrepreneurship

Entrepreneurship covers a wide range of topics, from the definition and characteristic of entrepreneurship to specific business strategies, marketing trends, and the role of entrepreneurship in the economy.

Business and Strategy:

★ Business Strategy Articles: Discuss how to develop a strategy, focusing on customer need and the importance of a clear vision.

★ Funding: Resources for entrepreneurship often include information on how to fund a business.

★ Resources: Essential resources for entrepreneurship include manpower, money, materials, machines, methods, markets, and management (the 7M's).

Skill and Trends:

★ Marketing: Topics include essential marketing trades and how to generate leads effectively from social media.

★ AI: The role of AI in helping founders become smarter marketrate is a current trend.

★ Personal Foundation: Some articles emphasize that a strong personal foundation is what keeps entrepreneurs steady, not just career success.

Nidhi
B.Com III Year (2391)

Con Men With A Vision

In a world where the term "vision" has been used so often, what does it mean to be truly a visionary? Real vision and true visionaries take the entire society to another level of development.

A visionary faces a wide variety of challenges, uncertainties, personal shortcomings, etc. So, now let's talk about some of them whose aim was to create something unique but the world later called them 'CON MEN'.

Everyone knows Indian Harshad Mehta. He was able to swindle our 1 billion from banking system to buy stock on the Bombay Stock Exchange. Then can be say that he was a visionary or a genius with crooked mind? Technically Harshad Mehta was wrong, as he borrowed money from the money market and invested it in the share market to rig share prices. But on the other hand, he found existing loopholes in the system and exploited them proving that banking system were not secure.

Many financial experts believe that he did not commit any Fraud. He would have returned the money to SBI without any issue, also the banks associated with him made extremely huge profits, including SBI. Harsad Mehta always made profits for his client side and associated banks.

A journey from flashy diamantaire to fugitive ending up in a jail cell; Nirav Modi, who committed a fraud of Rs 11,000 crore for PNB bank, but his aims was very unique in itself. Nirav Modi was passionate about creating an internationally renowned luxury jewellery brand that was uniquely Indian. So why did he require large sum of capital ? The reason in all probability could be that was because usually, a boutique is profitable only after two and three years. The Diamond business is basically capital intensive , so to be successful, he had to raise capital which

NITI Aayog

NITI Aayog (National Institute for Transforming India) is the premier policy think tank of the Government of India. It was established on 1st January 2015 to replace the Planning Commission.The main purpose of NITI Aayog is to promote cooperative federalism, encourage states participation in policy - making and provide long term long strategies for India's sustainable development.

Nature: NITI Aayog is an advisary and strategic institution, not a funding body. Unlike the planning commission it does not allocate funds to states. It focuses on policy formulation, innovation, evaluation, and monitoring of various development programmes.

Objectives of NITI Aayog:

1. To promote Cooperative and competitive federalism.
2. To design long term medium term, short term development strategies.
3. To encourage innovation, entrepreneurship, and technological development.
4. To support the implementation of a sustainable development golas (SDGs)

Major functions of NITI Aayog:

1. Formulates National Development Plans and strategies.
2. Provides technical support to state and central Ministries.
3. Promotes innovation through programmes like Atal Innovation Mission.
4. Promotes development of backward regions through the Aspirational districts programme.

Major inititives of NITI Aayog :

★ Aspirational district programmes

★ Atal Innovation Mission AIM

★ Strategy for new india @ 75; etc.

he did by unscrupulously using the Indian banking system and the greed of officials. He was and unusual mix of being and excellent Entrepreneur and a conartist.

Vijay Malya committed to fraud of Rs 9000 crore owed 17 Indian banks, but he was the one whose knowledge should have been put to good use. He was the king of air transport & king of good times. He has shown Indians that air travel isn't as costly as gold, you can be as with first class customer in the economy class as well.

Pranav Thakur
B.Com III Year (2396)

Conclusion:-

NITI Aayog plays a vital role in transforming India's development landscape by promoting cooperatives federalism, encouraging Innovation, and providing long-term policy direction it acts as a bridge between the government States, private sector, and, civil society. It is an Essential institution for achieving the vision of a developed, sustainable, and self reliant India.

Manu Devi
B.Com III Year (2392)

Stock Exchange

A stock exchange is a regulated institutional mechanism that facilitates trading of financial instruments, It ensure fear price transparency, and liquidity examples in India include the Bombay Stock Exchange (BSE) and National Stock Exchange (NSE)

Functions of stock exchange :-

1. Provide Liquidity:- Investor can convert their securities into cash quickly. This liquidity encourage more people to invest in share.
2. Ensures fair the transparent pricing:- Price of securities and determined through demand and supply. The stock exchange provide updated price information to all investors.
3. Facilitates capital formation:- Companies raise long term capital by issuing shares and debentures.
4. Promotes Investment:- By offering a secure market, the stock exchange motives people to invest their saving rather than keep them idea.

Insurance

Insurance is a financial arrangement in which an individual or business (called the insured) pays a fixed amount know as a premium to an insurance company (called the insurer). In return, the insurer promises to compensate the insured for specified losses, damages, or risks in the future.

Insurance refer to a contract where by the insurer agres to provide financial protection to the insured against possible future losses. The main purpose of insurance is to provide security, stability and financial support during unexpected event such as accidents, fire, theft, illness, death, or natural disasters.

Type of Insurance:-

1. Life Insurance:- Provides financial protection to the family or nominee on the death of the insured or after maturity.

★ Includes whole life policy, Term policy, endowment policy etc.

2. General Insurance :-

a. Health Insurance :- Covers medical expenses

b. Fire Insurance:- Protects against loss due to fire.

c. Marine Insurance:- Covers goods ships and cargo during transit.

5. Safety of Transactions:- Stock exchange oprates under Strict guidances of SEBI (Security and exchange Board of India). This protects investors from frauds, malpractices and unfair trade.
6. Market Regulations.- A Stock Exchange regulated brokers, dealers, and companies listed on it.
7. Encourages saving and capital formation:- By offering profitable investment avenues, it channels public saving toward productive industries.
8. Facilitates healthy business growth:- Companies listed on stock exchange follow strict rule and disersures. Which improve their management and efficiency .
9. Economic Indicator:- Stock market Indices like Sensex and Nifty reflect the economic performance of the country.

Conclusion:

The stock exchange is an essential component of a modern financial system. It provides a transparent and organized platform for trending securities, protects investors, and supports business growth. By mobilizing saving and facilitating capital formation, stock exchange play a crucial role in strengthening the economy.

Jamna Devi
B.Com III Year (2390)

(d) Motor Insurance:- Covers vehicles against accidents, theft or damage.
(e) Home Insurance:- Protects houses from natural and man - made disasters.

Principles of Insurance:

1. Utmost Good Faith:- Both parties must share all relevant information honestly .
2. Insurable Interest:- The insured must have a legal and financial interest in the policy subject.
3. Indemnity :- Compensation is given only for the actual loss except Life Insurance.
4. Contribution: If multiple insurance are involved, each contributes proportionately.
5. Subrogation:- After paying the claim the ensure can recover the loss from third parties.

Conclusion:

Insurance plays a crucial role in modern life by providing protection against uncertainty and financial loss. It is not only a means of risk management but also an instrument for economic growth and social security. By encouraging savings, reducing risk and providing support during crisis, Insurance has become an essential part of personal business and national development.

Preeti
B.Com III Year (2395)

Who can Issue 1 rupee note and coin in India?

In India, the Ministry of Finance issues the ₹1 note and all coins, while Reserve Bank of India (RBI) has the sole right to issue all other currency note ₹ 2& above. This division of responsibility is a unique feature of the Indian currency system.

Key Details:

Issuing Authority:- The Govt of India's Ministry of finance is the issuing authority for 1 rupee notes and all denominations of coins.

Legal Basis:- The authority is derived from the coinage act 2011, which explicitly includes the Government of India 1 rupee note within the meaning of a 'coin'. The RBI act of 1934, in Sec. 22 grants the RBI the sole right to issue bank note expect for the One rupee note.

Signature:- The ₹1 note bears the signature of the finance secretory to the Govt of India. All other currency notes (₹ 2 and higher denominations) bears the signature of the Govt of the RBI.

Circulation and Distribution:-The actual meaning of coins and printing of the ₹1 note are carried out at govt owned facilites under the Security Printing and Minting Corporation of India Limited (SPMCIL). Once produced, the RBI puts these coins and rupees one note into circulation on behalf of the central government through a network of currency chest and Bank branches across the country.

Legal Trend Status:- Both 1 rupee notes and coins, as well as all other denominations of notes issued by the RBI, are legal tender in India.

Tripta
B.Com II Year (2484)

Cheque

A cheque is a Financial instrument that facilitates cash withdrawals and fund transfers between bank accounts. It is a written instruction, authorising a bank to execute a financial transaction. The Person entity who issue the cheque is the "Drawer". On the other hand, the person entity in whose favour the Cheque issued is called the "Drawee."

Types of Cheque:

1. Bearer cheque: The bank pays it to the person bearing i.e. holding the cheque, malling it a co-nvenient mode of quick encashment.
2. Crossed cheque:- Bearing two parallel lines on the top left cornes, ensures only the designed payee receives the amount in his account.
3. Order cheque:- It is payable only to the person mentioned against, the 'Pay' or 'Pay' to the order field, after identity verification.
4. Open cheque:- It is not crossed, and the payee can encash it at the bank. Moreover it is also transferable by the payee.
5. Post-Dated cheque (PDC):- You can issue it for a payment falling due on a Future date. The bank honours the payment on the data you mentioned.
6. Ante Dated cheque:- These cheques are written by the cheque drawer and are usually backdated.
7. Banker's Cheque:- It is issued on your behalf by the bank itself. it is normally useful For transactions requiring payment certainty.
8. Traveller's cheque: To reduce the hassles of Carrying Cash For travel, ask you bank about it. You can conveniently encash currency From the bank located in your travel destination and enjoy your travel as planned.

9. Self- cheque:- used For withdrawing cash or transferring funds From one's own account.

10. Stale cheque:- Here the three-month validity has expired, making the Cheque State. This period is calculated From the date of issue.

11. Cancelled cheque:- You can cancel cheque by drawing two parallel lines across its face with the words "Cancelled".

12. Mutilated cheque:- Any cheque received by a bank in a torn condition is termed as a mutilated cheque.

13. Blank cheque:- A blank cheque is a cheque that has been signed with no monetary value written on it.

Shivani
B.Com II Year (2482)

TDS

"Tax Deducted at Source"

TDS is system where the person making a specified payment (the deductor) withholds certain percentage of the amount as tax on behalf of the recipient (the deductee) and deposits it with the government. The recipient receives the bet amount and Can claim Credit for the deducted tax when filing their income tax return (ITR).

Types of TDS:

Salary (Section192): Deducted by employers based on the employee's applicable income tax slab rates.

Interest other than interest on securities (Section 194A): Deducted by banks and financial institutions on interest from fixed deposits, recurring deposits, etc, above a Certain threshold (e.g 10,000 for banks).

Rent (section 194-1): Deducted on rent payments for land, buildings, or machinery if the annual payment exceeds a sepcified limit.

Payments to Contractors (section 194C): Deducted for work or services rendered by contractors.

Professional fees (section 194J): Deducted from payments made to professionals like doctors, lawyers, architects, and Consultants.

Winnings from lottery / Puzzles (section 194B): A flat 30%TDS is applicable on winnings above a certain limit.

Sale of Property (Section 194-1A): Applicable if the transation value exceeds a specified limit.

Kushma Devi
B.Com II Year (2483)

Union Budget

The term "Union Budget" is most closely associated with the Annual Finance statement as defined by article 112 of the Indian Constitution. It is the government's annual plan for its estimated receipts and expenditures for the upcoming fiscal year.

Purpose:- It outlines the government's financial plan, including how it will raise revenue and allocate funds to different ministries, schemes and states. It acts as the country's economy roadmap, influencing policy, and economic direction.

Process:

Budget Preparation is a multi-stage process that starts months in advance and involves various stakeholders including Ministries; the Ministry of finance and NITI Aayog. The final plan is presented to Parliament by the Finance Minister.

Type of Company Budget:

1. Master budget: A comprehensive, high level budget that combines all other departments and functional budgets into a single consolidated plan.
2. Operating Budget: Outlines a company's projected revenue and expenses for a specific period to manage daily business activities.
3. Cash Budget: Track the expected inflow and outflow of cash to ensure a company has enough liquidity to cover obligations.
4. Other: Capital budget, labor budget, production budget, sales budget etc.

Vivek Sharma
B.Com II Year (2399)

World Trade Organisation (WTO)

The World Trade Organisation (WTO) is an international body that regulates Global trade between nations. Established in 1955, the WTO provides a structured framework for countries to negotiate trade agreement, resolve dispute, and ensure smooth and predictable trade flows. Its primary goal is to promote fairness, transparency and stability in the world economy.

Function of WTO

1. Trade Negotiation: The WTO acts as a platform where member nations discuss and negotiate trade rules covering goods and services.
2. Dispute Settlement: The WTO provides a legal mechanism to resolve trade dispute peacefully, preventing economy conflicts from escalating.
3. Monitoring Trade Policies:- The organizational regularly reviews member countries, trade policies to ensure transparency and adherence agreed rules.
4. Technical Assistance and Training:- The WTO supports developing countries by offering training program and capacity building support.

Principles of WTO:

★ Non-Discrimination
★ Transparency
★ Fair Competition

Challenges:

★ Digitalisation and e-commerce
★ Geopolitical tensions
★ Climate related trade policies
★ Slow decision making

Conclusion:

The WTO remains a key pillar of the global trading system, promoting cooperation, resolving dispute, and ensuring fair trade practices.

Tamanna Sharma
B.Com I Year (2580)

Career options after B.Com

Bachelor of commerce (B.Com) is one of the most popular undergraduate courses for students interested in commerce, finance, business and accounting. After completing B.Com, students have multiple career paths to choose from in the both private and govt sectors.

1. Chartered Accountant (CA):

A highly respected profession in India involves auditing, taxation, accounting, and financial management. Requires clearing CA foundation intermediate and final exam.

2. Company Secretory (CS):

Focus on corporate governance compliance, and legal aspects. Helps companies follows laws and regulations. Course offered by ICSI (Institute of Company Secretaries of India.)

3. Cost and Management Accountancy (CMA):

Manages costing, budgeting cost and financial efficiency in companies required certification from ICMA.

4. Banking Sector Jobs:

- Opportunities in public and private bank like SBI RBI, ICICI, HDFC.
- Position include probationary officer PO clerk specialist officer.
- Preparation for IBPS SBI exams is required.

5. Financial analyst investment Banking:

Works in Financial institutions, stock market, Mutual Funds.

Involves analyzing investment, market trends and company figures.

6.Accountant Auditor:

Handless book keeping financial statement, tax figure.

7. MBA, M.Com and Higher Studies:

Pursuing MBA in finance, marketing, HR or international business open doors to management roles in high salary package.

8. Other options:

- Tax Consultation, Entrepreneur, Govt jobs
- LLB, LLM etc, Strategic Planner, Wealth Analyst
- Market Research Specialist, Digital Marketer.

Piyush Sharma
B.Com I Year (2581)

Commerce MCQs

Q.1 Who is father of scientific management?

A. Henry foyal B. Elton Mayo
C. Chester Benard D. F.W. Taylor

Q2 Appointment of a company secretary is made by

A. Promoters B. Border of directors
C. Debenture holder D. Government.

Q.3 Which is the oldest from of organization?

A. Line B. Line and staff
C. Functional D.Matrix

Q.4 The life insurance in India was nationalized in the year ?

A. 1870 B. 1956 C. 1960 D. 1966

Q.5 Which was the first Commerce school in India

A. 1886 Madras (Chennai) B. 1913 Mumbai
C. 1914 Delhi D.1995 Gujarat

Q. 6 Income Tax Act was passed in the years

A. 1934 B. 1956 C. 1961 D. 1972

Q.7 Which of the following country is the first one to implement GST?

A. USA B. France C. China D. Germany

Q.8 Entrepreneurship is the....?

A. Enhancement of a common man and skills
B. Process of starting a business
C. Person who set up the business
D. None of above

Q.9. A Contract with a mirror is

A. Voidable B. Void C. Valid D. Illegal

Q.10 Who is the father of modern marketing?

A. Philip Kotter B. Peter F Drucker.
C. David Aaker D. John Petterson.

Answer:-

Q1. D, Q2. B, Q3. A, Q4. B, Q5. A, Q6. C
Q7. B, Q8.B, Q9. B, Q10. A

Akshay Sharma
B.Com III Year (2394)

Youth, Money & Lifestyle: Redefining the Economics of a New Generation

The 21st-century youth stand at the crossroads of aspiration, innovation and financial transformation. With smartphones in their hands and limitless information at their fingertips, today's generation is shaping a new financial culture one that blends lifestyle dreams with economic realities. Youth, money and lifestyle are no longer separate compartments; they are the three pillars on which modern identity is built.

Digital Money: A Revolution Led by Youth:-

The biggest shift in recent years is the rise of the digital economy. For Gen-Z, money is not something kept in pockets-it lives inside screens. Whether it's paying for chai, booking cabs or purchasing gadgets, UPI and digital wallets have become the default mode.

This shift has removed barriers, increased financial independence and created a culture of instant payments. However, it also demands strong awareness about cyber safety. Online scams, fake apps and phishing attacks are rising, and youth must protect their data as fiercely as their money.

The Era of Early Earnings:-

One of the most empowering trends today is the emergence of the side-hustle generation. Young people are no longer waiting for degrees to begin earning. Social media influencing, content creation, graphic design, digital marketing, online tutoring, and small-scale reselling businesses have opened unlimited avenues.

This shift is not just about money-it's about confidence. It teaches financial responsibility early, helps students understand market demand and builds entrepreneurial thinking even before they enter the workforce.

Lifestyle Choices: Between Trend and Reality

Youth culture today is shaped by social media, fashion influencers and global trends. Branded clothes, smartphones, fitness routines, travel plans and weekend outings are now part of regular life.

But along with this lifestyle comes the challenge of smart spending. The pressure to "look perfect" online can lead to impulse buying and financial stress. The wiser youth are learning to differentiate between 'showing' lifestyle and 'living' lifestyle. Real comfort lies not in expensive possessions but in financial security.

Savings & Investments: A New Mindset

A remarkable change is the early interest in investments. Words like "SIP", "mutual funds", "index funds", and "stocks" are no longer strange to young minds. With financial influencers simplifying money concepts, youth are beginning to understand how wealth grows over time.

This early start can create a financially stable future. Even a small monthly investment builds financial discipline, long-term security and a sense of control over one's future.

Personal Branding and Financial Independence

Another major aspect of youth lifestyle is the importance of personal branding. Whether they are students or professionals, youth understand that in a competitive digital world, your online presence can shape your career. A strong digital identity, combined with financial literacy, creates powerful opportunities.

Conclusion: A Generation That Knows What It Wants

The youth of 2026 is bold, financially aware and ambitious. They love good lifestyles but also value financial stability. They want to enjoy life without compromising their future. The formula is simple yet powerful: Spend wisely, earn creatively, invest early and live confidently.

This balance is not just shaping their personal future-it is shaping the future of India's economy.

Prof. Yash Pal
HOD Commerce

PLANNING FORUM

SESSION 2025-26

Prof Mehar Chand
Teacher Editor

Raksha Devi
Student Editor

GOVT. DEGREE COLLEGE
REWALSAR, DISTT. MANDI (H.P.)

CONTENTS

Sr.No.	Title	Author	Class/ Roll. No
1.	GST: एक देश एक कर	Raksha	BA. 3rd Year (2343)
2.	नवाचार और भारत में इसकी संभावनाएं	Sudhna	BA. 3rd Year (2344)
3.	ई- बैंकिंग: डिजिटल युग की आधुनिक बैंकिंग	Priya	BA. 3rd Year (2341)
4.	हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी वर्तमान स्थिति और समाधान	Priyani Sharma	BA. 3rd Year (2409)
5.	भारत में गरीबी	Diksha	BA. 3rd Year (2321)
6.	वैश्वीकरण और भारत में आर्थिक विकास	Indira Devi	BA. 3rd Year (2310)
7.	भारत में बेरोजगारी की समस्या	Priyansha Sharma	BA.3rd Year (2320)
8.	Inflation: Causes, Effects and Solutions	Shivani	B.com. 2nd Year (2482)
9.	भारत में बैंक	Priya	BA. 3rd Year
10.	भारतीय अर्थव्यवस्था: एक मिश्रित अर्थव्यवस्था	Naman Sharma	BA. 3rd Year (2305)
11.	DBT: प्रत्यक्ष लाभ अंतरण	Raksha	BA. 3rd Year (2343)
12.	Economic Contribution of Aravalli Pravat	Pooja Sharma	BA. 3rd Year (2302)
13.	Globalization	Dimple Sharma	BA. 3rd Year (2340)

GST: एक देश एक कर

GST (Goods and Services Tax) **अर्थात वस्तु एवं सेवा कर**- यह भारत की सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष कर सुधार है । 1 जुलाई 2017 को लागू हुए इस कर ने देश में पहले से चले आ रहे लगभग 17 केंद्रीय और राज्य करों को समाप्त कर एकल कर प्रणाली में समाहित कर दिया। इसका मूल नारा है - **"एक देश, एक बाजार, एक कर ।"**

GST से पहले भारत में उत्पाद शुल्क, सेवा कर, VAT, मनोरंजन कर, चुंगी जैसे अनेक कर अलग - अलग लगते थे, जिससे व्यापार जटिल और महंगा था ।

GST के प्रकार

GST तीन रूपों में लागू होता है । CGST (Central GST) - केंद्र सरकार को जाता है । SGST (State GST) - राज्य सरकार को जाता है । IGST (Integrated GST) एक राज्य से दूसरे राज्य में व्यापार पर लगता है ।

GST की चार दरें हैं - **5%, 12%, 18% और 28% ।** जरूरी वस्तुएँ जैसे अनाज और दूध GST मुक्त हैं, जबकि विलासिता की वस्तुओं पर 28% GST लगता है ।

GST के लाभ

1. **कर पर कर समाप्त:** पहले "Tax on Tax" की समस्या थी- GST ने इसे समाप्त कर Input Tax Credit (ITC) की सुविधा दी, जिससे व्यापारी पहले चुकाए गए कर की वापसी पा सकते हैं।
2. **एकीकृत बाजार:** पूरा भारत अब एक साझा बाजार बन गया है । राज्यों के बीच चेकपोस्ट हटने से माल की आवाजाही तेज और सस्ती हुई।
3. **कर राजस्व में वृद्धि:** GST लागू होने के बाद कर संग्रह में भारी वृद्धि हुई। अप्रैल 2024 में GST संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा ।
4. **पारदर्शिता:** पूरी प्रणाली ऑनलाइन है, जिससे कर चोरी और भ्रष्टाचार में कमी आई है।
5. **छोटे व्यापारियों को राहत:** Composition Scheme के तहत छोटे व्यापारी सरल दर पर कर चुका सकते हैं ।

GST की चुनौतियाँ

GST की जटिल रिटर्न प्रक्रिया छोटे व्यापारियों के लिए कठिन है । बार - बार दरों में बदलाव से व्यापारियों में अनिश्चितता रहती है । पेट्रोल, डीजल और शराब अभी भी GST के दायरे से बाहर हैं, जिससे "एक कर" की अवधारणा अधूरी है ।

निष्कर्ष:

GST भारत की कर प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार है। इसने व्यापार को सरल, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाया है । इसकी जटिलताओं को दूर किया जाए और पेट्रोलियम उत्पादों को भी इसके दायरे में लाया जाए, तो GST भारत की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा ।

Raksha
BA. III Year (2443)

नवाचार और भारत में इसकी संभावनाएँ

नवाचार (Innovation) दो शब्दों से मिलकर बना है - "नव" अर्थात् नया और "आचार" अर्थात् आचरण या तरीका। सरल शब्दों में, नवाचार का अर्थ है - **किसी पुरानी समस्या का नया, रचनात्मक और प्रभावी समाधान खोजना**। यह केवल आविष्कार नहीं है, बल्कि मौजूदा विचारों, उत्पादों, प्रक्रियाओं या सेवाओं को इस प्रकार बदलना है कि समाज, व्यवसाय या व्यक्ति को उससे वास्तविक लाभ मिले।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जोसेफ शुम्पीटर ने नवाचार को "सृजनात्मक विनाश" (Creative Destruction) कहा - यानी पुरानी व्यवस्था को तोड़कर नई और बेहतर व्यवस्था का निर्माण करना।

भारत में नवाचार का महत्व

भारत-1.4 अरब जनसंख्या वाला, विविधताओं से भरा और अनेक चुनौतियों से जूझता यह देश - नवाचार के लिए दुनिया की सबसे उर्वर भूमि है। यहाँ समस्याएँ जितनी बड़ी हैं, अवसर उतने ही विशाल हैं।

1. **आर्थिक विकास में योगदान:** नवाचार आर्थिक विकास का इंजन है। भारत का IT क्षेत्र, जो आज 250 अरब डॉलर से अधिक का है, पूरी तरह नवाचार पर आधारित है। Infosys, TCS और Wipro जैसी कंपनियों ने नवाचार के दम पर भारत को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया। नवाचार नए उद्योग, नए बाज़ार और करोड़ों रोजगार उत्पन्न करता है।
2. **सामाजिक समस्याओं का समाधान:** भारत में गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और पेयजल संकट जैसी अनेक समस्याएँ हैं। नवाचार इन समस्याओं को कम लागत में हल कर सकता है।
3. **राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता:** रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र में नवाचार देश को आत्मनिर्भर बनाता है। ISRO का मंगलयान मिशन मात्र 450 करोड़ रुपये में सफल हुआ - जो हॉलीवुड की फिल्म "Gravity" के बजट से भी कम था। यह भारतीय नवाचार की शक्ति का प्रमाण है।
4. **युवाओं के लिए अवसर:** भारत दुनिया का सबसे युवा देश है - औसत आयु केवल 28 वर्ष। यह "Demographic Dividend" तभी फलदायक होगा जब युवाओं को नवाचार और उद्यमिता की दिशा में प्रेरित किया जाए।
5. **वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्थान:** Global Innovation Index 2023 में भारत 40 वें स्थान पर पहुँच गया है - 2015 में यह 81 वें स्थान पर था। यह छलांग दर्शाती है कि भारत नवाचार की दौड़ में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारत में नवाचार कैसे किया जा सकता है ?

1. शिक्षा प्रणाली में सुधार

भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली रटा-मार (Rote Learning) पर आधारित है, जो नवाचार की सबसे बड़ी बाधा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक सकारात्मक कदम है जो आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। विद्यालयों में Atal Tinkering Labs, STEM शिक्षा और Project-Based Learning को बढ़ावा देना चाहिए।

2. अनुसंधान और विकास (R&D) में निवेश बढ़ाना

भारत अपनी GDP का केवल 0. 65% अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है, जबकि इज़राइल 5%, दक्षिण कोरिया 4.5% और चीन 2.4% खर्च करते हैं। इस आँकड़े को कम से कम 2% तक बढ़ाना अत्यावश्यक है। IIT, IISc और केंद्रीय विश्वविद्यालयों को उद्योगों से जोड़कर अनुसंधान को व्यावहारिक बनाया जाए।

3. स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त करना

Startup India अभियान के तहत भारत में आज 1,20,000 से अधिक DPIIT-पंजीकृत स्टार्टअप हैं और 111 से अधिक यूनिकॉर्न हैं - यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इसे और मजबूत करने के लिए Seed Funding, मेंटरशिप, और नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाना जरूरी है।

4. डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार

UPI आज दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म है - 2024 में इसके माध्यम से 200 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। Aadhaar, CoWIN, Digi Locker जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत के "Digital Public Infrastructure" (DPI) मॉडल के उदाहरण हैं, जिसे विश्व के अनेक देश अपनाना चाहते हैं। ग्रामीण इंटरनेट का विस्तार इस नवाचार को जन-जन तक पहुँचाएगा।

5. कृषि में नवाचार (AgroTech)

भारत की 50% से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है, फिर भी यह क्षेत्र नवाचार में पिछड़ा है। Drone तकनीक से फसल की निगरानी, AI- आधारित मौसम पूर्वानुमान, Precision Farming और FPO (Farmer Producer Organizations) के माध्यम से सामूहिक विपणन - ये सभी कृषि नवाचार के रूप हैं जो किसानों की आय दोगुनी कर सकते हैं।

6. स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्र में नवाचार

ग्रामीण भारत में डॉक्टरों और अस्पतालों की भारी कमी है। Telemedicine, AI - based diagnostic tools और low - cost medical devices -जैसे Jaipur Foot या गाँवों में Mobile Health Vans - इस खाई को पाट सकते हैं।

7. सरकारी नीतियाँ और PPP मॉडल

नवाचार को सफल बनाने के लिए सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मजबूत साझेदारी (Triple Helix Model) जरूरी है। National Innovation Foundation, BIRAC, Atal Innovation Mission जैसी संस्थाएँ इस दिशा में काम कर रही हैं, परंतु इनका दायरा और बजट और बढ़ाया जाना चाहिए।

निष्कर्ष:

नवाचार केवल प्रयोगशाला या बड़े शहरों तक सीमित नहीं होना चाहिए - यह खेत से लेकर कारखाने तक, विद्यालय से लेकर अस्पताल तक हर जगह होना चाहिए। भारत के पास प्रतिभा है, विविधता है, समस्याएँ हैं और समाधान खोजने की परंपरागत जिजीविषा भी है। आवश्यकता है - सही नीति, पर्याप्त निवेश और युवाओं में नवाचार की संस्कृति विकसित करने की। जब भारत का हर युवा **"नौकरी खोजने वाला"** नहीं बल्कि "नौकरी देने वाला" बनेगा, तभी सही अर्थों में **"विकसित भारत 2047"** का सपना साकार होगा।

Sadhna

BA III Year (2344)

ई-बैंकिंग: डिजिटल युग की आधुनिक बैंकिंग

ई-बैंकिंग (Electronic Banking) वह प्रणाली है जिसके माध्यम से ग्राहक इंटरनेट, मोबाइल फोन या कंप्यूटर के द्वारा बैंकिंग सेवाओं का उपयोग घर बैठे कर सकते हैं। इसे इंटरनेट बैंकिंग, ऑनलाइन बैंकिंग या डिजिटल बैंकिंग भी कहा जाता है। सरल शब्दों में बैंक की शाखा में जाए बिना, 24 घंटे, सातों दिन अपने खाते का प्रबंधन करना ही ई-बैंकिंग है।

पहले बैंकिंग के लिए लंबी कतारों में खड़े होना पड़ता था, घंटों इंतजार करना पड़ता था। लेकिन आज एक स्मार्टफोन और इंटरनेट-कनेक्शन से पैसे भेजना, बिल भरना, लोन लेना और निवेश करना - सब कुछ चंद सेकंड में संभव हो गया है।

ई.- बैंकिंग के प्रकार

1. **इंटरनेट बैंकिंग:** कंप्यूटर या लैपटॉप पर बैंक की वेबसाइट के माध्यम से सेवाएँ लेना। SBI Net Banking, HDFC Net-Banking इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
2. **मोबाइल बैंकिंग:** स्मार्टफोन पर बैंक के App के माध्यम से लेनदेन करना। YONO (SBI), iMobile (ICICI), और Kotak Mobile App इसके उदाहरण हैं।
3. **UPI (Unified Payment Interface):** भारत की क्रांतिकारी डिजिटल भुगतान प्रणाली, जिससे तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। PhonePe, Google Pay, Paytm इसी पर आधारित हैं।
4. **ATM (Automated Teller Machine):** नकद निकालने, जमा करने और मिनी स्टेटमेंट प्राप्त करने की स्वचालित मशीन।
5. **NEFT / RTGS / IMPS:** बड़ी राशि के इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रणालियाँ।

6. डेबिट और क्रेडिट कार्ड: ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीदारी के लिए उपयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक भुगतान कार्ड।

भारत में ई-बैंकिंग का विकास

भारत में ई-बैंकिंग की यात्रा 1990 के दशक के अंत में शुरू हुई जब ICICI बैंक ने 1997 में पहली बार इंटरनेट बैंकिंग सेवा प्रारंभ की। इसके बाद 2016 में नोट बंदी एक बड़ा बिंदु साबित हुई - रातों रात करोड़ों भारतीय डिजिटल भुगतान की ओर मुड़ गए। आज के आँकड़े बताते हैं कि भारत डिजिटल भुगतान में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। 2023-24 में UPI के माध्यम से 200 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। प्रतिदिन औसतन 50 करोड़ UPI लेनदेन होते हैं। भारत के पास आज विश्व का सबसे बड़ा और सबसे सफल Real-Time Digital Payment System है, जिसे सिंगापुर, UAE, फ्रांस और भूटान जैसे देशों ने भी अपनाया है।

ई-बैंकिंग के लाभ

1. **समय और धन की बचत:** बैंक जाने की जरूरत नहीं, यातायात खर्च और समय दोनों बचते हैं। एक क्लिक में पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं।
2. **24×7 उपलब्धता:** बैंक की शाखा सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक खुलती है, लेकिन ई-बैंकिंग कभी बंद नहीं होती। रात के 2 बजे भी किसी को पैसे भेजे जा सकते हैं।
3. **वित्तीय समावेशन:** ई-बैंकिंग ने उन करोड़ों लोगों को बैंकिंग से जोड़ा जो दूरदराज के गाँवों में रहते हैं और जिनके लिए बैंक शाखा तक पहुँचना कठिन था। जन धन योजना के 50 करोड़ से अधिक खाताधारक अब मोबाइल बैंकिंग से लाभान्वित हो रहे हैं।
4. **पारदर्शिता और भ्रष्टाचार में कमी:** DBT (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से सरकारी सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुँचती है, बिचौलिये समाप्त हुए और भ्रष्टाचार कम हुआ। अब तक 34 लाख करोड़ रुपयेसे अधिक DBT के माध्यम से हस्तांतरित हो चुके हैं।
5. **कागज रहित लेनदेन:** डिजिटल बैंकिंग से कागज का उपयोग कम हुआ, जो पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है।
6. **बेहतर वित्तीय प्रबंधन:** ऑनलाइन स्टेटमेंट, खर्च विश्लेषण और निवेश ट्रैकिंग जैसी सुविधाएँ उपभोक्ताओं को अपने वित्त को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद करती हैं।

ई-बैंकिंग की चुनौतियाँ

1. **साइबर सुरक्षा का खतरा:** ई-बैंकिंग का सबसे बड़ा खतरा साइबर अपराध है। फिशिंग, हैकिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और OTP फ्रॉड से लाखों लोग हर वर्ष ठगे जाते हैं। RBI के अनुसार 2023-24 में बैंकिंग धोखा धड़ी के 36,000 से अधिक मामले दर्ज हुए।
2. **डिजिटल साक्षरता की कमी:** ग्रामीण भारत में अभी भी बड़ी आबादी स्मार्टफोन और इंटरनेट के उपयोग से अपरिचित है। बुजुर्गों और कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए ई-बैंकिंग का उपयोग कठिन है।
3. **इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या:** भारत के अनेक ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में अभी भी स्थिर इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध नहीं है।
4. **तकनीकी खराबी:** सर्वर डाउन, नेटवर्क समस्या और ऐप में खराबी के कारण कभी-कभी लेनदेन विफल हो जाता है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

भारत सरकार की पहल

भारत सरकार ने ई-बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। Digital India अभियानने इंटरनेट कनेक्टिविटी को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का कार्य किया। BHIM App ने UPI को जनसाधारण तक सुलभ बनाया। PM Jan Dhan Yojana ने 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले। RuPay Card ने देसी डेबिट कार्ड को विदेशी Visa और Master Card का विकल्प दिया।

ई-बैंकिंग भारत की आर्थिक क्रांति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुकी है। इसने बैंकिंग को आम आदमी की जेब में पहुँचा दिया है। जरूरत है कि डिजिटल साक्षरता बढ़ाई जाए, साइबर सुरक्षा को मजबूत किया जाए और इंटरनेट की पहुँच हर गाँव तक सुनिश्चित की जाए। जब भारत का हर नागरिक ई-बैंकिंग का आत्मविश्वास के साथ उपयोग करने लगेगा, तभी सही अर्थों में "डिजिटल भारत" का सपना पूरा होगा।

Priya

BA III Year (2341)

हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी: वर्तमान स्थिति और समाधान

हिमाचल प्रदेश- देवभूमि के नाम से विख्यात यह पर्वतीय राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सेब के बागानों और शांत वादियों के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। लेकिन इस खूबसूरत राज्य के सामने आज एक गंभीर आर्थिक संकट खड़ा है - बेरोजगारी।

वर्तमान स्थिति: आँकड़े जो चिंतित करते हैं

राज्य सरकार की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार, 2023-24 में हिमाचल प्रदेश की बेरोजगारी दर बढ़कर 5.4%हो गई है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि चिंताजनक है क्योंकि 2020-21 में यह दर केवल 3.3% थी, जो क्रमिक रूप से बढ़कर 4% (2021-22) और 4.4% (2022-23) हुई।

वर्ष वार बेरोजगारी दर
हिमाचल प्रदेश:

क्र. सं.	वर्ष	बेरोजगारी दर
01	2020-21	3.3%
02	2021-22	4.0%
03	2022-23	4.4%
04	2023-24	5.4%

इससे भी अधिक चिंताजनक तस्वीर CMIE के आँकड़े प्रस्तुत करते हैं। दिसंबर 2024 में हिमाचल प्रदेश की बेरोजगारी दर 13.7%तक पहुँच गई। केंद्रीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार अप्रैल-जून 2025 में यह दर 6.5% और जुलाई-सितंबर 2025 में 7.9% रही।

लिंग एवं क्षेत्र आधारित असमानता

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर 2022-23 के 3.8% से बढ़कर 2023-24 में 7% हो गई-यह सबसे चिंताजनक वृद्धि है। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों के लिए बेरोजगारी दर में मामूली कमी आई है (3.3% से 3.2%)। PLFS 2025 के आँकड़ों के अनुसार 15 से 29 वर्ष आयु के युवाओं में बेरोजगारी दर 29.6% तक पहुँच गई है -जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है।

बेरोजगारी के प्रमुख कारण

1. **सीमित औद्योगिक विकास:** हिमाचल की भौगोलिक संरचना - ऊँचे पहाड़, खड्ड और दुर्गम रास्ते - बड़े उद्योगों की स्थापना को कठिन बनाती है। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बेहद सीमित हैं।
2. **मौसमी रोजगार की समस्या:** पर्यटन और बागवानी पर निर्भर हिमाचल में मौसमी बेरोजगारी एक सामान्य स्थिति है, जहाँ पर्यटन के मौसम के बाहर रोजगार के अवसर बेहद कम हो जाते हैं।
3. **शिक्षित बेरोजगारी:** राज्य में साक्षरता दर 83% से अधिक होने के बावजूद उद्योगों की कमी के कारण डिग्री धारक युवाओं को उपयुक्त रोजगार नहीं मिलता। वे या तो सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा में रहते है या राज्य छोड़कर चले जाते हैं।
4. **कौशल और बाजार का अंतराल:** युवाओं की शिक्षा प्रायः व्यावहारिक कौशल से रहित होती है। उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं के बीच समन्वय की भारी कमी है।
5. **ब्रेन ड्रेन (पलायन):** कुशल और प्रतिभाशाली युवा बेहतर अवसरों की तलाश में दिल्ली, पुणे और बेंगलुरु जैसे महानगरों की ओर पलायन कर जाते हैं।

समाधान: बेरोजगारी दूर करने के सुझाव

1. **पर्यटन को साल भर का उद्योग बनाना:** शीतकालीन पर्यटन, ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग, योग और आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा देकर मौसमी रोजगार को बारहमासी बनाया जा सकता है।
2. **कृषि में मूल्य संवर्धन:** केवल सेब उगाना पर्याप्त नहीं – फलों की प्रोसेसिंग, जूस, जैम और ड्राई फ्रूट उद्योग स्थापित करने से हजारों स्थानीय रोजगार सृजित हो सकते हैं।
3. **स्टार्टअप और उद्यमिता को प्रोत्साहन:** मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना जैसी योजनाओं का दायरा बढ़ाकर IT, हर्बल उत्पाद और ऑर्गेनिक खेती में युवा उद्यमियों को आसान ऋण और मार्गदर्शन मिले।

4. कौशल विकास कार्यक्रम: ITI और पॉलीटेक्निक संस्थानों का आधुनिकीकरण जरूरी है। उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँ और **"Skill Himachal"** अभियान को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जाए।

5. लघु एवं कुटीर उद्योग: हथकरघा, ऊन उद्योग, काष्ठकला और पारंपरिक हिमाचली उत्पादों को GI टैग और ऑनलाइन मार्केटिंग के माध्यम से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाया जाए।

6. हरित ऊर्जा में रोजगार: सौर ऊर्जा और जल विद्युत परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देकर तकनीकी रोजगार सृजित किए जा सकते हैं।

7. महिला रोजगार पर विशेष ध्यान: स्वयं सहायता समूहों (SHG) को मजबूत करना, महिला उद्यमियों को माइक्रो-फाइनेंस देना और घर से काम करने योग्य रोजगार - जैसे हैंडीक्राफ्ट और डिजिटल सेवाएँ - को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

निष्कर्ष:

हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी की बढ़ती दर केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता के लिए भी गंभीर चुनौती है। यदि युवा बेरोजगारी बनी रही तो पलायन, मानसिक तनाव और सामाजिक असंतोष जैसी समस्याएँ और गहरी होती जाएंगी। समाधान केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए - राज्य को उद्यमिता, कौशल विकास, कृषि प्रसंस्करण और टिकाऊ पर्यटन को मिलाकर एकसमग्र रोजगार नीति बनानी होगी। तभी **"देवभूमि"** के युवाओं का भविष्य उज्जवल होगा और राज्य आत्मनिर्भर हिमाचल के सपने को साकार कर सकेगा।

Priyani Sharma

BA III Year (2409)

भारत में गरीबी

भारत एक ऐसा देश जो एक ओर अंतरिक्ष में चंद्रयान भेजता है, विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अरबपतियों की संख्या में विश्व में तीसरे स्थान पर है - वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह विरोधाभास भारत की सबसे बड़ी त्रासदी है। गरीबी केवल आर्थिक समस्या नहीं है - यह अशिक्षा, कुपोषण, बीमारी और सामाजिक असमानता की जननी है।

गरीबी का अर्थ

गरीबी वह स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी बुनियादी आवश्यकताओं - भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य - को पूरा करने में असमर्थ होता है।

गरीबी दो प्रकार की होती है:

1. **निरपेक्ष गरीबी (Absolute Poverty):** जब व्यक्ति न्यूनतम जीवन स्तर भी प्राप्त नहीं कर पाता। विश्व बैंक के अनुसार $ 2.15 प्रति दिन से कम पर जीवन यापन करना निरपेक्ष गरीबी है।
2. **सापेक्ष गरीबी (Relative Poverty):** जब व्यक्ति समाज के अन्य वर्गों की तुलना में बहुत पीछे हो। भारत में आय असमानता इसका प्रमुख कारण है।

वर्तमान स्थिति: आँकड़े

नीति आयोग की बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) रिपोर्ट 2023के अनुसार भारत में गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है। 2015-16 में 29.17% जनसंख्या गरीब थी जो 2019-21 में घटकर 19.28% हो गई। इस दौरान लगभग 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले - यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है परंतु चुनौती अभी भी विशाल है।

क्र. सं.	सूचक	आँकड़े
01	गरीबी रेखा से नीचे जनसंख्या	लगभग 22-23 करोड़
02	कुपोषित बच्चे (5 वर्ष से कम)	35% से अधिक
03	ग्रामीण गरीबी दर	शहरी से 3 गुना अधिक
04	Global Hunger Index 2023	111वाँ स्थान (125 देशों में)
05	आय असमानता (Gini Index)	0.35 (बढ़ती असमानता)

गरीबी के प्रमुख कारण

1. **असमान भूमि वितरण:** भारत में भूमि का वितरण अत्यंत असमान है। देश की अधिकांश कृषि भूमि पर मुट्ठीभर लोगों का कब्जा है जबकि करोड़ों किसान भूमिहीन हैं।
2. **बेरोजगारी:** रोजगार के अभाव में आय नहीं होती और आय के अभाव में गरीबी का दुष्चक्र बना रहता है। बेरोजगारी और गरीबी एक-दूसरे को जन्म देते हैं।
3. **जनसंख्या विस्फोट:** तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय, संसाधन और सेवाएँ कम होती जाती हैं।
4. **निरक्षरता और अशिक्षा:** शिक्षा के अभाव में व्यक्ति कुशल रोजगार नहीं पा सकता। गरीबी और अशिक्षा का चक्र एक-दूसरे को मजबूत करता है। भारत में आज भी 25 करोड़ से अधिक लोग निरक्षर हैं।
5. **स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव:** बीमारी गरीबी का सबसे बड़ा कारण बनती है। इलाज के खर्च से लाखों परिवार हर वर्ष गरीबी में धकेल दिए जाते हैं। इसे "Catastrophic Health Expenditure" कहा जाता है।
6. **जाति और सामाजिक भेदभाव:** SC, ST और OBC वर्ग परंपरागत रूप से शिक्षा, रोजगार और संसाधनों से वंचित रहे हैं। सामाजिक भेदभाव गरीबी को और गहरा करता है।
7. **भ्रष्टाचार:** सरकारी योजनाओं का लाभ बिचौलियों के कारण गरीबों तक पूरी तरह नहीं पहुँच पाता। भ्रष्टाचार गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों को खोखला कर देता है।
8. **कृषि संकट:** किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलता। कर्ज, सूखा और प्राकृतिक आपदाएँ किसानों को गरीबी में धकेलती हैं।

गरीबी के दुष्प्रभाव

गरीबी केवल आर्थिक कमजोरी नहीं है - इसके समाज पर विनाशकारी प्रभाव पड़ते हैं। कुपोषण के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास अवरुद्ध होता है - भारत में 5 वर्ष से कम आयु के 35% बच्चे कुपोषित हैं। गरीबी बाल मजदूरी को जन्म देती है - आज भी भारत में 1 करोड़ से अधिक बच्चे मजदूरी करते हैं। महिलाओं की स्थिति सबसे खराब होती है। गरीब परिवारों में बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर सबसे पहले कटौती होती है। इसके अलावा गरीबीअपराध, नक्सलवाद और सामाजिक अशांतिको बढ़ावा देती है।

सरकारी प्रयास और योजनाएँ

भारत सरकार ने गरीबी उन्मूलन के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएँ चलाई हैं जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY): 80 करोड़ से अधिक गरीबों को मुफ्त राशन प्रदान किया जा रहा है। यह का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम है।

प्रधानमंत्री आवास योजना: अब तक 3 करोड़ से अधिक पक्के मकान गरीबों को दिए जा चुके हैं।

आयुष्मान भारत: 50 करोड़ गरीब नागरिकों को ₹ 5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जा रहा है। यह विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

मनरेगा: ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 100 दिन रोजगार की गारंटी देकर न्यूनतम आय सुनिश्चित करना।

जन धन योजना: 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोलकर गरीबों को वित्तीय समावेशन से जोड़ा गया।

DBT (Direct Benefit Transfer): सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजकर बिचौलियों को समाप्त किया गया। अब तक ₹ 34 लाख करोड़ DBT के माध्यम से हस्तांतरित हो चुके हैं।

गरीबी उन्मूलन के सुझाव

1. **समावेशी विकास:** आर्थिक विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचना चाहिए। केवल GDP वृद्धि नहीं, बल्कि "Inclusive Growth" पर ध्यान देना होगा।
2. **शिक्षा में निवेश:** गरीबी से स्थायी मुक्ति का सबसे सशक्त हथियार शिक्षा है। प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना और ड्रॉपआउट दर कम करना अत्यावश्यक है।
3. **स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार:** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत किया जाए ताकि गरीब परिवार इलाज के खर्च से बर्बाद न हों।

4. **महिला सशक्तिकरण:** महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना गरीबी उन्मूलन का सबसे प्रभावी तरीका है। शोध बताते हैं कि एक शिक्षित माँ पूरे परिवार को गरीबी से निकाल सकती है।

5. **भूमि सुधार:** भूमिहीन किसानों को भूमि का अधिकार और बटाईदारों को कानूनी सुरक्षा देना जरूरी है।

6. **ग्रामीण उद्योग:** गाँवों में लघु उद्योग, हस्तशिल्प और कृषि आधारित उद्योग स्थापित कर ग्रामीण आय बढ़ाई जाए।

7. **भ्रष्टाचार पर नियंत्रण:** DBT और डिजिटल प्रणाली के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे गरीबों तक पहुँचाया जाए।

निष्कर्ष:

भारत ने गरीबी उन्मूलन में उल्लेखनीय प्रगति की है - 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। लेकिन अभी भी 22-23 करोड़ लोग गरीबी की बेड़ियों में जकड़े हैं। गरीबी एक बहु आयामी समस्या है - इसका समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सुशासन - इन पाँच स्तंभों को मजबूत करके ही भारत गरीबी के इस अभिशाप से मुक्त हो सकता है। जिस दिन भारत का "अंतिम व्यक्ति" - जिसकी कल्पना महात्मा गांधी ने की थी - सुखी और समृद्ध हो जाएगा, उस दिन सही अर्थों में "विकसित भारत" का सपना पूरा होगा।

Diksha
BA III Year (2321)

वैश्वीकरण और भारत में आर्थिक विकास

वैश्वीकरण (Globalization) वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत विश्व के विभिन्न देश व्यापार, तकनीक, पूंजी, सेवाओं और विचारों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इसे सरल शब्दों में कहें तो - "पूरी दुनिया को एक बाजार में बदलने की प्रक्रिया।" वैश्वीकरण के कारण देशों की सीमाएँ आर्थिक दृष्टि से कमजोर पड़ती हैं और वस्तुएँ, सेवाएँ, पूंजी तथा श्रम का स्वतंत्र प्रवाह होता है।

भारत और वैश्वीकरण: एक ऐतिहासिक मोड़

भारत ने 1991 में आर्थिक उदारीकरण के साथ वैश्वीकरण की दिशा में निर्णायक कदम उठाया। तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के नेतृत्व में LPG नीति (Liberalisation, Privatisation, Globalisation) अपनाई गई। इससे पहले भारत "लाइसेंस राज" की बेड़ियों में जकड़ा था। 1991 के बाद आयात-निर्यात नीतियाँ उदार हुईं, विदेशी निवेश के द्वार खुले और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व से जुड़ने लगी।

वैश्वीकरण के भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव

1. **GDP में तीव्र वृद्धि:** 1991 से पहले भारत की GDP वृद्धि दर 3-4% थी, जिसे विकास दर कहा जाता था। वैश्वीकरण के बाद यह 7-8% तक पहुँची। आज भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी बनने की राह पर है।

2. **विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI):** वैश्वीकरण के कारण विदेशी कंपनियाँ भारत में निवेश करने लगीं। 2023-24 में भारत में 70 अरब डॉलर से अधिक का FDI आया। Samsung, Apple, Amazon, Google जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की उपस्थिति लाखों रोजगार उत्पन्न कर रही है।

3. **IT और सेवा क्षेत्र का उदय:** वैश्वीकरण ने भारत के IT क्षेत्र को वैश्विक पहचान दी। आज भारत का IT निर्यात 250 अरब डॉलर से अधिक है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे विश्व के प्रमुख टेक हब बन चुके हैं। TCS, Infosys और Wipro विश्व की शीर्ष IT कंपनियों में शामिल हैं।

4. **निर्यात में वृद्धि:** 1991 में भारत का कुल निर्यात मात्र 18 अरब डॉलर था, जो 2023-24 में बढ़कर 776 अरब डॉलर (वस्तु + सेवा) तक पहुँच गया। फार्मा, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग और रत्न-आभूषण प्रमुख निर्यात क्षेत्र बने।

5. **उपभोक्ताओं को लाभ:** वैश्वीकरण ने भारतीय उपभोक्ता को सस्ती और बेहतर गुणवत्ता की वस्तुएँ उपलब्ध कराईं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और FMCG क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से कीमतें घटीं और गुणवत्ता बढ़ी।

वैश्वीकरण के नकारात्मक प्रभाव

वैश्वीकरण के लाभों के साथ - साथ इसके कुछ दुष्प्रभाव भी सामने आए है। आय असमानता बढ़ी है - अमीर और अमीर हुए, गरीब अपेक्षाकृत पिछड़े रहे। लघु और कुटीर उद्योगबहुराष्ट्रीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाए। कृषि क्षेत्र को वैश्वीकरण का अपेक्षित लाभ नहीं मिला और किसानों की स्थिति चिंताजनक बनी रही। इसके अलावा सांस्कृतिक पहचान पर भी खतरा मँडराने लगा-पश्चिमी जीवनशैली और उपभोक्तावाद ने भारतीय परंपराओं को प्रभावित किया।

आगे की राह

भारत को वैश्वीकरण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए"समावेशी वैश्वीकरण की नीति अपनानी होगी - जिसमें लाभ केवल कुछ वर्गों तक सीमित न रहकर किसान, श्रमिक और छोटे उद्यमी तक भी पहुँचे। Make in India, PLI Scheme और Digital India जैसे अभियान इसी दिशा में सकारात्मक प्रयास है।

वैश्वीकरण ने भारत को एक बंद, धीमी अर्थव्यवस्था से निकालकर विश्व की उभरती महाशक्ति बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यह एक अपरिहार्य प्रक्रिया है - इससे भागना संभव नहीं, बल्कि इसकी चुनौतियों को समझकर अपनी शर्तों पर इसे अपनाना ही समझदारी है। यदि भारत नवाचार, कौशल विकास और सामाजिक न्याय के साथ वैश्वीकरण की राह पर चलता रहा, तो 2047 तक विकसित भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा।

Indira Devi

BA III Year (2310)

भारत में बेरोजगारी की समस्या

भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, फिर भी बेरोजगारी यहाँ की सबसे गंभीर और जटिल समस्याओं में से एक बनी हुई है। एक ओर जहाँ देश 7-8% की GDP वृद्धि दर का दावा करता है, वहीं दूसरी ओर लाखों युवा हाथ में डिग्री लेकर रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। यह विरोधाभास भारत की सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती है।

बेरोजगारी का अर्थ : बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें कोई व्यक्ति काम करने योग्य और इच्छुक होने के बावजूद उसे उचित रोजगार नहीं मिलता। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है - यह सामाजिक असंतोष, मानसिक तनाव और अपराध जैसी अनेक समस्याओं की जड़ भी है।

वर्तमान स्थिति: CMIE (Centre for Monitoring Indian Economy) के अनुसार 2024 में भारत की बेरोजगारी दर 7.8% रही। युवाओं (15-29 वर्ष) में यह दर 23% से अधिक है। ILO (International Labour Organization) 2024 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी दर 65%तक है - अर्थात् देश के बेरोजगार युवाओं में 65% पढ़े-लिखे हैं। हर वर्ष लगभग 1.5 करोड़ नए युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, जबकि उतने रोजगार सृजित नहीं हो पाते।

बेरोजगारी के प्रकार

1. **संरचनात्मक बेरोजगारी (Structural Unemployment):** जब श्रमिकों के कौशल और बाजार की माँग में अंतर हो। भारत में अधिकांश बेरोजगारी इसी श्रेणी में आती है।
2. **मौसमी बेरोजगारी (Seasonal Unemployment):** कृषि प्रधान देश होने के कारण किसान और मजदूर फसल कटाई के बाद बेरोजगार हो जाते हैं। यह भारत की सबसे व्यापक बेरोजगारी है।
3. **प्रच्छन्न बेरोजगारी (Disguised Unemployment):** खेत पर जरूरत से अधिक लोग काम करते हैं - यदि कुछ हट जाएँ तो उत्पादन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत में कृषि क्षेत्र में यह बड़े पैमाने पर मौजूद है।
4. **शिक्षित बेरोजगारी (Educated Unemployment):** डिग्री होने के बावजूद नौकरी न मिलना। ILO की रिपोर्ट इसकी भयावहता बताती है।
5. **चक्रीय बेरोजगारी (Cyclical Unemployment):** आर्थिक मंदी के दौरान उत्पन्न बेरोजगारी। COVID-19 के समय यह स्पष्ट रूप से देखी गई।
6. **तकनीकी बेरोजगारी (Technological Unemployment):** मशीनों और AI के बढ़ते उपयोग से मानव श्रम की माँग घटना। यह भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है।

बेरोजगारी के प्रमुख कारण

1. **जनसंख्या विस्फोट:** भारत की 1.4 अरब जनसंख्या हर वर्ष 1.5 करोड़ नए रोजगार चाहने वाले युवा पैदा करती है। अर्थव्यवस्था इतनी तेजी से रोजगार सृजित नहीं कर पाती।
2. **दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली:** भारत की शिक्षा प्रणाली डिग्री देती है, कौशल नहीं। इंजीनियरिंग करने वाले लाखों छात्र ऐसे क्षेत्रों में पढ़ते हैं जहाँ रोजगार नहीं है। उद्योग और विश्वविद्यालयों के बीच समन्वय का घोर अभाव है।
3. **कृषि पर अत्यधिक निर्भरता:** भारत की लगभग 45% आबादी कृषि पर निर्भर है, जो GDP में केवल 18% योगदान देती है। इस क्षेत्र में प्रच्छन्न और मौसमी बेरोजगारी भारी मात्रा में है।
4. **औद्योगिक विकास की धीमी गति:** भारत में विनिर्माण क्षेत्र (Manufacturing) का GDP में योगदान केवल 16% है, जबकि चीन में यह 27% है। उद्योगों की कमी के कारण करोड़ों लोगों को रोजगार नहीं मिल पाता।
5. **पूंजी प्रधान तकनीक का उपयोग:** आधुनिक उद्योग श्रम की बजाय मशीनों पर अधिक निर्भर है। इससे उत्पादन तो बढ़ता है, लेकिन रोजगार नहीं बढ़ता।
6. **ग्रामीण से शहरी पलायन:** गाँवों में रोजगार न होने से युवा शहरों की ओर भागते हैं, जहाँ पहले से ही रोजगार की कमी है। इससे शहरी बेरोजगारी और बढ़ती है।
7. **कौशल की कमी:** NSSO के अनुसार भारत में केवल 5% कार्यबल के पास औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है, जबकि जर्मनी में 75% और जापान में 80% कार्यबल प्रशिक्षित है।
8. **आर्थिक असमानता:** देश की आर्थिक वृद्धि का लाभ समान रूप से नहीं बँटा। अमीर और अमीर हुए, गरीब अपेक्षाकृत पिछड़े रहे।

बेरोजगारी के दुष्प्रभाव

बेरोजगारी केवल व्यक्ति की आर्थिक समस्या नहीं है - इसके दूरगामी सामाजिक परिणाम होते हैं। बेरोजगार युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है। बेरोजगारी अपराध और नक्सलवाद को बढ़ावा देती है। परिवारों में गरीबी का दुष्चक्र बना रहता है। सरकार पर सामाजिक सुरक्षा का बोझ बढ़ता है और देश की मानव पूंजी बर्बाद होती है।

समाधान के सुझाव

1. **कौशल विकास:** Skill India Mission को और व्यापक बनाया जाए। ITI, पॉलिटेक्निक और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों को उद्योगों की माँग के अनुरूप अद्यतन किया जाए।
2. **विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा:** Make in India और PLI (Production Linked Incentive) योजना के माध्यम से भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाया जाए, जिससे करोड़ों रोजगार सृजित हों।
3. **कृषि का आधुनिकीकरण:** कृषि प्रसंस्करण उद्योग, कोल्ड चेन और FPO को बढ़ावा देकर कृषि में वर्षभर रोजगार सुनिश्चित किया जाए।
4. **उद्यमिता को प्रोत्साहन:** Startup India, Mudra Yojana और Stand-Up India जैसी योजनाओं का विस्तार कर युवाओं को नौकरी माँगने वाले से नौकरी देने वाला बनाया जाए।
5. **शिक्षा प्रणाली में सुधार:** NEP 2020 को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। शिक्षा में रोजगारपरक पाठ्यक्रम, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग-शिक्षा सहयोग बढ़ाया जाए।
6. **लघु और मध्यम उद्योग (MSME):** MSME क्षेत्र देश का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है। इसे आसान ऋण, तकनीकी सहायता और बाजार तक पहुँच प्रदान की जाए।
7. **ग्रामीण रोजगार:** मनरेगा को और प्रभावी बनाया जाए और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देकर पलायन रोका जाए। बेरोजगारी भारत के विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है। "जनसंख्या बोझ" को "जनसांख्यिकीय लाभांश" में बदलने का सुनहरा अवसर अगले 10-15 वर्षों में ही है। यदि भारत ने इस अवसर को गँवाया तो यह युवा शक्ति देश की ताकत बनने की बजाय अस्थिरता का कारण बन सकती है। शिक्षा + कौशल + उद्यमिता + नीतिगत सुधार - इन चार स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करके ही भारत बेरोजगारी की इस विकराल समस्या से मुक्ति पा सकता है और सही अर्थों में "विकसित भारत 2047" का सपना साकार हो सकता है।

Indira Devi

BA III Year (2310)

Inflation: Causes, Effects and Solutions

Inflation is one of the most significant economic challenges faced by nations across the world. In simple terms, inflation means a sustained rise in the general price level of goods and services over a period of time, which results in a fall in the purchasing power of money. When inflation rises, the same amount of money buys fewer goods and services than before. It is often described as **"too much money chasing too few goods."**

Types of Inflation

1. **Demand-Pull Inflation:** When demand for goods and services exceeds their supply, prices rise. This is called demand-pull inflation - "too much money chasing too few goods."
2. **Cost-Push Inflation:** When the cost of production increases - such as rise in raw material prices, fuel costs or wages - producers pass on the extra cost to consumers through higher prices.
3. **Structural Inflation:** Common in developing countries like India, this occurs due to supply - side bottlenecks, poor infrastructure and inefficient distribution systems.
4. **Hyperinflation:** An extreme and rapid form of inflation where prices rise uncontrollably. Zimbabwe in 2008 and Germany in 1923 are historical examples.

Causes of Inflation in India

The primary causes of inflation in India include excessive money supply in the economy, rising fuel and energy prices, supply chain disruptions, food price volatility due to monsoon failures and hoarding, global commodity price shocks and fiscal deficits which force governments to print more money. India's inflation is heavily influenced by food prices since food constitutes nearly 46% of the Consumer Price Index (CPI) basket.

Current Situation

According to the Reserve Bank of India (RBI), India's retail inflation (CPI) stood at around 5.1% in 2024. The RBI has set an inflation target of 4% with a tolerance band of 2-6%. Food inflation remains persistently high, particularly for vegetables, pulses and edible oils, which directly impacts the common man's house hold budget.

Effects of Inflation

Inflation affects every section of society. Fixed income earners-like government employees and pensioners -suffer the most as their real income falls. Savings lose value over time as the purchasing power of money erodes. Investment uncertainty increases as businesses find it difficult to plan for the future. However, borrowers benefit from inflation as they repay loans in money that is worth less than when they borrowed it. Rising inflation also widens income inequality - the rich can hedge against inflation through assets like gold and real estate, while the poor have no such protection.

Measures to Control Inflation

Monetary Policy: The RBI controls inflation primarily through interest rate hikes. By raising the repo rate, borrowing becomes expensive, money supply contracts and demand falls — thereby reducing inflationary pressure. In 2022-23, the RBI raised the repo rate from 4% to 6.5% to combat rising inflation.

Fiscal Policy: The government can reduce its expenditure and increase taxes to withdraw excess money from the economy. Reducing fiscal deficit is essential to control inflation.

Supply-Side Measures: Improving agricultural infrastructure, reducing supply chain inefficiencies, building better storage facilities to prevent food wastage and controlling hoarding and black marketing are crucial supply-side interventions.

International Trade: Increasing imports of essential commodities during shortage periods and reducing import duties can help stabilize domestic prices.

Inflation is like a silent tax on the poor - it erodes purchasing power, widens inequality and destabilizes economic growth. While moderate inflation of 2-4% is considered healthy for economic growth as it encourages investment and spending, uncontrolled inflation can be devastating. India needs a balanced approach - combining sound monetary policy, efficient supply chain management, agricultural modernization and prudent fiscal management - to keep inflation within acceptable limits and ensure that economic growth truly benefits every citizen. Only then can the vision of a prosperous and equitable India be truly realized.

Shivani
B.Com II Year (2482)

भारत में बैंक

बैंक किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं। वे जनता की बचत को एकत्र करके उसे उत्पादक कार्यों में लगाते हैं। भारत में बैंकिंग प्रणाली ने देश के आर्थिक विकास, वित्तीय समावेशन और गरीबी उन्मूलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गाँव के सहकारी बैंक से लेकर भारतीय स्टेट बैंक जैसी विशाल संस्था तक - भारत की बैंकिंग प्रणाली विश्व की सबसे विविध और बड़ी प्रणालियों में से एक है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत में बैंकिंग का इतिहास 1770 से प्रारंभ होता है जब कलकत्ता में "बैंक ऑफ हिंदुस्तान" की स्थापना हुई। 1921 में इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया बना और 1955 में इसका राष्ट्रीयकरण होकर यह भारतीय स्टेट बैंक (SBI) बन गया। 1969 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 14 प्रमुख निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया - यह भारतीय बैंकिंग इतिहास का सबसे बड़ा मोड़ था।

भारत में बैंकों के प्रकार

1. **केंद्रीय बैंक:** भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)-1935 में स्थापित - भारत का सर्वोच्च बैंक है। यह मुद्रा जारी करता है, ब्याज दर निर्धारित करता है और सभी बैंकों का नियमन करता है।
2. **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक:** SBI, PNB, Bank of Baroda जैसे बैंक जिनमें सरकार की बहुमत हिस्सेदारी है। देश में 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं।
3. **निजी क्षेत्र के बैंक:** HDFC, ICICI, Axis, Kotak Mahindra जैसे बैंक जो निजी स्वामित्व में हैं और अपनी कुशल सेवाओं के लिए जाने जाते हैं।
4. **विदेशी बैंक:** Citibank, HSBC और Standard Chartered जैसे बैंक जो भारत में शाखाएँ संचालित करते हैं।
5. **सहकारी बैंक:** ग्रामीण और कृषि क्षेत्र की सेवा करने वाले बैंक।
6. **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB):** ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने के लिए विशेष रूप से स्थापित बैंक।

वर्तमान स्थिति:

आज भारत में SBI देश का सबसे बड़ा बैंक है जिसकी 22,000 से अधिक शाखाएँ और 50 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। Jan Dhan Yojana के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक नए बैंक खाते खोले गए। UPI के जरिए 2023-24 में 200 लाख करोड़ रुपये का डिजिटल लेनदेन हुआ - जो भारतीय बैंकिंग की डिजिटल क्रांति का प्रमाण है।

बैंकों का महत्व:

बैंक बचत को प्रोत्साहित करते हैं और उद्योगों को ऋण देकर आर्थिक विकास को गति देते हैं। किसानों को कृषि ऋण, युवाओं को शिक्षा ऋण और उद्यमियों को व्यापार ऋण देकर बैंक समाज के हर वर्ग की मदद करते हैं। वित्तीय समावेशन के माध्यम से बैंकों ने करोड़ों गरीबों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ा है।

निष्कर्ष:

भारतीय बैंकिंग प्रणाली ने पिछले दशकों में अभूतपूर्व प्रगति की है। डिजिटल बैंकिंग, UPI और Jan Dhan जैसी पहलों ने बैंकिंग को आम आदमी की पहुँच में ला दिया है। यदि NPA (Non-Performing Assets) की समस्या पर नियंत्रण और साइबर सुरक्षा को मजबूत किया जाए, तो भारतीय बैंकिंग प्रणाली देश को "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

Priya
B.com III Year (2341)

भारतीय अर्थव्यवस्था: एक मिश्रित अर्थव्यवस्था

विश्व में मुख्यतः तीन प्रकार की अर्थव्यवस्थाएँ पाई जाती हैं - पूँजीवादी, समाजवादी और मिश्रित। भारत ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद न तो पूर्ण पूँजीवाद अपनाया और न ही पूर्ण समाजवाद - बल्कि दोनों के गुणों को मिलाकर मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy) का मार्ग चुना। यह भारत के संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता का प्रमाण है।

मिश्रित अर्थव्यवस्था का अर्थ:

मिश्रित अर्थव्यवस्था वह प्रणाली है जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र (सरकार) और निजी क्षेत्र (व्यक्ति/कंपनियाँ) दोनों मिलकर आर्थिक गतिविधियाँ संचालित करते हैं। इसमें सरकार महत्वपूर्ण और रणनीतिक उद्योगों का संचालन करती है जबकि निजी क्षेत्र को भी व्यापार और उद्योग की स्वतंत्रता होती है।

भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ:

1. **सार्वजनिक और निजी क्षेत्र का सह-अस्तित्व:** भारत में रेलवे, रक्षा, बिजली और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्र सरकार के नियंत्रण में हैं जहाँ कृषि, व्यापार, उद्योग और सेवा क्षेत्र में निजी कंपनियाँ स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं। ISRO और DRDO सार्वजनिक क्षेत्र के गौरव हैं, तो Tata, Reliance और Infosys निजी क्षेत्र की शान हैं।
2. **नियोजित विकास:** भारत ने 1951 से 2017 तक पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से नियोजित विकास किया। सरकार ने संसाधनों का आवंटन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार किया। अबनीति आयोग इस भूमिका को निभा रहा है।
3. **मूल्य तंत्र और सरकारी नियंत्रण दोनों:** बाज़ार में माँग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें तय होती हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं -जैसे पेट्रोल, गैस, दवाइयाँ - की कीमतों पर सरकार का नियंत्रण भी रहता है।
4. **सामाजिक कल्याण पर जोर:** मिश्रित अर्थव्यवस्था में केवल मुनाफा नहीं, बल्कि समाज का कल्याण भी प्राथमिकता है। MGNREGA, आयुष्मान भारत, Jan Dhan और मुफ्त राशन योजना इसके प्रमाण हैं।
5. **1991 के बाद उदारीकरण:** 1991 में LPG नीति (Liberalisation, Privatisation, Globalisation) अपनाने के बाद भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की भूमिका और बढ़ गई। विदेशी निवेश के द्वार खुले और बाज़ार आधारित सुधार तेज हुए।

मिश्रित अर्थव्यवस्था के लाभ:

मिश्रित अर्थव्यवस्था के कारण भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। निजी क्षेत्र ने नवाचार, रोजगार और उत्पादकता बढ़ाई, जबकि सरकारी क्षेत्र ने बुनियादी ढाँचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया। आज भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है - यह मिश्रित अर्थव्यवस्था की सफलता का प्रमाण है।

चुनौतियाँ:

मिश्रित अर्थव्यवस्था में सरकारी उपक्रमों की अकुशलता, भ्रष्टाचार, नौकरशाही की बाधाएँ और निजी क्षेत्र में एकाधिकार की प्रवृत्ति जैसी समस्याएँ भी रहती हैं जिन्हें दूर करना आवश्यक है।

निष्कर्ष:

भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था एक संतुलित और व्यावहारिक मॉडल है जो न केवल आर्थिक विकास सुनिश्चित करती है बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा भी करती है। यदि सरकारी क्षेत्र की कुशलता बढ़े और निजी क्षेत्र सामाजिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करे, तो भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था देश को "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य तक अवश्य पहुँचाएगी।

Naman Sharma

B.A. III Year (2305)

DBT: प्रत्यक्ष लाभ अंतरण

भारत में दशकों से सरकारी योजनाओं का लाभ गरीबों तक पहुँचने से पहले ही बिचौलिये, भ्रष्ट अधिकारी और दलाल उसे हड़प लेते थे। इस भ्रष्टाचार और लीकेज को रोकने के लिए भारत सरकार ने 1 जनवरी 2013 को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना प्रारंभ की - जो भारत के सामाजिक कल्याण इतिहास में एक क्रांतिकारी कदम साबित हुई।

DBT (Direct Benefit Transfer) वह प्रणाली है जिसके अंतर्गत सरकारी सब्सिडी, छात्रवृत्ति, पेंशन और अन्य लाभ बिचौलियों को हटाकर सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजे जाते हैं। इस प्रणाली की तीन मुख्य नींव हैं -आधार कार्ड + बैंक खाता + मोबाइल नंबर - जिसे JAM Trinity (Jan Dhan - Aadhaar - Mobile) कहा जाता है।

DBT की कार्यप्रणाली

DBT की प्रक्रिया अत्यंत सरल और पारदर्शी है। सबसे पहले लाभार्थी का आधार कार्ड उसके बैंक खाते से लिंक किया जाता है। इसके बाद सरकार सब्सिडी या लाभ की राशि सीधे उस बैंक खाते में PFMS (Public Financial Management System)के माध्यम से हस्तांतरित करती है। लाभार्थी को SMS के माध्यम से तुरंत सूचना मिलती है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल, पारदर्शी और ट्रैक करने योग्य है।

DBT के अंतर्गत प्रमुख योजनाएँ

भारत सरकार की 300 से अधिक केंद्रीय योजनाएँ DBT के माध्यम से संचालित हो रही हैं।

1. **PM Kisan Samman Nidhi**:किसानों को प्रति वर्ष ₹ 6,000 तीन किस्तों में सीधे बैंक खाते में। अब तक 11 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित।
2. **LPG सब्सिडी (PAHAL)**: रसोई गैस की सब्सिडी सीधे उपभोक्ता के खाते में। इससे 3.5 करोड़ फर्जी कनेक्शन समाप्त हुए।
3. **छात्रवृत्ति योजनाएँ**: SC, ST, OBC और अल्पसंख्यक छात्रों को छात्रवृत्ति सीधे खाते में।
4. **मनरेगा मजदूरी**: श्रमिकों की मजदूरी बिना किसी बिचौलिये के सीधे बैंक/पोस्ट ऑफिस खाते में।
5. **PM Matri Vandana Yojana**: गर्भवती महिलाओं को ₹5,000 की आर्थिक सहायता।
6. **वृद्धावस्था/विधवा/विकलांग पेंशन**: सामाजिक सुरक्षा पेंशन सीधे लाभार्थियों के खाते में।
7. **PM Awas Yojana**: आवास निर्माण की किस्तें सीधे लाभार्थी के खाते में।

DBT की उपलब्धियाँ: प्रभावशाली आँकड़े

क्र. सं.	सूचक	आँकड़े
01	कुल DBT हस्तांतरण (2013 से अब तक)	₹34 लाख करोड़ से अधिक
02	लाभान्वित लाभार्थी	100 करोड़ से अधिक
03	DBT से बचत (सरकारी अनुमान)	₹2.73 लाख करोड़
04	समाप्त फर्जी लाभार्थी	9 करोड़ से अधिक
05	DBTमें शामिल योजनाएँ	300 से अधिक

DBT के लाभ

1. **भ्रष्टाचार और लीकेज पर रोक**: बिचौलियों और दलालों की भूमिका समाप्त होने से सब्सिडी का पूरा पैसा सीधे गरीबों तक पहुँचने लगा। फर्जी और डुप्लीकेट लाभार्थियों की पहचान होकर उन्हें सूची से हटाया गया।
2. **पारदर्शिता और जवाबदेही**: पूरी प्रणाली डिजिटल होने से हर लेनदेन का रिकॉर्ड रहता है। सरकार, लाभार्थी और ऑडिटर - सभी इसे ट्रैक कर सकते हैं।
3. **महिला सशक्तिकरण**: LPG सब्सिडी और अन्य लाभ अब महिलाओं के नाम पर खाते में आते हैं, जिससे परिवार में उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।
4. **वित्तीय समावेशन**: DBT ने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। Jan Dhan Yojana के 50 करोड़ खाते मुख्यतः DBT के कारण ही सक्रिय और उपयोगी बने।

5. **सरकारी खर्च में बचत:** फर्जी लाभार्थियों को हटाने और बिचौलियों को समाप्त करने से सरकार के ₹ 2.73 लाख करोड़ की बचत हुई।

6. **COVID-19 में संजीवनी:** महामारी के दौरान जब लाखों लोग घरों में बंद थे, DBT ने PM Garib Kalyan के तहत करोड़ों परिवारों के खातों में सीधे राशि पहुँचाई-यह DBT की सबसे बड़ी परीक्षा थी जिसमें वह सफल रहा।

DBT की चुनौतियाँ

DBT एक क्रांतिकारी प्रणाली होने के बावजूद कुछ चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण ग्रामीण और बुजुर्ग लाभार्थी अपने खाते तक पहुँचने में असमर्थ रहते हैं। बैंकिंग सुविधाओं का अभाव - विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में- एक बड़ी बाधा है। आधार-बैंक लिंकिंग में तकनीकी त्रुटियों के कारण कभी-कभी असली लाभार्थी भी भुगतान से वंचित रह जाते हैं। इसके अलावा साइबर धोखा धड़ी का खतरा भी बढ़ा है। विश्व बैंक और IMF जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी भारत के DBT मॉडल की प्रशंसा की है और कई देश इसे अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। यदि डिजिटल साक्षरता बढ़ाई जाए, इंटरनेट कनेक्टिविटी मजबूत की जाए और तकनीकी खामियाँ दूर की जाएँ, तो DBT "अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने" का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन सकता है - और यही "विकसित भारत 2047" की असली नींव होगी।

Raksha
BA III (2343)

Economic Contribute of The Aravali Parvat

Direct Economic Contribution:

★**Mineral Resources:-** The Aravallis are rich in valuable minerals, which have driven Industrial and economic activity for centuries.

★**Major Minerals:-** The range is a leading source of zinc lead (at zawar mines copper (at Khetri mines), marble (at Makrana and Abu) granite, asbestos, and feldspar.

★**Strategic Minerals:-** Recent reports indicate potential reserves of critical minerals like lithium, tungsten gold, graphite, and rare earths, which are vital for modern technology, energy transition, and national security.

★**Historical Significance:-** Copper smelting has belt since at least the 5th century BCE Rightlighting the long standing economic importance of these resources.

★**Tourism:-** The range attracts millions of tourist annually due to his natural beauty, historical forest wildlife sanctuaries and spiritual sites providing significant economic benefits to local communities and states like Rajasthan.

Indirect Economic Contributions: Ecological Services

★**Water Regulation:-** The Aravallis are the source of major rivers and their tributaries such as a Banas, Sahibi and Luni, which are essential for agriculture and water supply in the region.

★**Climate and Desertification Control:-** Acting as a natural barrier the Aravallis Prevent the eastward expansion of the Thar Desert protecting fertile agricultures plains and regulating regional climate patterns.

★**Pollution Control:-** Near the National Capital Region (NCE), the hills serve as "green lungs" helping mitigate pollution and providing vital environmental services to a large urban population.

Pooja Sharma
BA III (2302)

Effects of Globalisation on Indian Economy

Globalisation refers to the integration of the Indian economy with the world economy through trade, investment, technology and movement of capital. After the 1991 economic reforms, its impact became clearly visible.

- ★ **Economic Growth:** Globalisation increased India's growth rate from about 3.5% before 1991 to 6–8% after reforms and GDP rose from $270 billion to about $3.7 trillion. This happened due to foreign investment, industrial expansion, and access to global markets.
- ★ **Growth in Foreign Trade:** Trade expanded significantly with its share in GDP rising from 15% to about 45% and exports increasing from $18 billion to over $770 billion. This was due to reduced trade barriers and better global market access.
- ★ **Rise in Foreign Direct Investment (FDI):** FDI increased from $100 million in 1991 to over $70 billion annually, bringing capital, modern technology and improved management, which boosted industrial growth and employment.
- ★ **Structural Change in the Economy:** The economy shifted from agriculture to services with agriculture's share falling from 30% to 15% and services rising above 55% driven by global demand for IT and service sectors.
- ★ **Technological Advancement:** Globalisation improved technology, increasing internet users to 800 + million and expanding digital services. This enhanced productivity and efficiency across sectors.
- ★ **Employment Effects:** It created jobs in IT and services (about 4–5 million jobs) but also caused job insecurity and decline in traditional industries due to global competition.
- ★ **Income Inequality:** Globalisation widened inequality, with the top 10% holding about 70% of wealth, as skilled and urban populations benefited more than rural and unskilled workers.
- ★ **Financial Sector Development:** Integration with global markets strengthened banking and stock markets, increased foreign investment and improved capital availability.
- ★ **Impact on Agriculture:** Agriculture's share declined to 15% and although exports increased, farmers face risks due to global price fluctuations and competition.
- ★ **Change in Consumption Pattern:** Consumer choices expanded with global brands and e-commerce, improving living standards due to higher income and urbanisation.
- ★ **Conclusion:** Globalisation has accelerated India's growth, trade, and technological progress, but it has also created inequality, job insecurity and agricultural challenges. Therefore, balanced and inclusive policies are needed to ensure equitable development.

Deepika
BA.III Year (2340)

पहाड़ी अनुभाग

सत्र: 2025-26

डॉ. ब्रज नन्दन
प्राध्यापक संपादक

विकास ठाकुर
छात्र संपादक

राजकीय महाविद्यालय रिवालसर
मण्डी (हि. प्र.)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	नाम	कक्षा	शीर्षक
	डॉ. ब्रज नन्दन	प्राध्यापक संपादक	संपादकीय
1.	संजना	बी. ए. मंझ दूजा साल	मंडी नगरी देवा री शान
2.	नीलम ठाकुर	बी. ए. मंझ दूजा साल	बुजुर्गां री सीख
3.	इन्दिरा देवी	बी. ए. मंझ तूजा साल	फर्क दो ज़िंदगियां च
4.	पूजा शर्मा	बी. ए. मंझ तूजा साल	छाडी देणी ये नशे री काली जंजीर
5.	विकास ठाकुर	बी. ए. मंझ दूजा साल	पोहलणियाँ
6.	दीपिका	बी. ए. मंझ दूजा साल	चुटकुले
7.	प्रियानी शर्मा	बी. ए. मंझ दूजा साल	पाणी रा स्यापा
8.	तमन्ना ठाकुर	बी. ए. मंझ दूजा साल	कधी नी भुलणी ऐहड़ी बरसात
9.	इन्दिरा देवी	बी. ए. मंझ तूजा साल	क्या गुमान करना जिन्दगिया पर
10.	दीपिका	बी. ए. मंझ तूजा साल	ज्ञान गंगा
11.	संजना	बी. ए. मंझ दूजा साल	आसे मंडयाल
12.	विकास ठाकुर	बी. ए. मंझ दूजा साल	हाई लपेटे
13.	हीमा ठाकुर	ओ.एस.ए. अध्यक्ष	मंडयाली धाम
14.	अंजलि परमार	अंग्रेजी विभागा री प्राध्यापिका	जमाना बधली गया

संपादकीय

बड़ेयां रा गलाईरा होर आँवड़े रा स्वाद

एकी बागा एक तितली नौईं-नौईं आई। तेसा जो तेस बागा रा म्हौल बडा बांका लगेया। दपैहरा तको तेसे ओरे-परे उड़ी-उड़ी के खूब मजे लिते। ऐहड़ा कोई फूल, बूटा, डाड़, झाकड़ नी था , जिथी जाई के, बैठी के तेसे नन्द नी लिती। पर मंझा-मंझा भर तेसा जो कुछ बड़े डाड़ घड़ीए-घड़ीए कुछ स्लाह देया करहां थे। स्यों तेसा जो एक खास खुशबू छाडणे वाड़े झाकड़ा, जेता पर बड़े छैड़ फूल बी लगी रे थे, ते दूर रहणे री सलाह देया करहां थे... पता कि?

देखणयों ता स्यों बाँके लगेया करहाँ थे , खुशबू आया करहां ही थी पर तिन्हा रे नेडे जान्दे ही तेता रे कान्डे लहूलुहान करी देहां थे।

पर से तितली इतनी खुस थी कि तेसे तिना केसी री सलाह नी सुणीं। से हटी - फिरी के भी एहड़े एकी झाकड़ा रे फूलां पर रिझी गई होर काँडेयां अन्दर फसी गई। तेसे छुटने री होर उडणे री बडी कोसिस किती पर पंख फटी गए... सुले-सुले थोड़ी देरा बाद से फेरी मरी गई। दपैहरा तको जे तितली खूब मस्त थी, नंद लेया करहाँ ही थी, सांझ आउंदे - आंउदे तेसा रा जीवन, पला अन्दर ही कहाणी बनी गया ।

तेबे ता गलाएँ, बड़ेयां रा गलाई रा होर आँवड़े रा स्वाद, बादा अन्दर हे पता चलहाँ।

डा० ब्रजनन्दन
प्राध्यापक संपादक

मंडी नगरी देवा री शान

मंडी नगरी देवा री शान,
बीआस किनारे बस्या पहचान।
घाटा माथे मंदिर सोहे,
हर दिल मां श्रद्धा बोहे।
शिवरात्रि आए खुशियां मेल,
ढोल नगाड़े नाचा खेल।
देव रथा संग निकले गांव,
संग-संग चला दिला रा चाव।
बाजरा मां हंसी ठठोली,
मंडी बोली मीठी बोली
सिड्डू चिलड़ा स्वाद अपार
अपनापन ही असली सार
पहाड़ां मां गूंजे गीत,
मंडी री माटी पवित्र प्रीत
जन्म जन्म तक गर्व रहे,
मंडी मंडी मेरी आत्मा कहे।

संजना
बी.ए.मंझ दूजी साल (2443)

फर्क दो जिंदगियां च

इक मठे री जिन्दगी,
इक मठिया री जिन्दगी
दोनो मंझ बड़ा भारी फर्क हा।
एक मठी पैदा हुई जायी ता,
से बोझ बणी जाई।
जेबे इक मठा पैदा हुई जा ता
से घरा रा दीपक बणी जा।
किदी जो फर्क हा इना दोनो री जिन्दगिया बिच।
मठी छब्बे कमाई ता से किस्मत हुई।
कने जे मठा कमाहा ता से मेहनत हुई जाई।
किदी जो ये सोच हाई आसा रे अम्मा-बापू री।
फेरी मैं भी सोचया की काश हाऊ भी मठा हुंदी
कने घरा रा दीपक बणी जांदी।
पर इक दिन मिजो इक मठा मिलया
तिने बोलया की काश मैं भी मठी हुंदी
ता तेरी तरह हासी सका था। बोली सका था।
पर क्या करू हाया ता हाऊ इक मठा इ था।
फेरी मिजो इक गल समझ आयी
तेड़ी जे मिजो जिन्दगी मिली री
तिदी विच ही खुश रहणा चाहिंदा
मठा हो या मठी
जमाने जो ता सिर्फ आसा ते फायदा ही चाहिंदा।

इन्दिरा देवी
बी.ए.मंझ त्रीजी साल (2310)

बुजुर्गा री सीख

आसा रे बुजुर्ग हुंदे बड़े ही काबिल
तिन्हा ओ हुँदा तजुर्बा जिन्दड़ी दा
सेही तजुर्बा तिन्हा आगे जो सिखाणा
आसा कन्ने आपणी आपबीती सुणाया।
बजुर्ग हुन्दे खजाना संघर्ष रा
जिवणाँ रे जजबे रा सौगी बाटा रे पाथरू रा
सारी जिन्दड़ी आपणी गरीबी च बिताई
छहलिया कन्ने छाछ पीयी कन्ने
भूख आपणी मिटाई।
खेतरा काम कमाई कन्ने, धान कोदरा बाई कन्ने
खिंद, खंदोलुआ च सोई कन्ने नींद मीठी आवदी
रिश्ते नाते निभांवदे थे चावा कन्ने
नाटी रा फेरा पावदे ये पूरे गाँवा कन्ने
बजुर्गों री सीख बड़ा कुछ सिखांदी
कदी आसा जो नी भटकांदी।
बजुर्गों री सीख आसा सभी
जिंदगिया च याद रखणी
आपु भी निभावणी सोगी आपणी आवणे
आड़ी पीढ़ी जो भी सिखाणी।

नीलम ठाकुर
बी.ए.मंझ दूजी साल (2402)

छाडी देणी ये नशे री काली जंजीर

छाडी देणी ये नशे री काली जंजीर,
नहीं ता भटकणे पौणा बणीके बजीर,
रंग इदी नशे रा सभी युवा पर छाया,
सभी तरफा नशे रा जाल बिछाया,
बीड़ी सिगरेटा रे धुएँ ने,
फेफड़े फड़फड़ाणे,
मौता रे मुँहा आपु ही चली जाणे,
शराब, बीयर, बीस्की देनी छाडी,
दूध, लस्सी कने जूस ने करी लैणी राजी,
छाड़ी देणा गुटका, तम्बाकू चबाणा,
नहीं ता जान देयी ने भरने पौणा हरजाणा,
कुला रे दीमक नहीं दीपक बणना,
भारत देशा रा नौ रोशन करना।

पूजा शर्मा
बी.ए.मंझ त्रीजी साल (2303)

पोहलणियाँ

1. वार भी हुई टापरी, पार भी हुई टापरी
   कने मंझ भरा भेड गई आकरी ?

ये हाः चुल्हा कने फुल्का।

2. वारखा छलाका, पारखा छलाका
   मंझ भर जे गभरू पाका?

ये हाः नौणी।

3. जावहां घरों खो, मुँह बणा खो
   आवहां बणा खो, मुँह घरों खो

ये हाः छकु।

4. एक रूख तिते जो कोहने रा दुख।
   तिते लगे चिंधे, सयो खाने जो केई मिठे होंगे?

ये हाः केले।

5. काला हांडु लाल भात
   खाई गया गड़पु नाथ?

ये हाः फैगड़ा।

6. पांज नौंह बड़े कुडडी
   कुडु चली उडी ?

ये हाः जुड़ा।

7. बींहां रा मुंडू कटी तया
   ना सयो मारे ना तिन्हा रा खुन कित्या?

ये हाः नश / नौंह।

8. सोठी, सोठी ऊपर कोठी कोठी
   कोठी ऊपर पैसा बुझने वाला कैसा ?

ये हाः अफीम।

9. टिटर-टाटर, सिरा ते बड़ी हाख
   एक पंछी ऐढ़ा जेसरा नैड़े नी आंदा पांख?

ये हाः टिड्डा।

10. एक चिड़ी हई चियाखड़ी
    तेसरे हे एक टुंड कन्ने दो पांखड़ी?

ये हाः करयाले रा पातर।

11. रती कर लोटकु तिते मंझ मेरा खान
    बुझना ता बुझ नईं ता तु हया पठान।

ये हाः खोड।

12. दोनों तपाहें आगा गास
    एकी जो एक कान कने दुजे जो दो कान ?

ये हा तवा कने कड़ाही।

विकास ठाकुर

बी.ए. मंझ दूजी साल (2414)

चुटकुले

1. झूठ बरावर तप नहीं, सच बरावर पाप।
   जाई कने झूठ बोलणा, ताकि खुश होई जाए बाप।

2. मास्टर जीः तेरी हाजरी बड़ी भारी कमई।
   तिजो पेपरा च नी बैठणे देणा।
   अमितः कोई गल नी जी, ना खड़ीरे - खड़ीरे
   पेपर देई देणा।

3. एक बारी 3-4 गवाले आपणे - आपणे डागरेआं
   री बड़ी भारी तारीफ करदे लगीरे हुए।

एक बोलाः मेरी मैसीया री हाखिया बड़ी मनमोहक हो।

दूजा बोलाः मेरी गाई री फुइंट (पूंछ) बड़ी भारी बांकी। तीजा आदमी बोलाः मेरी भैंस काली-कलुटी तेभे भी रो चीटा दूध देई।

4. एक बार एक मर्दा एक नठिया जो देखी के
गाणा गांदा लगेया : चलाओ न नैणों से बाण रे....
ता नठी बोलाईः जे, पई चप्पलारी तानई रहणी
पछयाण रे।

दीपिका

बी.ए.मंझ दूजी साल (2304)

पाणी रा स्यापा

सारे बोलदे पाणी – पाणी, पर सभी जो अक्कल कदी आऊणी।

बरसाती जो सारे भुली जांदे, पर गर्मियों सारे पछतांदे ।

जे बरखा हुई जाओ थोड़ी जे ज्यादा, गालियां देणी भगवाना जो दर्जना ते ज्यादा,

आपु रहणा कटदे सारे जंगल, बोलाएं फेरी किंया हुणा आसा रा मंगल ।

जल्दी पाणी जाणा सुकी, जानवरा समेत माहणुआ जाणा मुकी।

आवा आसा सभी कसम खाणी, कदी नी हुण फजूल ग्वाणा पाणी।

कुछ डाल - बूटे लगाई कने जीवन सभी रा बचाणा,जे बचागे आसे बूंद-बूंद पाणी,

ता हुणी आसारी नौंउई पीढ़ी कठे बड़ी कुर्बाणी ।

प्रियानी शर्मा

बी.ए.मंझ दूजी साल (2409)

कधी नी भुलणी ऐहड़ी बरसात

कधी नी भुलणी ऐहड़ी बरसात,
सरकी गए पहाड़ ता ढल्ली गई बाट ।

कालासर, सुकासर मिली गए ऐस बारी,
कुतम्योआ री भी देखी लई बगणे री तैयारी
लोक जागी रहे सारी – सारी रात,
कधी नी भुलणी ऐहड़ी बरसात
सरकी गए पहाड़ ता ढल्ली गई बाट ।

घर भी बही गए ता स्कूल भी बही गए,
भला हो भगवाना रा, जे माहणु रही गए
तुसे जाणा ता किहा कटेया दिन ता किहा कटी रात।
कधी नी भुलणी एहड़ी बरसात
सरकी गए पहाड़ कने ढल्ली गई बाट ।

टुटी गई सड़का, ता टुटी गए पुल
नलके भी सुकी गए ता बिजली भी गुल
बड़े बुरे हुए हालात...
कधी नी भुलणी ऐहड़ी बरसात
सरकी गए पहाड़ ता ढल्ली गई बाट ।

पैदल जाणा पैया, केथी पाणी महंगिया कारा,
नैटवर्क भी हफी गया ता जियो भी करी गया किनारा
एयरटैले देई लैया थोड़ा जेहा साथ,
कधी नी भुलणी ऐहड़ी बरसात
सरकी गए पहाड़ ता ढल्ली गई बाट ।

तमन्ना ठाकुर
बी.ए.मंझ दूजी साल (2436)

क्या गुमान करना जिन्दगिया पर

क्या गुमान करना ऐसा जिन्दगिया पर
पता नी कदी चली जाणा ऐसा दुनिया ते।
पइलके जमाने भाई भाई हुआ थे
पर आज के जमाने देखो ता
भाई – ही भाई रा दुश्मन हूआँ।
ढबे ता लोका ले बड़े भारी ए
पर क्या करना तेस ढबे रा
जे जिन्दगी नी रहो।
क्या गुमान करना एढ़ी जिन्दगिया पर
मैं ता अपने घरा ई देखी लया कि
कुछ नी हाई जिंदगी।
18 साल रा भाई मुकी गया 20 साला रा मामु
तेबे मिंजो समझ आई रा
की कुछ नी हाई आसा री जिंदगी।
पइलके स्याणे ठीक बोलाएं थे
कि एस प्रभु रा नाओ लेया करो
दान करया करा
तुसा रे घर ये जमीन
ऐथी ए रई जाणी
मिलणा ता सेईया
जे हाथा ते दिती रा हुणा
फेरी क्या गुमान करना
ऐसा जिन्दगिया पर।

इंदिरा देवी
बी.ए.मंझ त्रीजी साल (2310)

ज्ञान गंगा

ये जे आदमी रा शरीर हा, ये एक रथ हा, होर आत्मा तेस रथा री सारथी आसारी ये इन्द्रिया घोड़े हुआई जे आदमी इन्हा जो बसा बिच करी के संसार मंझ रहा तेस जो कधी भी दुःख नी हुदा ।

ऐस संसारा मंझ भगवान रा नां सभी ते पवित्र हा, चाहे राम बोली के रामभद्र बोली के जे आदमी भगवाना रा नां लैहा तेस आदमी जो कधी बी पाप नी लगदा होर तेस जो भोग होर मोक्ष दोनों री ही प्राप्ती हुआ ही।

दीपिका
बी.ए.मंझ त्रीजी साल (2304)

आसे मंडयाल

पहाड़ा मां वस्या मंड्याल,
हर दिल मां प्रेमां रा उजाला।
नदी-नाला, जंगल-डार।
कुदरत संग जुड़या सब यारा।

मक्की रोटी, सिड्डू स्वाद,
देसी घी मां सेहत बात।
घर – आंगण मां अपनापन,
मेहमानां रा होवे सम्मान ।

दादी नानी गीता गाया।
किस्से – कहाणी दिला समाया।
बुजुर्गा री सीख अनमोल,
जीवन जीणा सादा डोल।

आज जमाना बदल्या सही,
पर जहां छोड़ी जांदी नई।
मंडयाली बोली, रीति-रिवाज,
सदा चमका ज्यूं हिमाचल ताज।

संजना
बी.ए.मंझ दूजीं साल (2423)

ढाई लपेटे

ये कहानी बड़ी भारी पुरानी हई।
एक ध्याड़े री गल हई एक राजा था कने तेसरे थे दो मठे। राजा चाहा था कि स्यों दोनों शिक्षा रे कठे गुरुकुला खा जाओ। ता तिने राजे दोनों जो गुरुकुला खा भेजी तया। तेथी से झे साधु था तिने तिन्हा री परीक्षा लेणी चाही। साधुए बडे मठे जो बाईं ते पानी लयाने जो भेजया। से मठा था ढीला कने बाईं थी दूर।

ता से नी पुजया ही बाईं खा कने वापिस आई गया। तेबे तिने साधुए छोटे भाऊ जो एक फाटा ते पाणी लयाने जो भेजया। छोटे मठे देखया की तेथी पाणी नी हा पर पाला हया। ता तिने आपना रुमाल काढया कने पाले रा पाणी निचोड़ी-निचोड़ी कने पुरा घड़ा भरी तया। साधु इन्ते ले जाणी गया किछोटा मठा बड़ा भारी चलाक हा। तिने कुछ धयाड़े बाद तेसरी कने बडे भाई री भि से परीक्षा लिती। तिने बडे मठे जो एक कुक्कड़ दितया कने बोलया एसजो मड़ेकी दे। तिने मठे झटपट तेस कुक्कड़ारा क्याड़ा मड़ेकी तया। तेबे साधुए छोटे मठे जो भी कुक्कड पकड़ाया कने बोलया ऐस रा क्याड़ा मड़ेकी दे। पर तिने छोटे मठे बोलया की मिंजो सब पशु-पक्षी देखी करा हे डाल देखी करा हें, दयो, देवते, देखी कराहें हाऊं।
एड़ा किहां करी देऊँ। कुछ साल बाद दोनों री शिक्षा पूरी हुई गई। कने राजा दोनों मठेया जो लेणे रे कठे आई गया। तिने छोटे मठे जांदे बारी एड़ा करी तया कि तिने ढाई लपेटे मारे कने घोड़ा बणी गया। ये सिद्धी सिर्फ साधु जो ही आई थी।
तिने देखया कि से छोटा मठा ता आपु ही ये सिद्धी सिखी गया। तेबे तेस साधु जो जलन हुई की ऐस ता मेरे ते अगे निकली जाणा। ता तेबे तिने साधुए तेसजो मारने री कोसिस किती लुखी कने, पर से भाऊ बची गया। तिने ढाई लपेटे मारे कने एक जोक बणी के म्हैसी रे नाका अदर चली गया।

पर साधु जो ये पता लगी गया। साधुए तेस म्हैसी रे मालक एक गुज्जर ते से म्हैस खरीदी लिती कने जलनी अंदर म्हैसी-रा मुंड ढुकी तया। से भाऊ भी मुंडकै साऊगी पयी गया। साधुए तेरा पर तलवारा रा घसा सटने री कोशिश किती पर तेबे तक तिने भाऊए ढाई लपेटे मारे कने माखी बणी गया। माखी बणी के से राजमहला खा चली गया। तेथी एक जगह पर राजे दुश्मनों डराने रे कठे माहन्नु रे पिंजर टंगाई रे थे। से भाऊ माखी रे रूपा अंदर एक पिंजरा खा लुखी गया क्योंकि साधु तेसरे नेडे पूजी गया था। तिने साधुए से पिंजर झनखोड़या कने से माखी धरती गास पयी गयी। तिने चेले झटपट ढाई लपेटे मारे कने राणी रे हारा अंदर एक मोती बणी गया। से भाऊ जान्दा था कि से आपणे बापु जो नी बोली सकदा की साधु जो मारी दे या कैद करी दे। तेबे तिने एड़ा कितया। पर साधु चलाक था। से राजे बले गया कने तिने राजे ते रानी रा हार मांगी तया। राजे जो हार देणा ही पया। साधु झटपट कुक्कड़ बणया कने हारा रे मोती जो चुगदा लगी गया। तिने चेले ढाई लपेटे मारे कने झटपट बिल्ली बणीके से कुक्कड ही मरोडी तया।

इधी कहानी ते ये सीख मिलाहीं कि-गुरु ते बधी के चेले।

बिकास ठाकुर
बी.ए. मंझ दूजी साल (2414)

मंडयाली धाम

धाम- आसा पहाड़ी लोका रा पारंपरिक खाना।
आसा मंडयाड़ा जो मंडयाली धाम मिली जाओ ता फेरी केथी रुकी हुआं खाणे ते।

ता मंडयाली धामा विच

सभी ते पहिले आवीं सेपुबड़ी। ता सेपुबड़ियो मंझा ले गुच माराएं तेथी ले बाद आसे भात खाना स्टार्ट कराएं।

फेरी आवीं कद्दू का मीठा, इतेरा स्वाद ही अलग हुआ। तुसे आजकले रा गुलाबजामुना रा मीठा खाई लो पर कद्दू रे मीठे ने केसी रा कोई मुकाबला नियां।

फेरी धोतुए री दाल आवीं ता बोटी हाली परे झे येड़ी लगीरा हुआ आदा ता मुंहा पानी पहले आई जा देखी कने, तेड़ा झे येड़े सने तूसारे मुहा आईरा पढ़ी कने। हीऊँदा रे ध्याड़े ता मंड्यालीआ रा मधरा भी हुआं।

ता दाल कढ़ी नी खादी फेरी ता क्या खादया।

तुसे दुनिया रे केसी भी कोणे चली जावा अगर तुसा जो मंडयाली धाम मिली गई ता तुसा लगणा हाऊं आपणे घरा ग्रांवा विच हि आ।

आसारी धाम आसा जो आपणी संस्कृतिया ने जोड़ी के रखाई ।

आजकले रे मट्ठे-मठिया पिज्जा-बर्गर खाई कने आपू जो बड़े मॉडर्न समझाएं। कने आपणी सभ्यता जो भुल्या कराएं। ता हाऊं सभी जो ये बोलणा चाहि कि आसा ही ये परंपरा, ये सभ्यता, आगे नेणी। ता लास्टा विच हाऊं ये दसी देऊं - येड़ी ये आसारी मंडयाली धाम, बूझो सीरा री पीड़ा जो आ बाम ।

हीमा ठाकुर
ओ.एस.ए. अध्यक्ष

जमाना बधली गया

नवां जमाना आई गया
बधली गइरी हवा-पानी होर तौर-तरीके देखदे-देखदे।

एक जमाना था जेबे सभ बालक दो महीने री छुट्टियां बिच ननहयालो जाहें थे,
जंगला जाइके गाइया चराहे थे, लकड़ी ल्याहवें थे, कन्ने खिचड़ी बनाइके पिकनिक कराहें थे।

ऐभे स्यों गला नी रही, ना ननहयाल, ना गाइयां ना कोई जंगला बिच पिकनिक।
ऐभे ता पसंद हा डॉमिनोज पिज्जा, पास्ता या फ्रेंच फ्राइज।

पैहले स्कूलो पैदल जाहें थे, कने रस्तो कणका री डोहरिया बिच चंदा मामा उड़ाहें थे।
ऐभे लगीरी स्कूल बसा।

ना कोई डोहरिया चलदे पईके आपू सभलना, ना ता चंदा मामा री खेल।

पैहले कठे बैठी के लोहड़ी रे गिट्टे नेड़े दुनिया भरा री गप्पा लगाहीं थी।
एभे सब व्हट्स ऐपा मंझा भेजाएं हैप्पी लोहड़ी।

पैहले आम्मा-बापू री एक नजर ही भतेरी भी समझणेयों।
एभे मम्मी पापा नजरा समाकदे ही पूरी कराहें बच्चेआं री फरमाइसा ।

पैहले बचपना बिच आपू जाइके काफल चुगाहें थे, आखे, कशमले, त्र्यांबलू कठे कराहें थे।
होर खरनू कने कांभला रे पत्तरा रा पान बनाई खाहें थे।
हूण ता इन्हा चीजा रा नांव तक नी पता हुणा कइया जो।

पैहले राती जाई देवा रे आंगणा बिच बांठड़ा होर स्वांग देखणे रा मजा ही कुछ होर था।
एभे बारी ही नी ही रील्हा होर स्टोरिया देखणे ते।

गुल्ली डंडा, मिया मिट्ठू, चहुआ, पंजगटड़ा, पकड़म-पकड़ाई, बाइया ते पाणी ल्यावणा, आंबा रे डाला पीघा झूटणी, एकी दूजे ते पोहलणियां पूछणी, चूल्हे नेड़े बैठी के नानी होर दादियां ते पींदी-पींदू, चिड़ू-चिड़ी हो राजा-राणी री कहाणिया सुणनी।

केभे-केभे सोचदी बैठाहीं ता लगां कि जमाना बधली गया बड़ा भारी।
बड़े भारी याद आहवें स्यों ध्याड़े,
जेड़े हुण हटी के कधी नी आओणे।

अंजलि परमार
अंग्रेजी विभागा री प्राध्यापिका

Glimpses of Various Activities, Events and Celebrations

Annual Prize Distribution Function 2025-26

Sports /Championships

National Sports Day Competitions

SPU Inter- College Chess Competition (M/W) held at Sanskrit College Sundernagar

SPU Inter-College Cross Country Championship (M/W) held at JN Govt. College Haripur, Manali

SPU Inter-College Badminton Championship (women)held at GC Kullu

SPU Inter-College Athletics Championship (Men) held at SPU Mandi

Annual College Athletic Meet Feb. 2026

NSS

NATIONAL SERVICE SCHEME
GOVT. DEGREE COLLEGE

NATIONAL SERVICE SCHEME

Eco Club

Rover-Ranger Unit

Exposure Visit to STC Rewalsar

Trekking to Kunthbhayo Lake

Rajya Purskar & Nipun Testing Qualified Rangers

Participation in National Jamboori in Chhattisgarh

Pre-RDC Camp Participation

Road Safety Club

Women Cell

Red Ribbon Club

Hindi Diwas

Career Counselling Cell

Electoral literacy Club

Anti Drug Club

Teacher's Day

With Additional Director Dr. Harish Kumar

Mehandi Competition

Farewell Party

Vigilance Awareness Week

Freshers' Party

College student Pooja Sharma receiving prize from Governor Sh. Shiv Pratap Shukla for standing first in Viksit Bharat Young Leadership Dialogue Poetry Competition organized by SPU Mandi

Aadhaar update camp by Post Office Rewalsar for College Students

Retirement of Prof Deepak Gautam (Music-I) on July, 2025.

Retirement of Smt Lata Thakur (Peon) on Dec. 2025

Retirement of Principal Dr. K. C. Kashyap on May, 2026

CSCA

OSA

Plantation of Peepal tree in STC campus in memory of the late Dr Yadvinder Kumar, Assistant Professor of Maths

NATIONAL SERVICE SCHEME
GOVT. DEGREE COLLEGE